



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 187]

No. 187]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 20, 2009/वैशाख 30, 1931

NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 20, 2009/VAISAKHA 30, 1931

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 मई, 2009

अंतिम जाँच परिणाम

विषय : यूरोपीय संघ, कोरिया गण., चीन जन. गण. तथा ताईवान (चीनी ताइपेई) के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित पोटेसियम कार्बोनेट के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क से संबंधित निर्णायक समीक्षा जाँच।

सं. 15/4/2008-डीजीएडी.—यतः वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) और सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क या अतिरिक्त शुल्क का आकलन और वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

क. मामले की पृष्ठभूमि

1. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यूरोपीय संघ, कोरिया गण., चीन जन. गण. तथा ताईवान (चीनी ताइपेई) (जिन्हें एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित पोटेसियम कार्बोनेट (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है), जो उपशीर्ष 2836.40.00 के अंतर्गत आता है, के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी। प्रारंभिक परिणाम दिनांक 30 अप्रैल, 2003 की अधिसूचना सं. 14/42/2002-डीजीएडी द्वारा प्रकाशित किए गए और दिनांक 10 जून, 2003 की सीमा-शुल्क अधिसूचना सं. 91/2003-सीमा-शुल्क द्वारा संबद्ध वस्तु पर अनंतिम शुल्क लागू किया गया था। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 16 जनवरी, 2004 की अधिसूचना सं. 14/42/2002-डीजीएडी द्वारा अंतिम परिणाम जारी किए और केंद्र सरकार की दिनांक 20 फरवरी, 2004 की सीमा-शुल्क अधिसूचना सं. 37/2004 द्वारा निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लागू किए गए। केंद्र सरकार की दिनांक 11 जून, 2008 की अधिसूचना सं. 76/2008 द्वारा शुल्कों की समयावधि बढ़ाई गई।

2. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग, मै. गुजरात एल्कलीज एंड कैमिकल्स लि., वडोदरा के अनुरोध पर संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित पोटेसियम कार्बोनेट के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा जाँच की शुरुआत की। यह अनुरोध इस आधार पर किया गया था कि उपायों की समाप्ति के परिणामस्वरूप पाटन तथा/अथवा घरेलू उद्योग को क्षति के जारी रहने, अथवा उसकी पुनरावृत्ति की संभावना होगी। याचिकाकर्ता ने प्रथमदृष्टया साक्ष्य के आधार पर यह दावा किया कि इन देशों से संबद्ध वस्तुओं पर लागू पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति से पाटन तथा क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना होगी और उन्होंने आगे और पाँच वर्ष की अवधि के लिए संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु पर लागू पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने और शुल्क की राशि बढ़ाए जाने का अनुरोध किया है।

3. घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए सकारात्मक साक्ष्य, जो समीक्षा की आवश्यकता सिद्ध करते हैं, से संतुष्ट होकर प्राधिकारी ने प्रभावी शुल्कों को जारी रखने की आवश्यकता की समीक्षा करने और इस बात का पता लगाने के लिए कि क्या शुल्क की समाप्ति से पाटन तथा क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति की संभावना है, पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9क(5) के अनुसार दिनांक 21.05.2008 की अधिसूचना सं. 15/4/2008-डीजीएडी द्वारा निर्णायक समीक्षा जाँच की शुरुआत की थी।

ख. प्रक्रिया

4. इस जाँच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :

i) समीक्षा जाँच की शुरुआत के बाद नियम 6(4) के अनुसार प्राधिकारी ने प्रश्नावली का उत्तर तथा आवश्यक सूचना भिजवाने के लिए घरेलू उद्योग, संबद्ध देशों के सभी ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों और ज्ञात आयातकों को सूचित किया;

ii) नियम 6(2) के अनुसार नई दिल्ली स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों को भी जाँच की शुरुआत की सूचना दी गई और यह अनुरोध किया गया कि वे अपने-अपने देशों के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने का परामर्श दें।

iii) प्राधिकारी ने संगत सूचना एकत्र करने के लिए संबद्ध देशों के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी थीं

क) इवॉनिक डेगुसा जीएमबीएच, जर्मनी
बेनिगसनप्लाट्ज 1
40474 डुस्सेलडॉर्फ
जर्मनी

ख) हेनन चाइना ओरिजनेटर ट्रेडिंग कं. लि.
जेंगझोऊ
हेनन,
चीन

ग) टियानजिन जिनयुआन
टांगु जिला,
टियानजिन
चीन

घ) ताईवान पल्प एंड पेपर कॉर्पोरेशन
10वाँ तल, सं. 96, से. 1
चीन क्यूओ मार्ग
ताइपेई
ताईवान (चीनी ताइपेई)

(ड.) यूएनआईडी कं.
17वीं, ओरिएंटल केमिकल बिल्डिंग
50, सोकांग-डॉना
चुम-गु, सियोल
कोरिया गण.

iv) संबद्ध देशों के निम्नलिखित निर्यातकों ने निर्दिष्ट प्राधिकारी को निर्धारित प्रश्नावली का उत्तर दिया है।

मै. इयॉनिक डेगुसा-जर्मनी
मै. यूएनआईडी-कोरिया गण.

v) ताईवान (चीनी ताइपेई) तथा चीन जन. गण. से किसी निर्यातक ने उत्तर नहीं दिया है। ऐसी स्थिति में प्राधिकारी ने उत्तर न देने वाले निर्यातकों/उत्पादकों को असहयोगी माना है और नियम 6(8) के अनुसार मामले के संबंध में निर्णय लिया है।

vi) वर्तमान समीक्षा के प्रयोजनार्थ जाँच की अवधि दिनांक 1 जनवरी, 2007 से 31 दिसंबर, 2007 (12 माह) तक की है। तथापि क्षति विश्लेषण में वर्ष अप्रैल, 2004- मार्च, 2005; अप्रैल, 2005- मार्च, 2006 तथा अप्रैल, 2006-मार्च, 2007 शामिल हैं।

vii) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एंड एस) से विगत तीन वर्षों के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों तथा जाँच की अवधि के ब्यौरे उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था। डीजीसीआई एंड एस से अपेक्षित सूचना प्राप्त हो गई है।

viii) क्षति की जाँच हेतु लागत एवं क्षति संबंधी सूचना मै. गुजरात एल्कलीज एंड कैमिकल्स लि. द्वारा प्रस्तुत कर दी गई है।

ix) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मँगवाते हुए आयातकों की प्रश्नावली के साथ जाँच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रति भी भारत के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों तथा संबद्ध वस्तु के प्रयोक्ताओं को भेजी गई थी;

मै. ऑरबिंदो फार्मा लि. 2, मैत्री विहार मैत्री वानम अमीरपेट के पीछे हैदराबाद	मै. वीडियोकॉन इंटरनेशनल लि. मित्तल कोर्ट नरीमन प्वाइंट बॉम्बे
मै. वीडियोकॉन नर्मदा ग्लास विडियोकॉन इन्टेल लि. का प्रभाग छवाज भरुच- 392002	मै. टैनफैक इंडस्ट्रीज लि. सं. 14, सिपकॉट औद्योगिक परिषद कुडिकाडु पोस्ट
मै. अनुस लेब्स लि. 17 चिलकामारी ग्राम आंध्र प्रदेश- 509 216	मै. वॉरिन लेब्स लि. एस डी रोड सिकंदराबाद मेडक

मै. गुजरात इन्सेक्टिसाइड्स लि. 805/806 जीआईडीसी औद्योगिक एस्टेट अंकलेश्वर- 393002 गुजरात	मै. आईसीआई इंडिया लि. एन्नूर वर्क्स पो. बॉक्स- 5 एन्नूर एक्सप्रेस हाईवे एर्नावुर पीओ, मद्रास- 600057
मै. कंडीएल बायोटेक लि. पारिजात हाउस, 1076 डॉ. ई. मोजेज रोड वरली बॉम्बे- 400018	मै. भारत ज्योति 22, एस गांधी मार्ग प्रिसेस स्ट्रीट बॉम्बे-400002
मै. नेशनल ऑर्गेनिक कैमिकल्स लि. रबड़ कैमिकल प्रभाग सी-37, टीटीसी औद्योगिक क्षेत्र, थाणे, बेलापुर रोड, थाणे-400975	मै. बायोकैमिकल सिंथेटिक प्रोडक्ट्स सनत नगर हैदराबाद- 18
मै. ग्लोकैम इंडस्ट्रीज लि. फ्लैट सं. 217, भानु एन्क्लेव सुंदर नगर, ईएसआई अस्पताल के निकट हैदराबाद-500038	मै. एपीएल कैमि. नैचुरल लि. 301, नीलगिरी ब्लॉक आदित्य एन्क्लेव अमीरपेट हैदराबाद- 500038
मै. बेकर ह्यूज सिंगापुर प्रा. लि. सं. 621, मिडास सहर प्लाजा कोडिविटा, एम. वी. रोड अंधेरी पूर्व, बॉम्बे	मै. कीर्ति बंगलौर प्रा. लि. सं. 31, जे सी रोड बंगलौर
मै. एम एफ डी एल फ्लोरीन प्रोडक्ट्स लि. 266, एक्सप्रेस हाईवे एसईआईसी हैवी कैमिकल्स के सामने मनाली मद्रास-600068	मै. रैनबेक्सी लैब्स लि. देविका टावर 10वाँ तल, 6, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019
मै. अमोली ऑर्गेनिक्स लि. 407 डालमल हाउस जमना लाल बजाज रोड नरीमन प्वाइंट बॉम्बे-400021	मै. रेकॉन लि. 16/2, ओवीएचस रोड बसवानागुड़ी बंगलौर-560004

मै. अल्फा ड्रग्स इंडिया लि. प्रथम तल, एससीओ 18 सेक्टर-26, मध्य मार्ग चंडीगढ़- 160019	मै. एस डी फाइन कैम. लि. 315-317, टी वी इंडस्ट्रियल एस्टेट 248, वरली रोड वरली बॉम्बे-400025
मै. बेयर इंडिया लि. रसायन प्रभाग 749, अन्नासलाई पो बॉ. सं. 2420 मद्रास- 600002	डॉ. रेड्डीज लैब लि. 7-1-27 अमीरपेट हैदराबाद-500016
मै. सी जे शाह एंड कं. 105, बजाज भवन 10वाँ तल नरीमन प्वाइंट बॉम्बे-400021	मै. ट्राइबोलोजी इंडिया लि. 1, स्मिथ रोड मद्रास-600002
कैमि केयर 14, देवकरण निवास 283, सैमुअल स्ट्रीट वडगाड़ी बॉम्बे 400003	दौराला ऑर्गेनिक्स लि. 22-बी, हिमालय हाउस, दूसरा तल, 23 कस्तूरबा गाँधी मार्ग नई दिल्ली-110001
दीपक नाइट्राइट लि. 4/12, जीआईडीसी कैमिकल कॉम्प्लेक्स नान्देसाड़ी गुजरात-391340	एस्के फाइन कैमिकल्स मेहता महल भूतल, 15 मैथ्यू रोड
फाइकॉम ऑर्गेनिक्स लि. 162, मेकर चैम्बर III 15वाँ तल, 222 नरीमन प्वाइंट बॉम्बे-400021	हाइकल लि. 603-ए, ग्रेट ईस्टर्न चैम्बर्स छठा तल, सेक्टर-11 सीडीबी-बेलापुर न्यू बॉम्बे-400614
आईसीआई इंडिया लि. (पेंट्स बिजनेस) आईसीआई हाउस 34, चौरंगी रोड कोलकाता	आईपीसीए लैब्स लि. आईपीसीए हाउस, 63-ई कांदीविली इंड. एस्टेट कांदीविली पश्चिम, बॉम्बे-400067
कांतिलाल मणिलाल एंड कं. प्रा. लि. एपीजे चैम्बर्स,	ला ओपाला आरजी लि. 230-ए, ए जे सी बोस रोड

वॉलेस स्ट्रीट जीपीओ, बॉम्बे 400001	कोलकाता
नोवार्टिस इंटरप्राइजेज प्रा. लि. शिवसागर डॉ. ए बी रोड वरली बॉम्बे-400018	ओसवाल कैमिकल्स 1431, गणेश देहला फुलपुरा के सामने, मधुपुरा अहमदाबाद- 380004
पाण्डेसरा इंड. प्रा. लि. सर्वेक्षण सं. 80 भेसतान जीआईडीसी, पाण्डेसरा, सूरत गुजरात- 394221	ऋषि कैमिकल वर्क्स प्रा. लि. 56/1, बिपलबी रास.बिहारी बसु रोड कमरा सं. डी-23, कोलकाता-700001
सैमकॉर ग्लास लि. 52, कम्यूनिटी सेंटर न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी नई दिल्ली-110065	सुदर्शन कैमिकल इंड. लि. नरीमन बीएच, नरीमन प्वाइंट बॉम्बे- 400021
सन फार्मास्यूटिकल इंड. लि. ऐक्मे प्लाजा अंधेरी कुर्ला रोड संगम सिनेमा के सामने अंधेरी पूर्व बॉम्बे-400059	टोनिरा फार्मा लि. 301, योगी कॉम्प्लेक्स 44, सम्पत्रो कॉलोनी अलकापुरी बड़ौदा-390005
मै. आरती ड्रग्स लि. 18-ए कृष्णा निवास रोड सं. 1, स्कीम सं. 6 सिआन पूर्व मुम्बई	

x) मै. वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज लि. (नर्मदा ग्लास डिविजन), भरूच के अलावा अन्य किसी आयातक/प्रयोक्ता ने उत्तर नहीं दिया है और न ही कोई सूचना प्रस्तुत की है।

xi) प्राधिकारी ने इस तथ्य के निर्धारण के लिए कि क्या पाटनरोधी मार्जिन से निम्नतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति की भरपाई के लिए पर्याप्त होगा, क्षति के परिमाण का पता लगाने तथा सामान्यतः मान्य लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर उत्पादन की ईष्टतम लागत और भारत में संबद्ध वस्तु के विनिर्माण तथा बिक्री की लागत के परिकलन तथा आवेदकों द्वारा प्रस्तुत सूचना की जाँच के लिए आवश्यक सीमा तक घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना की जाँच की;

xii) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों की मौखिक सुनवाई के लिए दिनांक 24 मार्च, 2009 को एक सार्वजनिक सुनवाई का आयोजन किया जिसमें घरेलू उद्योग के प्रतिनिधियों, यूरोपीय संघ तथा कोरिया गण. से संबद्ध वस्तु के निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने भाग लिया।

(xiii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए सभी विचारों एवं निवेदनों पर वर्तमान जांच हेतु संगत सीमा तक विचार किया है।

(xiv) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय स्मांतर को एक सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया है जिसे हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण हेतु रखा गया है।

(xv) पाटनरोधी नियमावली के नियम 16 के अनुसार, इन जांच परिणामों के आवश्यक तथ्यों/आधारों को ज्ञात हितबद्ध पार्टियों के समक्ष प्रस्तुत किया गया था और उन पर प्राप्त होने वाली टिप्पणियों की विधिवत जांच की गई है और अंतिम जांच परिणामों में शामिल किया गया है।

(xvi) गोपनीयता संबंधी दावे की पर्याप्तता के संबंध में हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराई गई सूचना की जांच की गई थी। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक था, गोपनीयता प्रदान की है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है और अन्य हितबद्ध पार्टियों पर प्रकट नहीं किया गया है। जहां भी संभव हो, गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करने वाली पार्टियों को गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय स्मांतर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था।

(xvii) जहां भी किसी हितबद्ध पार्टी ने आवश्यक सूचना जुटाने से मना किया है या वर्तमान जांच के दौरान आवश्यक सूचना उपलब्ध नहीं कराई अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डाली है, वहां प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर ये परिणाम दर्ज किए हैं।

(xviii) प्राधिकारी ने दिनांक 14 मई, 2009 को आवश्यक विचाराधीन तथ्य प्रस्तुत करते हुए एक विस्तृत प्रकटन विवरण जारी किया है और इन तथ्यों पर व्यक्त किए गए विचारों को वर्तमान जांच परिणामों में विधिवत शामिल किया गया है।

(xix) अंतिम जांच परिणामों में *** का तात्पर्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराई गई सूचना से है और इसे नियम के अधीन प्राधिकारी द्वारा ऐसा ही समझा गया है।

ग. विचाराधीन उत्पाद और 'समान उत्पाद'

ग.1 घरेलू उद्योग के विचार

5. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित मुद्दे उठाए गए हैं:

(i) चूंकि वर्तमान जांच एक समीक्षा जांच है अतः विचाराधीन उत्पाद, मूल जांच में परिभाषित उत्पाद के समान है। अवधि के दौरान उत्पाद में कोई उल्लेखनीय परिवर्तन नहीं हुआ है।

(ii) घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुएं, आयातित उत्पाद के समान वस्तु हैं।

ग.2 आयातकों, उपभोक्ताओं, निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

6. किसी भी निर्यातक, आयातक, उपभोक्ताओं एवं अन्य हितबद्ध पार्टियों ने संबद्ध देशों से भारत को निर्यातित संबद्ध वस्तु तथा घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तु की प्रकृति के संबंध में कोई मतभेद नहीं दर्शाया है।

ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

7. विचाराधीन उत्पाद "पोटैशियम कार्बोनेट" है जिसका रासायनिक फॉर्मूला K_2CO_3 है। यह एक सफेद, प्रस्वेदी, अकार्बनिक यौगिक है जो चूर्ण एवं दानेदार दोनों स्वरूपों में उपलब्ध है तथा यह जल में घुलनशील तथा मद्य में अघुलनशील है। यह उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ शीर्ष 28.36.40 तथा भारतीय सीमाशुल्क टैरिफ वर्गीकरण 28.36.40.00 के तहत वर्गीकृत है। तथापि यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और किसी भी प्रकार से वर्तमान जांच के कार्य क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित पोटैशियम कार्बोनेट तथा संबद्ध देशों से निर्यातित पोटैशियम कार्बोनेट में कोई विशेष अंतर नहीं है, जिसका असर कीमत पर पड़ सकता है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित पोटैशियम कार्बोनेट तथा संबद्ध देशों द्वारा निर्यातित पोटैशियम कार्बोनेट वास्तविक तथा रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशनों तथा टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में तुलनीय है। ये दोनों तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। अतः प्राधिकारी, पाटनरोधी नियम के नियम 2 (घ) के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद तथा संबद्ध देश में विनिर्मित तथा निर्यातित उत्पाद को समान वस्तु मानते हैं।

घ: घरेलू उद्योग की स्थिति एवं कार्यक्षेत्र**घ.1 घरेलू उद्योग के विचार**

8. (i) मूल जांच में, मै0 गुजरात अल्कलीज एण्ड केमिकल्स लिमिटेड ने निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष याचिका दायर की थी तथा स्टैंडर्ड अल्कलीज ने याचिका का समर्थन किया है। वर्तमान जांच में भी मै0 गुजरात अल्कलीज एण्ड केमिकल्स लि0 ने याचिका दायर की है। तथापि मै0 गुजरात अल्कलीज एण्ड केमिकल्स लि0 ने उत्पादन बंद कर दिया है तथा जांच अवधि के दौरान उत्पाद का उत्पादन नहीं किया है।

(ii) एक अन्य उत्पादक मै0 श्री रायलसीमा अल्कलीज है, जिन्होंने संबद्ध उत्पाद के उत्पादन के लिए क्षमता का सृजन किया है और वाणिज्यिक रूप से उत्पादन प्रारंभ कर दिया है। परंतु उनका उत्पादन याचिकाकर्ता कंपनी की तुलना में नगण्य है।

(iii) मै0 श्री रायलसीमा अल्कलीज ने याचिका एवं जांच को समर्थन देने अथवा उसका विरोध करने के मुद्दे पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

(iv) याचिकाकर्ता का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन का एक प्रमुख हिस्सा है और कुल भारतीय उत्पादन में उनका हिस्सा 50 प्रतिशत से अधिक है। अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी से नियम के अर्थ के भीतर याचिकाकर्ता कंपनियों को 'घरेलू उद्योग' मानने का अनुरोध किया गया है।

घ.2 आयातकों, उपभोक्ताओं, निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

9. किसी भी आयातक, उपभोक्ता, निर्यातक तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों ने याचिकाकर्ता कंपनी को घरेलू उद्योग मानने की स्थिति का खण्डन नहीं किया है।

घ.3 निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जांच

10. घरेलू उद्योग द्वारा दायर याचिका के अनुसार देश में संबद्ध वस्तुओं के मै0 गुजरात अल्कलीज एण्ड केमिकल्स लि0 तथा श्री रायलसीमा अल्कलीज लि0 नामक दो ज्ञात उत्पादक हैं। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को लगातार हो रही क्षति के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए तर्कों को नोट किया है। घरेलू उद्योग को हुई क्षति, घरेलू उद्योग को होने वाले घाटन एवं क्षति के जारी रहने के खतरे का विश्लेषण करते समय इन तर्कों पर विचार किया गया है। जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा कोई आयात नहीं किया गया है। प्राधिकारी यह भी मानते हैं कि निर्णायक समीक्षा में स्थिति का निर्धारण किए जाने की आवश्यकता नहीं है। याचिका, घरेलू उद्योग द्वारा अथवा उनकी ओर से दायर की गई है। तथापि, घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई उपलब्ध सूचना के अनुसार, संबद्ध वस्तुओं का उनका कुल उत्पादन कुल घरेलू उत्पादन के 50 प्रतिशत से अधिक है।

४. पाटन निर्धारण

४.१ घरेलू उद्योग के विचार:

11. (i) चूंकि निर्यातक ने एस एस आर जांच हेतु निर्धारित निर्यातक प्रश्नावली के भाग II के संबंध में कोई उत्तर नहीं दिया है अतः निर्धारित प्राधिकारी द्वारा पाटन की संभावना की पूर्ण जांच नहीं की जा सकती है।

(ii) जांच अवधि के दौरान मै0 डेगुसा जी एम बी एच, जर्मनी ने भारत को विचाराधीन उत्पाद का कोई निर्यात नहीं किया है। तथापि, पाटन की संभावना का निर्धारण उस कीमत के आधार पर जिस कीमत पर कंपनी तीसरे देशों को उस उत्पाद का निर्यात कर रहे है, तीसरे देशों को निर्यातों की मात्रा का सामान्य मूल्य से अधिक अथवा कम मूल्य तथा उस कीमत के आधार पर, जिस कीमत पर निर्यातक द्वारा उसे भारतीय बाजार में बेचे जाने की संभावना है, किया जाना चाहिए।

(iii) चूंकि यह निर्धारित नहीं किया जा सकता है कि पाटनरोधी शुल्कों को समाप्त करने की स्थिति में पाटन की पुनरावृत्ति की संभावना नहीं होगी। अतः ई यू के मामले में पाटनरोधी शुल्कों को समाप्त करने का कोई औचित्य नहीं है।

(iv) चूंकि मै0 ओ सी आई तथा कोरिया जन गण के मै0 इटोचू ने प्राधिकारी को कोई उत्तर नहीं दिया है अतः पाटन मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्रश्नावली के उत्तर को पर्याप्त नहीं माना जा सकता है।

(v) मै0 यूनिड कं0, कोरिया एक बहु उत्पाद कंपनी है। विभिन्न उत्पादों के संबंध में लागतों के निर्धारण की विस्तार में जांच अपेक्षित है।

(vi) के ओ एच आबद्ध रूप से प्राप्त किया जाता है। अंतरण कीमत की विस्तृत रूप से जांच अपेक्षित है, जिसके लिए के ओ एच की उत्पादन लागत तथा बिक्री कीमत की विस्तृत जांच की जानी चाहिए और उनमें से जो उच्च हो उसे अंतरण कीमत माना जाएगा।

(vii) के ओ एच उत्पादन प्रक्रिया में क्लोरीन का सृजन होता है, जिसके संसाधन की जांच किए जाने की आवश्यकता है।

(viii) कच्ची सामग्री की खपत के कारकों एवं उपयोगिताओं की जांच किए जाने की आवश्यकता है।

(ix) चूंकि सामान्य मूल्य का निर्धारण उत्तर देने वाले निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर नहीं किया जा सकता अतः उसका निर्धारण घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर किया जाना चाहिए।

(x) चूंकि चीन जन गण एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है अतः सामान्य मूल्य का निर्धारण, नियमानुसार (क) भारत में कीमत तथा (ख) भारत को प्रतिनिधि देश के रूप में लेते हुए, बिक्री सामान्य एवं प्रशासनिक व्ययों सहित विधिवत समायोजित, भारत में उत्पादन लागत के आधार पर किया जा सकता है।

(xi) जहां निर्यातक पाटनरोधी शुल्क के बावजूद अत्यधिक मात्रा में निर्यात कर रहे हैं वहां प्रत्यक्ष रूप से पाटन की पुनरावृत्ति होगी और पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचेगी।

ड.2 निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

12. मै0 देगुस्सा, जर्मनी तथा यूनिड कं0, कोरिया जन गण के अतिरिक्त किसी भी अन्य देश के निर्यातक ने उत्तर नहीं दिया है। पाटन निर्धारण के संबंध में मै0 देगुस्सा, जर्मनी द्वारा निम्नलिखित विचार प्रस्तुत किए गए हैं :

(i) चूंकि पोटैशियम कार्बोनेट के चार प्रमुख ग्रेड यतः दानेदार, जलयोजित, सघनीकृत तथा चूर्ण हैं, अतः अलग-अलग क्षति विश्लेषण अपेक्षित है।

(ii) ई यू हेतु निर्यात कीमत का निर्धारण तीसरे देशों की कीमतों के आधार पर किया जाना चाहिए।

(iii) मै0 इवोनिक ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं का निर्यात नहीं किया परंतु अन्य देशों को उन्हीं वस्तुओं का निर्यात किया था।

(iv) पाटन एवं क्षति के जारी रहने अथवा उनकी पुनरावृत्ति की संभावना के निर्धारण हेतु तीसरे देश की कीमतों को स्वीकार किया जा सकता है ।

(v) ई.यू. से संबद्ध निर्यातों के संबंध में पाटन तथा क्षति मौजूद नहीं है अतः पाटन एवं क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति के संबंध में प्राधिकारी को नकारात्मक अंतिम निर्धारण करना चाहिए ।

(vi) घरेलू उद्योग के उत्पादन एवं बिक्री में आई गिरावट पाटित आयातों के कारण नहीं है । यह गिरावट कास्टिक पोटाश पपड़ियों के लिए बाजार मांग में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग द्वारा अपने उत्पादन संबंधी वरीयताओं में परिवर्तन किए जाने के कारण है । पोटेशियम कार्बोनेट उत्पादन में गिरावट के कारण हुई क्षति आत्मकृत है तथा पाटित आयात के कारण नहीं है ।

13. पाटन निर्धारण के संबंध में मै0 यूनिड कं0 कोरिया जन गण द्वारा निम्नलिखित विचार प्रस्तुत किए गए हैं-

(i) उत्पादक एवं निर्यातक दोनों ने मूल जांच में हिस्सा लिया था और वर्तमान जांच में भी सहयोग किया है । चूंकि दोनों पार्टियां एक-दूसरे से संबंधित हैं अतः अलग-अलग निर्यातक प्रश्नावलियां प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं है ।

(ii) याचिकाकर्त्ताओं का यह मत कि कास्टिक पोटाश का उत्पादन उत्पादक द्वारा आबद्ध रूप से किया जा रहा है, अतः वे कीमतें जिस पर संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन में उनकी खपत होती है, पर नियंत्रण रखा जाना चाहिए, स्वीकार्य नहीं है ।

(iii) घरेलू उद्योग ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन को कम किया है तथा कास्टिक पोटाश की मांग में वृद्धि के कारण जांच अवधि के दौरान पोटेशियम कार्बोनेट का उत्पादन करने की अपनी क्षमता का उपयोग कास्टिक पोटाश बनाने हेतु करने के कारण है न कि पाटन के कारण ।

(iv) पोटेशियम कार्बोनेट का एक अहम उपयोग, कैथोड रे ट्यूब (सी आर टी) के विनिर्माण हेतु होता है । सी आर टी की मांग में गिरावट होने तथा उसके परिणामस्वरूप भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन में कमी होने के कारण, औद्योगिक प्रयोक्ताओं ने कोरिया सहित व्यवहार्य स्रोतों से संबद्ध वस्तुओं के आयात को अधिक तरजीह दी है । अतः संबद्ध देशों से आयातों में अत्यधिक वृद्धि के आरोप को पाटन एवं क्षति से नहीं जोड़ा जाना चाहिए ।

(v) घरेलू उद्योग द्वारा कम उत्पादन एवं बिक्री के कारण स्पष्ट रूप से कास्टिक पोटाश के उत्पादन से होने वाली बेहतर वसूली से जोड़े जा सकते हैं। अतः कोरिया जन गण से आयातों तथा याचिकाकर्ताओं को हुई कथित क्षति के बीच कोई कारणात्मक संबंध मौजूद नहीं है।

(vi) घरेलू उद्योग हेतु क्षति विश्लेषण, याचिकाकर्ता तथा दो अन्य घरेलू उत्पादकों अर्थात् मै0 रायल सीमा अल्कलीज एण्ड एलाइड केमिकल्स लि0 तथा मै0 स्टैन्डर्ड अल्कलीज को शामिल करते हुए समग्र रूप से किया जाना चाहिए।

(vii) याचिकाकर्ता ने बाजार में कास्टिक पोटाश पपड़ियों की मांग के कारण जानबूझ कर संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन को कम किया है। श्री रायल सीमा अल्कलीज जैसे अन्य उत्पादकों ने वर्ष 2006-07 में 1200 मी. टन की तुलना में जांच अवधि के दौरान 2500 मी. टन का उत्पादन कर संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन में अत्यधिक वृद्धि प्रदर्शित की है।

(viii) याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादन कम कर दिए जाने के कारण घरेलू प्रयोक्ता, अन्य जगहों से संबद्ध वस्तुओं का आयात करने के लिए विवश हो गए हैं। अतः मांग एवं घरेलू उद्योग के उत्पादन के अंतर को पाटने के लिए कोरिया जन गण से आयातों में वृद्धि हो रही है।

(ix) सभी क्षति मानदण्डों से यह प्रदर्शित होता है कि कोरिया जन गण से कथित आयातों के कारण कोई वास्तविक क्षति नहीं हुई है। घरेलू उद्योग को क्षति, यदि कोई हुई हो, कास्टिक पोटाश पपड़ियों की बाजार मांग को पूरा करने के लिए संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन में जानबूझ कर की गई कमी के कारण आत्मकृत क्षति है।

14. जहां तक आयातकों एवं अन्य हितवद्ध पार्टियों के विचारों का संबंध है, मै0 वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज लि0 (वीडियोकॉन नर्मदा ग्लास डिवाजन), भरुच, गुजरात के अतिरिक्त कहीं और से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है। तथापि, मै0 वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज लि0 से भी पाटन निर्धारण के संबंध में कोई विशिष्ट विचार प्राप्त नहीं हुए हैं।

ड.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

15. धारा 9क(1)(ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में "सामान्य मूल्य" का तात्पर्य है :

(i) समान वस्तु के लिए व्यापार की साधारण प्रक्रिया में तुलनीय कीमत जब वस्तु निर्यातक देश या सीमा क्षेत्र में उपभोग के लिए हो जैसा कि उप- धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारण किया गया है, या

(ii) जब निर्यातक देश या सीमा क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की साधारण प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्रियां न हों अथवा जब निर्यातक देश या सीमा क्षेत्र के घरेलू बाजार में बाजार की विशेष स्थिति या बिक्रियों की कम मात्रा के कारण ऐसी बिक्रियों से उचित तुलना की अनुमति न मिले, सामान्य मूल्य या तो

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधि कीमत जब वस्तु निर्यातक देश या सीमा क्षेत्र या किसी उपयुक्त तीसरे देश से निर्यात की गई हो जैसा कि उप- धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारण किया गया है, या

(ख) प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागतों और लाभों के लिए यथाचित वृद्धि के साथ- साथ उद्गम के देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत होगी, जैसा कि उप- धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारण किया गया है,

सामान्य मूल्य

यूरोपीय संघ

16. सामान्य मूल्य निर्यातक देश के घरेलू बाजार में समान वस्तु की कीमत होती है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक में डेगुसा ने निर्यातक देश के घरेलू बाजार में संबद्ध उत्पाद की बिक्री के बारे में सूचना प्रस्तुत की है। कंपनी ने परिशिष्ट 2 में सूचना प्रस्तुत नहीं की है क्योंकि जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध उत्पाद का कोई निर्यात नहीं हुआ है। तथापि कंपनी ने तीसरे देशों को हुए निर्यातों से संबंधित सूचना प्रस्तुत की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि परिशिष्ट 7 और 8 में कंपनी ने उत्पाद में ब्याज लागत आवंटित नहीं की है और केवल ब्याज आय परिशिष्ट 7 में दर्शाई गई है अतः प्राधिकारी ने कंपनी द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार उत्पादन लागत में ब्याज लागत जोड़ी है और इस प्रकार निर्धारित उत्पादन लागत की तुलना घरेलू बाजार में की गई सौदे-वार बिक्री के साथ की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू बाजार में 2.5% बिक्री लागत से अधिक पर हुई है। अतः सामान्य मूल्य का निर्धारण निर्यातक देशों में घरेलू बाजार में लाभ योग्य बिक्री के आधार पर किया गया है। इस प्रकार, निर्धारित सामान्य मूल्य निम्नानुसार बनता है।

घरेलू बाजार में कुल बिक्री	मी. टन	***
घरेलू बाजार में कुल निवल बिक्री मूल्य	यूरो	***
घरेलू बाजार में लाभ योग्य बिक्री	मी. टन	***
कुल बिक्री के % के रूप में घरेलू बाजार में लाभ योग्य बिक्री	%	***
लाभ योग्य मात्रा का मूल्य	यूरो	***
सामान्य मूल्य	यूरो/मी. टन	***
विनिमय दर (1 यूरो = 1.37 अम. डा.)		***
सामान्य मूल्य अम. डा. में	अम. डा./मी. टन	***

अन्य (ईयू)

17. ईयू ने अन्य के लिए सामान्य मूल्य *** अम. डा./मी. टन अर्थात् सहयोगी निर्यातकों के संबंध में की गई गणना के अनुसार लिया गया है।

कोरिया गण.

18. प्राधिकारी ने यह पाया है कि मै. यूनिड कं. ने निर्यातक देश के घरेलू बाजार में संबद्ध उत्पाद की बिक्री के बारे में सूचना प्रस्तुत की है जिसका निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सत्यापन किया है। कंपनी ने उत्पादन लागत के संबंध में परिशिष्ट 2 तथा अन्य परिशिष्टों में भी सूचना प्रस्तुत की है। कंपनी की घरेलू बिक्री की तुलना उत्पादन लागत के साथ की गई है तथा समुद्री भाड़े, बीमा, बैंकिंग व्यय, दरतावेज शुल्क, प्रदत्त कमीशन और पैकिंग व्यय के लिए दावा किए गए समायोजनों की अनुमति दी गई है। कंपनी द्वारा उत्पादन प्रक्रिया के अनुसार प्रक्रिया-वार लागत रखी जा रही है। केओएच 30% के उत्पादन की प्रक्रिया में क्लोरीन उत्पन्न होती है। केओएच 30% के चरण पर कुल व्यय को कंपनी ने केओएच 30% तथा क्लोरीन में आनुपातिक रूप से इकाई लागत पद्धति के आधार पर बाँटा है तथापि प्राधिकारी का प्रस्ताव क्लोरीन के बिक्री मूल्य पर विचार करने और उसे केओएच 30% की कुल लागत में जमा करने का है। उपर्युक्त आधार पर संबद्ध वस्तु के लिए *** केआरडब्ल्यू/मी. टन की संशोधित उत्पादन लागत की गणना की गयी थी और 80-120% की जाँच लागू कर प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू बाजार में ***% बिक्री लागत से अधिक प्रर हुई है। अतः सामान्य मूल्य का निर्धारण घरेलू बाजार में बिक्री कीमत के आधार पर किया गया है। इस प्रकार, निर्धारित सामान्य मूल्य *** अम. डा./मी. टन बनता है जो निम्नानुसार है-

घरेलू बाजार में बिक्री हेतु कुल सौदे	नग	***
प्रति इकाई उत्पादन लागत	अम. डा./मी. टन	***
असंबद्ध ग्राहकों के लिए घरेलू बाजार में बिक्री की कुल मात्रा	मी. टन	***
संबद्ध ग्राहकों के लिए घरेलू बाजार में बिक्री की कुल मात्रा	मी. टन	***
घरेलू बाजार में बिक्री की कुल मात्रा	मी. टन	***
असंबद्ध ग्राहकों को लाभ योग्य बिक्री मात्रा	मी. टन	***
असंबद्ध ग्राहकों को लाभ योग्य बिक्री मूल्य	अम. डा.	***
असंबद्ध ग्राहकों के लिए घरेलू बाजार में समस्त बिक्री की औसत कीमत	अम. डा./मी. टन	***

अराबद्ध ग्राहकों के लिए घरेलू बाजार में लाभ योग्य बिक्री अम. डा./मी. टन	***
की औसत कीमत	
विनिमय दर (के आर डब्ल्यू से अम. डा. में)	
सामान्य मूल्य	अम. डा.

अन्य (कोरिया)

19. कोरिया गण. में अन्य निर्यातकों के मामले में सामान्य मूल्य *** अम. डा./मी. टन के रूप में लिए जाने का प्रस्ताव है जैसाकि सहयोगी निर्यातक के लिए निर्धारित किया गया है।

ताईवान (चीनी ताइपेई)

20. ताईवान (चीनी ताइपेई) के निर्यातक/उत्पादक ने जांच शुरुआत संबंधित सूचना का उत्तर नहीं दिया है और निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से सूचना उपलब्ध नहीं कराई है। अतः प्राधिकारी का प्रस्ताव सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों पर भरोसा करने का है। प्राधिकारी का प्रस्ताव घरेलू उद्योग के खपत मानकों तथा कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों के आधार पर सामान्य मूल्य परिकलित करने का है। घरेलू उद्योग की परिवर्तन लागत और उचित लाभ (ब्याज को छोड़कर) को इस देश के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन करने के लिए जोड़ा गया है। तदनुसार कारखाना स्तर पर सामान्य मूल्य *** अम. डा./मी. टन निकाला गया है।

चीन जन. गण.

21. चीन के किसी निर्यातक/उत्पादक ने उत्तर नहीं दिया है और प्राधिकारी को सूचना प्रस्तुत नहीं की है और एमईटी व्यवहार का दावा नहीं किया है। प्राधिकारकर्ता ने भारत को प्रतिनिधि देश के रूप में लेने का प्रस्ताव किया है। प्राधिकारकर्ता के दावे का विरोध करते हुए किसी पार्टी ने कोई टिप्पणी दायर नहीं की है। अतः प्राधिकारी का प्रस्ताव नियमानुसार अन्य उचित पद्धति के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित करने का है। इस प्रकार, चीन के लिए निर्धारित सामान्य मूल्य *** अम. डा. बनता है।

निर्यात कीमत

यूरोपीय संघ

22. जहाँ तक निर्यात कीमत का संबंध है, प्राधिकारी ने यह पाया है कि सहयोगी निर्यातक ने जाँच अवधि के दौरान भारत को कोई निर्यात नहीं किया है। अतः निर्यात कीमत का निर्धारण डीजीसीआई एंड एस द्वारा दी गई सूचना के अनुसार भारत को ईयू से हुए आयातों के संबंध में किया गया है। समुद्री भाड़े, बीमा, अंतर्देशीय भाड़े, पत्तन प्रभारों, बैंक कमीशन आदि के लिए निम्नलिखित तालिका में किए गए उल्लेख के अनुसार समायोजन किए गए हैं। तदनुसार, इस प्रकार निर्धारित निवल निर्यात कीमत *** अम. डा./मी. टन बनती है।

विवरण	इकाई	कीमत/मी. टन (डीजीसीआई एंड एस)
निर्यात कीमत (सीआईएफ)	रु./मी. टन	***
विनिमय दर	1 अम. डा.	***
निर्यात कीमत (सीआईएफ)	अम. डा./मी. टन	***
समुद्री भाड़ा	अम. डा./मी. टन	***
समुद्री बीमा 0.5%	अम. डा./मी. टन	***
एफओबी निर्यात कीमत	अम. डा./मी. टन	***
अंतर्देशी भाड़ा-1%	अम. डा./मी. टन	***
पत्तन व्यय-0.5%	अम. डा./मी. टन	***
बैंक प्रभार-0.5%	अम. डा./मी. टन	***
निवल निर्यात कीमत	अम. डा./मी. टन	***

कोरिया गण.

23. जहाँ तक निर्यात कीमत का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक (ओसीआई कार्पो.) ने जाँच अवधि में भारत को *** मी. टन के सौदे किए हैं जिसकी सीआईएफ निर्यात कीमत *** अम. डा./मी. टन बनती है। निम्नलिखित तालिका के अनुसार समुद्री भाड़े, बीमा, पैकिंग व्यय, कमीशन आदि के लिए समायोजन का दावा किया गया है जिनकी अनुमति दी गई है। इस प्रकार, निर्धारित निवल निर्यात कीमत *** अम. डा./मी. टन बनती है।

विवरण	इकाई	कीमत/मी. टन
निर्यात कीमत (सीआईएफ)	रु./मी. टन	***
विनिमय दर	1 अम. डा.	***
निर्यात कीमत (सीआईएफ)	अम. डा./मी. टन	***
समुद्री भाड़ा	अम. डा./मी. टन	***
समुद्री बीमा	अम. डा./मी. टन	***
एफओबी निर्यात कीमत	अम. डा./मी. टन	***
अंतर्देशी भाड़ा- 0.70%	अम. डा./मी. टन	***
प्रलेखन शुल्क (ड्युएफेज, टीएचसी आदि)	अम. डा./मी. टन	***
बैंक प्रभार	अम. डा./मी. टन	***
कमीशन	अम. डा./मी. टन	***
पैकिंग व्यय	अम. डा./मी. टन	***
एस एंड डी व्यय	अम. डा./मी. टन	***
निवल निर्यात कीमत	अम. डा./मी. टन	***

24. प्राधिकारी ने यह भी पाया है कि कंपनी द्वारा व्यापारियों के जरिए भारत को इस उत्पाद का निर्यात किया जा रहा है। चूंकि व्यापारियों द्वारा किए गए बिक्री व्यय के लिए किसी समायोजन का दावा नहीं किया गया है इसलिए निर्यात कीमत में से इस हेतु उचित समायोजन किए गए हैं।

अन्य (कोरिया गण.)

25. कोरिया गण. में अन्य के लिए निर्यात कीमत के संबंध में प्राधिकारी का प्रस्ताव सहयोगी निर्यातकों की न्यूनतम निवल निर्यात कीमत पर विचार करने का है जो निवल निर्यात कीमत के रूप में 406 अम. डा. प्रति मी. टन बनती है।

ताईवान (चीनी ताइपेई)

26. ताईवान (चीनी ताइपेई) के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने जांच शुरूआत संबंधित सूचना का उत्तर नहीं दिया है और निर्धारित प्रपत्र में और डंग से सूचना उपलब्ध नहीं कराई है। घरेलू उद्योग ने उस कीमत के ब्यारे उपलब्ध कराए हैं जिस कीमत पर जांच अवधि में वस्तु का आयात किया गया है। किसी अन्य हितबद्ध पार्टी ने ऐसी कोई अन्य सूचना उपलब्ध नहीं कराई है जिसका उपयोग निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु किया जा सके। निर्धारित प्रपत्र में सूचना के अभाव में प्राधिकारी का प्रस्ताव निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों पर भरोसा करने का है। तदनुसार, ताईवान (चीनी ताइपेई) से हुए आयातों के लिए डीजीसीआई एंड एस द्वारा सूचित आंकड़ों पर भरोसा किया गया है ताकि भारत औसत आयात कीमत निर्धारित की जा सके। चूंकि यह कीमत सीआईएफ स्तर पर है इसलिए कारखाना निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, अंतर्देशी भाड़े, पत्तन व्यय एवं बैंक प्रभारों हेतु समायोजन किए गए हैं। कारखाना निर्यात कीमत का निर्धारण निम्नानुसार *** अम. डा. प्रति मी. टन किया गया है।

विवरण	इकाई	कीमत/मी. टन
निर्यात कीमत (सीआईएफ)	रु./मी. टन	***
विनिमय दर	1 अम. डा.	***
निर्यात कीमत (सीआईएफ)	अम. डा./मी. टन	***
समुद्री भाड़ा	अम. डा./मी. टन	***
समुद्री बीमा 0.5%	अम. डा./मी. टन	***
एफओबी निर्यात कीमत	अम. डा./मी. टन	***
अंतर्देशी भाड़ा-1%	अम. डा./मी. टन	***
पत्तन व्यय-0.5%	अम. डा./मी. टन	***
बैंक प्रभार-0.5%	अम. डा./मी. टन	***
निवल निर्यात कीमत	अम. डा./मी. टन	***

27. जहां तक निर्यात कीमत का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि डी जी सी आई एंड एस द्वारा प्रदत्त सूचना के अनुसार जांच अवधि के दौरान **** अम डालर प्रति मी.टन की सी आई एफ कीमत पर ताइवान से **** किग्रा. विचाराधीन उत्पाद का निर्यात भारत को किया गया था। निवल निर्यात कीमत ज्ञात करने के लिए समुद्री मालभाड़े, बीमे, पैकिंग व्ययों, कमीशन आदि से संबंधित समायोजन किए गए हैं। इस प्रकार निर्धारित निवल निर्यात कीमत *** अम डालर प्रति मी.टन बनती है।

चीन जन गण

28. जहां तक निर्यात कीमत का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि डी जी सी आई एंड एस द्वारा प्रदत्त सूचना के अनुसार **** किग्रा. विचाराधीन उत्पाद का निर्यात भारत को किया गया था। डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों के अनुसार निर्यात कीमत *** अम डालर प्रति मी. टन बनती है। निवल निर्यात कीमत ज्ञात करने के लिए समुद्री मालभाड़े, बीमे, पैकिंग व्ययों, कमीशन आदि से संबंधित समायोजन किए गए हैं। इस प्रकार निर्धारित निवल निर्यात कीमत *** अम डालर प्रति मी.टन बनती है जो निम्नानुसार है:-

विवरण	इकाई	कीमत/मी टन
सी आई एफ निर्यात कीमत	रुपये/ मी टन	***
विनिमय दर	1 अम डालर	41.36
सी आई एफ निर्यात कीमत	अम डालर/मी टन	***
समुद्री भाड़ा	अम डालर/मी टन	***
समुद्री बीमा 0.5%	अम डालर/मी टन	***
एफ ओ बी निर्यात कीमत	अम डालर/मी टन	***
अंतर्देशीय माल भाड़ा- 1%	अम डालर/मी टन	***
पत्तन व्यय - 0.5%	अम डालर/मी टन	***
बैंक प्रभार - 0.5%	अम डालर/मी टन	***
निवल निर्यात कीमत	अम डालर/मी टन	***

इ.4 पाटन मार्जिन

29. कारखाना-द्वार स्तर पर निर्धारित सामान्य मूल्यों की तुलना कारखाना-द्वार स्तर पर निर्धारित संबंधित निवल निर्यात कीमतों से की गई और प्राधिकारी द्वारा पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया:-

पाटन मार्जिन की गणना	सामान्य मूल्य अम डॉलर/मी टन	निर्यात कीमत अम डॉलर/मी टन	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन %
देगुसा (जर्मनी)	***	कोई निर्यात नहीं	---	---
यूरोपीय संघ के अन्य सभी निर्यातक/उत्पादक	***	***	***	-4.83
यूनिड को., कोरिया जन गणराज्य	***	***	***	4.40
उपर्युक्त को छोड़कर कोरिया गणराज्य के अन्य सभी निर्यातक/उत्पादक	***	***	***	24
चीन के सभी निर्यातक/उत्पादक	***	***	***	10.12
ताइवान (चीनी ताइपेई) के सभी निर्यातक/उत्पादक	**	***	***	17.76

30. उपर्युक्त तालिका से प्राधिकारी नोट करते हैं कि ई यू से वर्तमान पाटन मार्जिन नकारात्मक है और कोरिया गणराज्य, चीन जन गण तथा ताइवान (चीनी ताइपेई) के मामले में पाटन मार्जिन न्यूनतम से अधिक पाई गई ।

इ.5 पाटन जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना

30 (i) वर्तमान जांच का उद्देश्य यूरोपीय संघ, चीन जन गण, ताइवान (चीनी ताइपेई) एवं कोरिया गणराज्य से पोटेशियम कार्बोनेट के पाटित आयातों के विरुद्ध पाटनरोधी शुल्क को जारी रखे जाने अथवा उसमें वृद्धि करने की समीक्षा करना है । इससे पहले घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत आवेदन के आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी ने जांच शुरू करके पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी । ताइवान के उत्पादकों ने कीमत अभिवचन दिया था, जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी ने स्वीकार कर लिया था एवं तदनुसार उक्त देश से हुए निर्यातों पर कोई पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया गया था । तत्पश्चात घरेलू उद्योग द्वारा यह ध्यान में लाया गया था कि ताइवान के उत्पादक ने कीमत अभिवचन का उल्लंघन किया है और घरेलू उद्योग ने निर्दिष्ट प्राधिकारी से अभिवचन वापस ले लेने और पाटनरोधी

शुल्क लगाने का अनुरोध किया था। विस्तृत जांच के उपरान्त निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाया कि कीमत अभिवचन का उल्लंघन किया गया था और इसे खारिज करके पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था।

(ii) पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बावजूद संबद्ध देशों से इस उत्पाद के आयात किए जाते रहे हैं। अतः पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिए जाने की स्थिति में पाटन जारी रहने की संभावना है।

(iii) संबंधित उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क के बावजूद संबद्ध देशों से पाटन जारी रहा है। पाटनरोधी शुल्क लगे होने के बावजूद जिस मात्रा में और जिन कीमतों पर वस्तुओं का निर्यात भारत को किया जाता रहा है, उससे यह संभावना है कि पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिए जाने की स्थिति में आयात की मात्रा में और वृद्धि होगी।

(iv) आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से बहुत ही कम है। आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों की उल्लेखनीय स्तर तक कीमत कटौती हो रही है। यदि वर्तमान शुल्क वापस ले लिया जाता है, तो कीमत कटौती की सीमा में और अधिक वृद्धि होगी।

(v) इसके अलावा विचाराधीन अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन पहले ही प्रतिकूल था और इस बात की संभावना है कि पाटनरोधी उपाय वापस ले लिए जाने पर घरेलू उद्योग को क्षति और भी बढ़ जाएगी।

ड.6 प्राधिकारी द्वारा जांच

32. यह निर्धारण करने के लिए कि क्या पाटन को निष्प्रभावी करने हेतु शुल्क को लगाए रखना आवश्यक है, प्राधिकारी ने निम्नलिखित मानदण्डों पर विचार किया है:-

- जहाँ निर्यातक ने सहयोग किया है, वहाँ पाटन मार्जिन प्रदत्त सूचना के आधार पर निर्धारित की गई है।

- जहाँ निर्यातक ने सहयोग किया है, परन्तु जांच अवधि के दौरान कोई निर्यात नहीं किया है, पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों पर विश्वास किया गया है।

- जहाँ निर्यातक ने सहयोग नहीं किया है, पाटन मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों पर विश्वास किया गया है।

33. इन कारकों की जांच करने पर यह पाया गया है कि:-

(क) चीन, ताइवान (चीनी ताइपेई), और कोरिया गणराज्य के मामले में पाटन मार्जिन न्यूनतम से अधिक हैं, जबकि ई यू के मामले में यह नकारात्मक पाई गई है;

(ख) चीन, ताइवान (चीनी ताइपेई), और कोरिया गणराज्य के मामले में निर्यात न केवल सामान्य मूल्य से कम है बल्कि भारत में प्रचलित बिक्री कीमत और घरेलू उद्योग हेतु निर्धारित क्षति रहित कीमत से काफी कम है;

(ग) कोरिया गणराज्य तथा ई यू (जर्मनी) के सहयोगी निर्यातकों के मामले में उपलब्ध आंकड़ों से ज्ञात होता है कि जिस कीमत पर इस सामग्री का निर्यात भारत से इतर देशों को किया जा रहा है, वह पाटित कीमत है। इसके अलावा, प्रतिवादी निर्यातक के पास अत्यधिक अप्रयुक्त क्षमता है। अतः यह नहीं कहा जा सकता कि शुल्क वापस ले लिए जाने की स्थिति में पाटन की संभावना नहीं रहेगी।

(घ) जांच अवधि के दौरान किए गए पाटन एवं पाटन की संभावना की जांच से ज्ञात होता है कि संबद्ध देशों से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं की पाटन मार्जिन अत्यधिक है।

(ङ) ई यू के सहयोगी निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान तीसरे देशों को निर्यात किए हैं जो पाटित कीमतों पर किए गए हैं। इसके अलावा उनके पास अतिरिक्त उत्पादन क्षमता मौजूद है। भारत में मांग, उनकी अतिरिक्त उत्पादन क्षमता और तीसरे देशों को किए गए उनके निर्यातों को देखते हुए यह प्रतीत होता है कि पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिए जाने की स्थिति में वे भारत में संबद्ध वस्तुओं का पाटन पुनः करेंगे।

(च) जहां तक कोरिया गणराज्य से किए गए आयातों का संबंध है, पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बावजूद पाटन किया जाता रहा है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार तथा कोरियाई बाजार में संबद्ध वस्तुओं की मांग में गिरावट और भारतीय बाजार में अत्यधिक मांग ने कोरियाई निर्यातकों के लिए भारतीय बाजार आकर्षक बन गया है। इसके अलावा सहयोगी निर्यातक के पास अतिरिक्त उत्पादन क्षमता उपलब्ध है। पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिए जाने अथवा उसे घटाए जाने की स्थिति में कोरिया गणराज्य से पाटन जारी रहने तथा उसमें और भी वृद्धि होने की संभावना है।

(छ) यद्यपि जांच अवधि के दौरान ताइवान (चीनी ताइपेई) एवं जर्मनी के निर्यातकों ने भारत को कोई उल्लेखनीय निर्यात नहीं किया है, तथापि डी जी टी आई एंड एस के आंकड़े दर्शाते हैं कि इन देशों से पाटित कीमतों पर आयात किए जाते रहे हैं। पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिए जाने अथवा उसे घटाए जाने की स्थिति में इन देशों से संबद्ध वस्तुओं का पाटन जारी रहेगा तथा उसमें और भी वृद्धि होगी।

(ज) संबद्ध वस्तुओं का उपयोग मुख्यतः कैथाल रे ट्यूबों (सी आर टी) के विनिर्माण में किया जाता है। विकसित देशों के विपरीत एल सी डी की अत्यधिक लागत के कारण भारतीय बाजार में सी आर टी की अभी भी काफी मांग है। पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिए जाने अथवा उसमें कमी

किए जाने की स्थिति में भारत में संबद्ध वस्तुओं की मांग के कारण संबद्ध देशों से पाटन एवं क्षति की पुनरावृत्ति/बढ़ोतरी होने की संभावना है।

च. क्षति एवं कारणात्मक संबंध का निर्धारण

च. 1 घरेलू उद्योग ने अपने निवेदन में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित तर्क प्रस्तुत किए हैं:-

(i) पिछले कुछ वर्षों में संबद्ध देशों से आयातों में निरपेक्ष रूप में तथा भारत में आयातों, मांग तथा भारत में उत्पादन के सापेक्ष वृद्धि हुई है।

(ii) संबद्ध देशों से हुए आयातों में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप पाटित आयातों का बाजार हिस्सा बढ़ गया है और क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है।

(iii) मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव प्रतिकूल रहा है। ऐसी स्थिति में केवल यही निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिए जाने की स्थिति में क्षति जारी रहना संभावित है।

(iv) आयात कीमतें (मूल सीमाशुल्क शामिल करने के बाद) घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से कम रही हैं जिसकी परिणति अत्यधिक कीमत कटौती में हुई है।

(v) घरेलू तथा आयातित उत्पाद पर सभी कर एवं शुल्क लगाने के बाद भी कीमत कटौती की सीमा अत्यधिक है।

(vi) यद्यपि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों में वृद्धि हुई है, तथापि बिक्री कीमत में हुई वृद्धि उत्पादन लागत की वृद्धि से बहुत कम है। इस प्रकार आयातों ने बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों का उल्लेखनीय ह्रास किया है।

(vii) घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री, क्षमता उपयोग एवं उत्पादकता में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग के उत्पादन एवं बिक्री में गिरावट का कारण यह है कि संबद्ध देशों से किए गए आयात घरेलू उद्योग की कीमतों की तुलना में अपेक्षाकृत सस्ते थे।

(viii) याचिकाकर्ता ने कास्टिक पोटाश के उत्पादन एवं क्षमता उपयोग के संबंध में सूचना उपलब्ध कराई है। इसके अलावा याचिकाकर्ता ने हाल ही की अवधि की अर्थात् दिसम्बर, 2008 तक की सूचना प्रस्तुत की है। इसके अलावा याचिकाकर्ता द्वारा कम्पनी के $\text{KOH}/\text{K}_2\text{CO}_3$ उत्पाद समूह के बारे में अलग-अलग वित्तीय सूचना रखी जाती है। इस समूह के लाभ में 2003-04 एवं 2007-08 के बीच उल्लेखनीय गिरावट आई, जिससे यह स्पष्ट होता है कि पूरे समूह के कार्य निष्पादन में गिरावट आई है।

(ix) वर्ष 2001 में पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में 2004-05 तक सुधार हुआ था। तत्पश्चात् संबद्ध वस्तुओं के पाटन के कारण कार्य निष्पादन में तेजी से गिरावट आई। जांच अवधि के दौरान लाभप्रदता में और अधिक गिरावट आई।

(x) लाभप्रदता में गिरावट आने का प्रतिकूल प्रभाव नकद लाभ और निवेश से आय पर पड़ा। घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आने से स्थिति लाभ से वित्तीय घात में बदल गई। इसके परिणामस्वरूप नकद लाभ और निवेश से आय में भी गिरावट आई और ऐसी स्थिति में दोनों नकारात्मक हो गए।

(xi) क्षति अवधि के दौरान कम्पनी के KOH उत्पाद समूह की लाभप्रदता (एवं इसके परिणामस्वरूप निवेश से आय और नकद प्रवाह) में तेजी से गिरावट आई।

(xii) मांग के सापेक्ष घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में अत्यधिक गिरावट आई। दूसरी ओर संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

(xiii) पाटित आयातों के हिस्से में वृद्धि और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में नुकसान के बीच प्रत्यक्ष सह संबंध है।

(xiv) आयातों के कारण घरेलू उद्योग को भारी कीमत कटौती करनी पड़ी और घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में निरपेक्ष रूप से वृद्धि हुई।

च.2 निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

यूरोपीय संघ

35. मै0 डेगुसा, जर्मनी द्वारा व्यक्त विचार निम्नानुसार हैं:-

- (i) पोटेशियम कार्बोनेट के प्रत्येक ग्रेड अर्थात् ग्रेन्यूलर, हाइड्रेट, कॉम्पेक्ट तथा पाऊडर हेतु अलग-अलग क्षति विश्लेषण अपेक्षित है।
- (ii) निर्यात कीमतों का निर्धारण तीसरे देश की कीमतों के आधार पर किया जाना चाहिए।
- (iii) पाटन और क्षति का अस्तित्व ई यू से हुए संबद्ध निर्यातों के कारण नहीं है।
- (iv) याचिकाकर्ता को हुई कथित क्षति स्वयं के कारण हुई है, न कि ई यू से हुए आयातों के कारण।
- (v) घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट ई यू से हुए आयातों के कारण नहीं आई है बल्कि अन्य देशों से आयातों में हुई वृद्धि अन्य भारतीय उत्पादकों के उत्पादन में वृद्धि के कारण आई है।

कोरिया गणराज्य

36. मेसर्स यूनिड कम्पनी द्वारा व्यक्त विचार निम्नानुसार हैं:-

- (i) क्षति की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन कम कर दिया और बाजार की मांग में हुई वृद्धि की पूर्ति हेतु उसी संयंत्र में अपनी क्षमता का उपयोग कास्टिक पोटाश के उत्पादन में किया।
- (ii) संबद्ध देश से आयातों में हुई भारी वृद्धि के आरोप का संबंध क्षति से नहीं है और इसका वास्तविक कारण मांग और आपूर्ति तंत्र है।
- (iii) संबद्ध देशों से हुए आयातों और याचिकाकर्ता को हुई कथित क्षति के बीच कोई नकारात्मक संबंध नहीं है।
- (iv) क्षति विश्लेषण याचिकाकर्ता और अन्य घरेलू उत्पादकों को शामिल करते हुए समग्रतः किया जाना चाहिए।
- (v) संबद्ध देश के निर्यातक/उत्पादक भारत में किए गए पाटन में शामिल नहीं हैं; अतः संबद्ध देशों से किए गए आयातों के कारण कोई वास्तविक क्षति नहीं हुई है।

(vi) बाजार मांग में वृद्धि को पूरा करने के लिए कास्टिक पोटाश के उत्पादन हेतु संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन क्षमता के प्रयोग के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति उसके स्वयं के द्वारा हुई है।

37. क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में अन्य किसी हितबद्ध पक्षकार ने कोई विचार व्यक्त नहीं किया है।

च.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

38. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में उठाए गए विभिन्न मुद्दों को नोट किया है और उनका अभिमत है कि ई यू को छोड़कर अन्य संबद्ध देशों की वर्तमान पाटन मार्जिन न्यूनतम स्तर से अधिक है। अतः प्राधिकारी संबद्ध देशों से किए गए आयातों के कारण पाटन व क्षति की संभावना संबंधी पहलुओं की जांच से पूर्व घरेलू उद्योग की वर्तमान क्षति, यदि कोई हो, की जांच शुरू करते हैं।

च.4 वर्तमान क्षति और कारणात्मक संबंध

39. अधिनियम के अनुच्छेद 3.1 और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II में निम्नलिखित दो बातों की वस्तुनिष्ठ जांच करने की अपेक्षा की गई है: (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पादों के संबंध में पाटित आयातों का घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव; और (ख) इन आयातों का ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर परिणामी प्रभाव। जहां तक पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी से यह जांच करने की अपेक्षा की जाती है कि क्या आयातों में निरपेक्ष रूप में अथवा आयातक सदस्य के उत्पादन अथवा खपत के सापेक्ष उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहां तक पाटित आयातों के कीमत प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी से यह जांच करने की अपेक्षा की जाती है कि क्या आयातक देश में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव का उद्देश्य उल्लेखनीय स्तर तक कीमतों को कम करना है अथवा कीमत वृद्धि को रोकना है, जो अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक हुई होती।

40. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II के पैरा (iv) में कहा गया है कि:

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में सभी संबंधित आर्थिक कारकों एवं सूचकों का मूल्यांकन शामिल होगा जो उस उद्योग की दशा को प्रभावित करते हैं जिनमें विक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश से आय अथवा क्षमता उपयोग में स्वाभाविक अथवा संभावित गिरावट; घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक; पाटन मार्जिन की सीमा, नकद प्रवाह, माल सूचियों, रोजगार मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक तथा संभावित नकारात्मक प्रभाव शामिल है।"

41. प्राधिकारी ने क्षति की जांच से संबंधित मुद्दों को नोट किया है और उठाए गए मुद्दों का यथास्थान विवेचन भी किया है। प्राधिकारी ने क्षति से संबंधित मानदण्डों की वस्तुनिष्ठ जांच की है, जिसमें हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत तथ्यों और मुद्दों का ध्यान रखा गया है।

42. वर्तमान क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने क्षति के अस्तित्व एवं पाटन तथा क्षति, यदि कोई हो, के बीच कारणात्मक संबंध की जांच के उद्देश्य से घरेलू उद्योग पर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं को पाटित आयातों के कीमत प्रभाव और कीमतों और लाभप्रदता पर इसके प्रभाव की संचयी जांच की है। तदनुसार पाटित आयातों की मात्रा और कीमत प्रभाव की जांच निम्नानुसार की गई है:-

(क) मात्रात्मक प्रभाव: पाटित आयातों का प्रभाव और घरेलू उद्योग पर उनका प्रभाव

43. संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा और अन्य देशों से हुए आयातों की जांच निम्नानुसार जांच की गई:-

(i) आयात की मात्रा एवं संबद्ध देशों का हिस्सा:

44. प्राधिकारी ने कोरिया गणराज्य को छोड़कर जांच अवधि के दौरान किए गए आयातों की है जिनका सौदेवार ब्यौरा डी जी सी आई एंड एस द्वारा उपलब्ध कराया गया है, और इसका विश्लेषण निम्नानुसार है:-

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जनवरी-दिसम्बर 07
यूरोपीय संघ	मी.टन	***	***	***	***
चीन	मी.टन	***	***	***	***
कोरिया गणराज्य	मी.टन	***	***	***	***
ताइवान	मी.टन	***	***	***	***
संबद्ध देश	मी.टन	7,749	9,569	13,568	14,144
अन्य देश	मी.टन	***	***	***	***
कुल आयात	मी.टन	***	***	***	***

आंकड़े दर्शाते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयात में अत्यधिक वृद्धि हुई। तदनुसारी अवधि में अन्य देशों से भी आयातों में वृद्धि हुई। तथापि अन्य देशों से हुए आयातों की वृद्धि संबद्ध देशों के आयातों की वृद्धि की तुलना में बहुत कम है। इसके अलावा, प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा अत्यधिक थी।

(ii) मांग, उत्पादन एवं बाजार हिस्सा

(क) मांग एवं बाजार हिस्सा

45. आंकड़ों के अनुसार मांग और बाजार हिस्से की स्थिति का व्यौरा निम्नानुसार है:-

		2004-05	2005-06	2006-07	जनवरी-दिसम्बर 07
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी टन	***	***	***	***
आयात - सभी स्रोतों से	मी टन	***	***	***	***
बिक्री - अन्य भारतीय उत्पादक	मी टन	***	***	***	***
मांग	मी टन	32,539	32,720	31,658	32,104
मांग में बाजार हिस्सा					
संबद्ध देश	%	***	***	***	***
यूरोपीय संघ	%	***	***	***	***
कोरिया गणराज्य	%	***	***	***	***
ताइवान	%	***	***	***	***
चीन जन गण	%	***	***	***	***
अन्य देश	%	***	***	***	***
अन्य भारतीय उत्पादक	%	***	***	***	***
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
भारतीय उद्योग	%	***	***	***	***

उपर्युक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि घरेलू मांग, जो लगभग स्थिर बनी हुई थी, में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान मामूली गिरावट आई। तथापि इस गिरावट के बावजूद आयातों में वृद्धि हुई। ऐसा प्रतीत होता है कि घरेलू उद्योग अपनी क्षमता का उपयोग नहीं कर सका और पाटित आयातों ने बाजार हिस्से पर कब्जा कर लिया। क्षति अवधि के दौरान जहां संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई, वहीं घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई। भारतीय उत्पादकों के समग्र बाजार हिस्से में भी गिरावट आई।

(ख) घरेलू उद्योग का उत्पादन

46. संस्थापित क्षमता तथा उत्पादन से संबंधित सूचना निम्नानुसार है:-

विवरण	माप की इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जनवरी-दिसम्बर '07
स्थापित क्षमता	मी टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100
उत्पादन	मी टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	84	77	56
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	85	76	56

उपर्युक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग के उत्पादन और क्षमता उपयोग में अत्यधिक गिरावट आई है।

(ग) घरेलू उद्योग की बिक्री

47. घरेलू उद्योग की बिक्री से संबंधित सूचना निम्नानुसार है:-

विवरण	माप की इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जनवरी-दिसम्बर '07
घरेलू बिक्रियां	मी टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	83	76	61
निर्यात बिक्रियां	मी टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	252	29	92

प्राधिकारी ने घरेलू और निर्यात बिक्री की अलग-अलग जांच की है। उपर्युक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में घरेलू बिक्री में तेजी से गिरावट आई। जहां तक निर्यातों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक द्वारा कोई उल्लेखनीय निर्यात कार्यकलाप नहीं किया जाता।

(ख) घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव:

48. समीक्षा जांच में यह जांच करने की अपेक्षा की जाती है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा उल्लेखनीय कीमत प्रभाव हुआ है अथवा क्या शुल्क वापस ले लिए जाने के बाद कीमत प्रभाव की पुनरावृत्ति होने की संभावना है।

49. जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, यह जांच की गई कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव का उद्देश्य कीमतों में अत्यधिक मंदी लाना अथवा कीमत वृद्धि को रोकना था, जो अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक हुई होती। घरेलू बाजार पर आयातों के प्रभाव का आकलन करने के लिए क्षति अवधि के दौरान आयात कीमतों का विश्लेषण निम्नलिखित विवरणों के अनुसार है:-

सी आई एफ निर्यात कीमत रुपये/मी.टन	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि जनवरी-दिसम्बर 2007
संबद्ध देशों से निर्यात (मी टन में)	***	***	***	***
संबद्ध देशों से पहुँच कीमत	***	***	***	***
निवल बिक्री प्राप्ति	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	104	117	110

50. संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर बड़े प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत ह्रास तथा कीमत मंदी, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की भारत औसत उत्पादन लागत, भारत औसत निवल बिक्री प्राप्ति (एन एस आर) तथा क्षति सहित कीमत (एन आई पी) की तुलना संबद्ध देशों से हुए आयातों की पहुँच लागत से की गई।

(i) कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री

51. कम कीमत पर बिक्री का निर्धारण जांच की सभस्त अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाटित आयातों के पहुँच मूल्य की तुलना में इसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का भारत औसत निवल बिक्री प्राप्ति से करके की गई। इस प्रयोजनार्थ आयातों के पहुँच मूल्य की तुलना में डी जी सी आई एंड एस आंकड़ों में संबद्ध देशों से आयात कीमतों में सूचित मूल्य में 1 प्रतिशत प्रहस्तन प्रभार और लागू मूल सीमाशुल्क जोड़ा गया।

52. घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति का निर्धारण करने के लिए घरेलू उद्योग द्वारा दी गई छूटों और कमीशन तथा संदत्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क को उद्गम से घटा दिया गया।

53. कम कीमत पर की गई बिक्री के निर्धारण के प्रयोजनार्थ संबद्ध देशों से हुए आयातों की पहुँच कीमत की तुलना जांच अवधि हेतु निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षति रहित निवल बिक्री कीमत और शेष वर्षों की उत्पादन लागत से की गई।

विवरण	माप की इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जनवरी' 07- दिसम्बर-07
बिक्री की लागत	रुपये/मी टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	130	162	167
बिक्री कीमत	रुपये/मी टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	117	109
आयात मात्रा	मी टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	123	175	183
पहुँच मूल्य	रुपये/मी टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	113	98
औसत कीमत कटौती	रुपये/मी टन	***	***	***	***
औसत कीमत कटौती	%	***	***	***	***
सीमा	%	neg	1-10	1-10	1-10
क्षति रहित कीमत					***
कम कीमत पर बिक्री					***

प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से हुए आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से कम थी, जिसके परिणामतः सकारात्मक कीमत कटौती हुई। इसके अलावा संबद्ध देशों से पाटित आयातों के पहुँच मूल्य के कारण कम कीमत पर बिक्री हुई।

(ii) पाटित आयातों का कीमत हास तथा कीमत मंदी प्रभाव

54. पाटित आयातों के कीमत हास प्रभाव की जांच उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति एवं संबद्ध देशों के पहुँच मूल्य के संदर्भ में भी गई। उपर्युक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन लागत में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान ***% की वृद्धि हुई, जबकि इसी अवधि में निवल बिक्री कीमत में केवल ***% की वृद्धि हुई, जिससे प्रदर्शित होता है कि पाटित आयातों के परिणामस्वरूप उल्लेखनीय कीमत हास हुआ है।

च.5 क्षति से संबंधित अन्य मानदण्डों की जांच

55. अन्य आर्थिक मानदण्डों, जो घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संकेत करते हैं, का विश्लेषण किया गया है, जो निम्नानुसार है:-

(i) उत्पादकता

56. घरेलू उद्योग की उत्पादकता का आकलन उत्पादन की श्रमिक उत्पादकता के रूप में किया गया और यह नोट किया गया कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान उत्पादकता में 44% की गिरावट आई।

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जनवरी से दिसम्बर 2007 (जांच अवधि)
उत्पादन	मी टन	***	***	***	***
कर्मचारी	संख्या	***	***	***	***
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी टन/संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	85	76	56
350 दिवस मानते हुए प्रति दिवस उत्पादकता	मी टन/दिवस	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	85	76	56

(ii) लाभ, नियोजित पूंजी से आय एवं नकद प्रवाह

57. लाभ, नियोजित पूंजी से आय तथा नकद प्रवाह से संबंधित सूचना निम्नानुसार है:-

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जनवरी'07-दिसम्बर'07
विक्री की लागत	रुपये/मी टन	***	***	***	***
विक्री कीमत	रुपये/मी टन	***	***	***	***
लाभ/हानि	रुपये/मी टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	45	14	नकारात्मक
ब्याज	रुपये/मी टन	***	***	***	***
ब्याज पूर्व लाभ/हानि	रुपये/मी टन	***	***	***	***

उपर्युक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि बिक्री में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान ***% की वृद्धि हुई, जबकि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान निवल बिक्री कीमत में ***% की वृद्धि हुई। नकद लाभ तथा नियोजित पूंजी से आय का रूख भी लाभ के रूख के समान था।

(iii) रोजगार तथा मजदूरी

58. रोजगार तथा मजदूरी से संबंधित सूचना निम्नानुसार है:-

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जनवरी - दिसम्बर 2007 (जांच अवधि)
मजदूरी	रुपये लाख	***	***	***	***
कर्मचारी	संख्या	***	***	***	***
मजदूरी/कर्मचारी	रुपये लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	121	137	141

उपर्युक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि क्षति अवधि तथा जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कर्मचारियों की संख्या एक समान रही। मजदूरी में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान ***% की वृद्धि हुई।

(iv) पूंजी जुटाने की क्षमता

59. जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने कोई क्षमता वर्धन नहीं किया है।

(v) पाटन की सीमा

60. संबद्ध देश हेतु निर्धारित पाटन मार्जिन न्यूनतम स्तर से अधिक है।

(vi) कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

61. पाटित आयातों से इतर कारकों, जिन्होंने घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित किया हो, के विश्लेषण के लिए प्राधिकारी ने लागत संरचना में परिवर्तन, यदि कोई हो, घरेलू उद्योग में प्रतिस्पर्धा तथा प्रतिस्पर्धी विकल्पों की कीमतों की जांच की है। तथापि क्षति की समस्त अवधि एवं जांच अवधि के दौरान घरेलू मांग लगभग स्थिर बनी रही है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के सहयोगी उत्पादकों का कुल घरेलू मांग में योगदान लगभग ***% है। परन्तु

आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के हिस्से में लगभग ***% की गिरावट आई ।

(vii) मालसूची

62. घरेलू उद्योग का मालसूची स्तर क्षति अवधि के दौरान वृद्धि दर्शाता है, जिसका ब्यौरा निम्नानुसार है:-

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	जनवरी'07 दिसम्बर'07
माल सूची -औसत	मी टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीवद्ध	100	99	108	196
उत्पादन के % के रूप में मालसूची	%	***	***	***	***
सीमा	%	1-10	1-10	1-10	10-20

च.5 क्षति का समग्र आकलन

63. क्षति का समग्र आकलन निम्नानुसार किया गया है:-

- (i) आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान बिक्री की लागत में वृद्धि हुई ।
- (ii) निर्यात कीमतों में भी जिनमें आधार वर्ष और पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में वर्ष 2006-07 के दौरान वृद्धि हुई थी, जांच अवधि के दौरान गिरावट आई ।
- (iii) सीमाशुल्क वर्ष 2004-05 के दौरान 20 प्रतिशत से घटाकर जांच अवधि के दौरान 10 प्रतिशत कर दिया गया था । निर्यात कीमत और सीमाशुल्क में कमी के मिले-जुले प्रभाव के कारण संबद्ध वस्तुओं का पहुँच मूल्य प्रभावित हुआ । इसके परिणामस्वरूप जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि, जिसके कारण घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत प्रभावित हुई ।
- (iv) संबद्ध देशों से हुए आयातों की मात्रा में निरपेक्ष रूप में तथा भारत में संबद्ध वस्तुओं की मांग और उत्पादन की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई, जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में अत्यधिक गिरावट आई ।

(v) आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में उल्लेखनीय कीमत कटौती हुई है जिसके कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में ह्रास का प्रभाव उत्पन्न हुआ है ।

(vi) लागू पाटनरोधी शुल्क के बावजूद मात्रात्मक मानदण्डों के रूप में घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में गिरावट आई ।

(vii) पाटन जारी रहने के कारण घरेलू उद्योग के कीमत संबंधी मानदण्डों जैसे लाभ, निवेश से आय एवं नकद प्रवाह में गिरावट आई ।

(viii) घरेलू उद्योग से विभिन्न मानदण्डों के समग्र विश्लेषण से यह सिद्ध होता है कि पाटनरोधी शुल्क लागू रहने के बावजूद संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है । अतः पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिए जाने/उसमें कमी किए जाने की स्थिति में पाटन और उसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने की संभावना है ।

च.6 अन्य ज्ञात कारक तथा कारणात्मक संबंध

(i) अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा एवं कीमतें

64. डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों के अनुसार संबद्ध देशों के अलावा अन्य देशों से भी आयात किए गए हैं । प्रकटीकरण विवरण के पैरा 44 में उल्लिखित तालिका में दिए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान अन्य देशों से आयातों में मामूली वृद्धि हुई, जबकि तदनुसूची अवधि के दौरान संबद्ध देशों से हुए आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई । तथापि अन्य देशों से आयात की औसत कीमत *** रुपये प्रति मी टन है, जो संबद्ध देशों की तुलना में बहुत कम है अतः घरेलू कीमतें प्रभावित हुई हैं ।

(ii) मांग में संकुचन एवं/अथवा खपत के तरीके में परिवर्तन

65. विचाराधीन उत्पाद की घरेलू मांग वर्ष 2006-07 तक लगभग स्थिर रही और जांच अवधि के दौरान इसमें मामूली गिरावट आई । परन्तु आयातों में वृद्धि मांग में गिरावट की तुलना में काफी अधिक थी, जिसके कारण घरेलू उद्योग को अपना बाजार हिस्सा गंवाना पड़ा और संबद्ध देशों से हुए आयातों ने बाजार हिस्से पर कब्जा कर लिया ।

(iii) व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां एवं विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

66. संबद्ध वस्तुएं मूल रूप से आयात योग्य हैं और घरेलू बाजार में कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां नहीं हैं। अतः यह कारक घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं हो सकता।

(iv) प्रौद्योगिकी विकास एवं निर्यात कार्य निपादन

67. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने प्रौद्योगिकी अथवा प्रौद्योगिकी से संबंधित किसी मुद्दे को घरेलू उद्योग को हुई क्षति के कारण के रूप में नहीं उठाया है। यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा कुछ मात्रा का निर्यात किया जा रहा था। वैंके निर्यात, घरेलू उद्योग की बिक्री का एक बहुत ही छोटा अंश है, अतः इस कारक की वजह से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है।

(v) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

दैनिक उत्पादन के रूप में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में अत्यधिक गिरावट देखी गई है। अतः उत्पादकता वह कारक नहीं, जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जाए।

च.6 क्षति तथा क्षति मार्जिन की सीमा

68. घरेलू उद्योग के लागत आंकड़ों का ध्यान में रखकर घरेलू उद्योग हेतु निर्धारित संबद्ध वस्तुओं की क्षति रहित कीमत की तुलना पाटन मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ संबद्ध देशों से हुए आयातों के पहुंच मूल्य से की गई।

छ. क्षति जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना:

69. पाटन एवं क्षति जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना के दावे के बारे में घरेलू उद्योग ने निम्नानुसार निवेदन किया है:

(क) आयात पाटित कीमतों पर जारी रहे हैं।

(ख) क्षति अवधि के दौरान आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई है।

(ग) पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिए जाने की स्थिति में संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा में वृद्धि होने की संभावना है।

(घ) पाटनरोधी शुल्क पांच वी की अवधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है।

70. वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच ई यू, कोरिया गणराज्य, चीन जन गण तथा ताइवान (चीनी ताइपेई) से संबद्ध वस्तुओं के पाटन की पुनरावृत्ति अथवा उसके जारी रहने से संबंधित है। जहां तक ई यू के सहयोगी निर्यातक का संबंध है, उन्होंने जांच अवधि के दौरान भारत को कोई निर्यात नहीं किया है। तथापि जांच अवधि के दौरान उन्होंने तीसरे देशों को निर्यात किए हैं जो पाटित कीमतों पर किए गए हैं। इसके अलावा उनके पास अतिरिक्त उत्पादन क्षमता अत्यधिक है। भारत में मांग को देखते हुए इस बात की पूरी संभावना है कि पाटनरोधी शुल्क हटा लिए जाने की स्थिति में वे संबद्ध वस्तुओं का भारत में पुनः पाटन करेंगे।

71. जहां तक कोरिया जन गण से आयातों का संबंध है, पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बावजूद पाटन जारी रहा है। कैथोड रे ट्यूबों (सी आर टी) की मांग में गिरावट के कारण कोरियाई बाजार तथा अंतर्राष्ट्रीय बाजार में संबद्ध वस्तुओं की मांग में गिरावट आ रही है। इसके परिणामस्वरूप कोरियाई उत्पादन का प्रमुख उद्देश्य भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तुओं की मांग को पूरा करना है। इसके अलावा सहयोगी उत्पादक के पास अतिरिक्त उत्पादन क्षमता मौजूद है। शुल्क वापस ले लिए जाने अथवा उसमें कमी किए जाने की स्थिति में इस बात की पूरी संभावना है कि कोरिया गणराज्य से पाटन जारी रहेगा व उसमें और भी वृद्धि होगी क्योंकि भारत में संबद्ध वस्तुओं की मांग अत्यधिक है और निर्यातक के पास अप्रयुक्त उत्पादन क्षमता भी अत्यधिक है।

72. ताइवान (चीनी ताइपेई) तथा चीन जन गण के निर्यातकों ने सहयोग नहीं किया है। संभवतः पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के कारण उन्होंने जांच अवधि के दौरान भारत को कोई उल्लेखनीय निर्यात नहीं किया है। तथापि डी जी सी आई एंड एस के आंकड़े दर्शाते हैं कि इन देशों से पाटित कीमतों पर आयात किए जाते रहे हैं। पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिए जाने अथवा उसमें कमी किए जाने की स्थिति में इन देशों से संबद्ध वस्तुओं का पाटन जारी रह सकता है व उसमें और भी वृद्धि हो सकती है।

73. संबद्ध वस्तुओं का उपयोग मुख्यतः कैथोड रे ट्यूबों (सी आर टी) के विनिर्माण में किया जाता है। एल सी डी प्रौद्योगिकी के अविष्कार के कारण अंतर्राष्ट्रीय बाजार में, विशेष रूप से विकसित देशों में सी आर टी की मांग में गिरावट आ रही है। इसके विपरीत एल सी डी की लागत अत्यधिक होने के कारण भारतीय बाजार में सी आर टी की मांग काफी अधिक है। पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिए जाने अथवा उसमें कमी किए जाने की स्थिति में भारत में संबद्ध वस्तुओं की मांग सी आर टी की मांग द्वारा निर्धारित होने के कारण इसकी परिणति संबद्ध देशों से पाटन और क्षति के जारी रहने/पुनरावृत्ति में होगी।

74. प्रकटीकरण विवरण के संबंध में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त टिप्पणियों की जांच निम्नानुसार की गई है:-

घरेलू उद्योग की टिप्पणियाँ:

1. निर्यातकों को सहयोगी नहीं माना जा सकता, क्योंकि उन्होंने पूरक निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत नहीं किए हैं।
2. चूंकि आधारभूत निविष्टियों की कीमतों में उल्लेखनीय बदलाव आया है अतः प्राधिकारी से अनुरोध है कि माप के रूप को अम.डॉलर में व्यक्त निधारित मात्रा रखा जाए।
3. के सी एल को प्रारंभिक कच्चा माल मानने का कोई आधार नहीं है और यह के ओ एच होना चाहिए। के ओ एच के 30 प्रतिशत के विलयन को K_2CO_3 के उत्पादन हेतु प्रयुक्त करने से पूर्व इसे 48 प्रतिशत किया जाना अपेक्षित होता है। इसमें अतिरिक्त प्रसंस्करण लागत शामिल होती है। चूंकि गणना के सी एल चरण से शुरू की गई है अतः पाटन मार्जिन का जो आकलन किया गया है, वह बहुत कम है।
4. निर्यातक के पास एकाधिक बिक्री माध्यम होते हैं। ऐसी स्थिति में पूरी यूनिड के लिए विभिन्न बिक्री माध्यमों पर विचार किए बिना एक पाटन मार्जिन का आकलन किया जाना प्राधिकारी द्वारा स्थापित पद्धति के विरुद्ध है।
5. जैसा कि विभिन्न आर्थिक मानदण्डों में दर्शाया गया है, लगातार पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।
6. चूंकि उत्पाद शुल्क और बिक्री कर का भुगतान कारखाना द्वार स्तर पर किया जाता है, अतः उत्पाद शुल्क और बिक्री कर को ध्यान में रखकर क्षति रहित कीमत का निर्धारण किया जाना चाहिए।
7. पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिए जाने की स्थिति में पाटन तथा घरेलू उद्योग को क्षति, दोनों के जारी रहने की संभावना है।
8. पाटनरोधी शुल्क आगे पांच वर्ष की अवधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

1. मेसर्स इवोनिक डेगुसा जी एम बी एच जर्मनी ने जांच अवधि के दौरान भारत को कोई निर्यात नहीं किया है। मै0 यूनिड कं0, कोरिया ने पूरक निर्यातक प्रश्नावली में सूचना प्रस्तुत की है।
2. शुल्क के रूप के संबंध में व्यक्त विचारों को प्राधिकारी द्वारा नोट कर लिया गया है।

3. मै0 यूनिड कं0, कोरिया गणराज्य के पास सतत उत्पादन प्रक्रिया है और उन्होंने प्रक्रियावार लागत रिकॉर्ड रखा है। के ओ एच विलयन के चरण में शामिल अतिरिक्त लागत को निर्यातक ने विधिवत शामिल किया है, जिसका सत्यापन प्राधिकारी द्वारा किया गया है। अतः पाटन मार्जिन का निर्धारण तदनुसार किया गया है।

4. मै0 यूनिड कं0, कोरिया गणराज्य तथा मै0 ओ सी आई कार्पोरेशन संबंधित पक्षकार हैं अतः उनके लिए एक पाटन मार्जिन निर्धारित की गई है।

5. निरंतर पाटन तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में व्यक्त विचारों को प्राधिकारी ने नोट कर लिया है।

6. प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई पद्धति के अनुरूप क्षति रहित कीमत का निर्धारण सही तरीके से किया गया है।

मै0 इवोनिक डेगुसा जी एम बी एच, जर्मनी की ओर से मै0 लक्ष्मी कुमारन एंड श्रीधरन की टिप्पणियां

(1) सीमाशुल्क प्राधिकारियों से उत्पन्न होने वाली समस्याओं से बचने के लिए पक्षकार मैसर्स इवोनिक डेगुसा जी एम बी एच, जर्मनी के सही नाम का उल्लेख अंतिम जांच परिणाम में किया जाए।

(2) मै0 डेगुसा जी एम बी एच जर्मनी द्वारा विनिर्मित पोटेशियम कार्बोनेट के सभी ग्रेडों यथा ग्रेन्यूलर, हाइड्रेट, कॉम्पैक्टेड तथा पाउडर के लिए अलग-अलग सामान्य मूल्य का निर्धारण और

(3) चूंकि घरेलू उद्योग ने अपने आवेदन में केवल पाउडर तथा ग्रेन्यूलर रूप का उल्लेख किया है, अतः विचाराधीन उत्पाद के दायरे से हाइड्रेट तथा कॉम्पैक्टेड रूप का अपवर्जन।

(4) विभिन्न ग्रेडों के भारित औसत से पाटन मार्जिन का गणना में विकृति उत्पन्न होगी।

(5) विचाराधीन उत्पाद के दायरे से हाइड्रेट तथा ग्रेन्यूलर रूप के अपवर्जन के बाद सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत में संशोधन किया जाना चाहिए।

(6) निर्यातक ने क्षमता उपयोग को अलग से नहीं देखा जाना चाहिए। क्षमता के ओ एच की आपूर्ति पर निर्भर होती है। K_2CO_3 के बाजार की तुलना में के ओ एच का बाजार अधिक आकर्षक था, अतः जांच अवधि के दौरान के ओ एच की आपूर्ति में कटौती की गई थी।

(7) ई यू से आयातों के लगातार एवं घटते रुख तथा अन्य देशों द्वारा भारत को किए गए निर्यातों की तुलना में नकारात्मक पाटन मार्जिन के मद्देनजर क्षति एवं क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ

प्राधिकारी के लिए संबद्ध देशों के सभी आयातों से यूरोपीय संघ के नियतों का डिक्ल्यूमुलेट किया जाना अधिदेशित है।

(8) घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से का तुलनात्मक संबद्ध देशों से आयातों में हुई वृद्धि का परिणाम नहीं है। इसके विपरीत यह अन्य अनेक कारकों का परिणाम है जिसमें अन्य देशों से आयातों में हुई वृद्धि तथा अन्य भारतीय उत्पादकों द्वारा घरेलू उत्पादन में वृद्धि शामिल है।

(9) घरेलू उद्योग के उत्पादन एवं संबद्ध वस्तुओं की बिक्री में आई गिरावट घरेलू उद्योग द्वारा बाजार की मांग को पूरा करने के लिए कार्बोस्टिक पोटाश फ्लेक्स के उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करने की सुविचारित कार्यनीति के कारण आई है। अतः संबद्ध वस्तुओं के विपणन के कारण हुई क्षति आत्मकृत है। इस तथ्य का उल्लेख याचिकाकर्ता की वर्ष 2006-07 की वार्षिक रिपोर्ट के पृष्ठ सं० 19 में किया गया है, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि कार्बोस्टिक पोटाश फ्लेक्स के बाजार में वृद्धि के कारण जांच अवधि के दौरान पोटेशियम कार्बोनेट के उत्पादन में कटौती की गई।

प्राधिकारी द्वारा जांच

(1) जहां कहीं पक्षकार का नाम इवानिक डेगुसा जी एम बी एच जर्मनी आया है इसे अंतिम जांच परिणाम में सही तरीके से लिखा गया है जिसकी डेगुसा ए जी की कानूनी स्थिति में परिवर्तन के रूप में पुष्टि की गयी है।

(2) पोटेशियम कार्बोनेट मूल जांच तथा वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच दोनों में संबद्ध वस्तु है अतः इस चरण में संबद्ध वस्तु के विवरण तथा रूपरेखा में कोई परिवर्तन नहीं किया जा सकता। चूंकि संबद्ध वस्तु पोटेशियम कार्बोनेट है अतः सामान्य मूल्य का कोई ग्रेडवार निर्धारण किया जाना अपेक्षित नहीं है।

(3) प्राधिकारी ने क्षमता उपयोग के बारे में निर्यातक के विचारों को नोट किया है और यह कहा गया है कि जांच के अंतर्गत संबद्ध वस्तु पोटेशियम कार्बोनेट है और इसी के क्षमता उपयोग पर विचार किया गया है।

(4) यूरोपीय संघ द्वारा किए गए निर्यातों के प्रभाव का विश्लेषण प्राधिकारी ने अलग से किया है।

(5) यह तर्क प्रस्तुत किया गया है कि याचिकाकर्ता ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में स्वयं यह स्वीकार किया है कि पोटेशियम हाइड्रोक्साइड का बाजार पोटेशियम कार्बोनेट से बेहतर था और कंपनी ने सुविचारित तरीके से पोटेशियम हाइड्रोक्साइड की अधिक बिक्री करने का निर्णय लिया जिसके परिणामस्वरूप पोटेशियम कार्बोनेट की बिक्री हेतु कम सामग्री उपलब्ध थी। तथापि ऐसी स्थिति में जहां कंपनी दो उत्पादों का उत्पादन करती है, जिनमें से एक उत्पाद दूसरे का मध्यवर्ती उत्पाद है, अतः आम तौर पर यह कंपनी का व्यावसायिक विवेक है कि वह समग्र कार्य निष्पादन को अनुकूलतम

बनाने के उद्देश्य से सापेक्षिक लाभप्रदता के आधार पर दोनों उत्पादों की मात्रा का निर्णय करेगी। वर्तमान मामले में कंपनी तथा विदेशी उत्पादक भी पहले पोटेशियम हाइड्रॉक्साइड का उत्पादन करते हैं जिसे तत्पश्चात् प्रसंस्कृत करके पोटेशियम कार्बोनेट प्राप्त किया जाता है। दोनों उत्पादों की मांग बाजार में अत्यधिक है। अतः समग्रतः बेहतर कार्य निष्पादन हासिल करने के लिए सापेक्षिक लाभप्रदता के आधार पर अधिक पोटेशियम हाइड्रॉक्साइड अथवा अधिक पोटेशियम कार्बोनेट की बिक्री का विकल्प कंपनी के पास उपलब्ध है। यदि पोटेशियम कार्बोनेट की बिक्री से कंपनी का समग्र कार्य निष्पादन बढ़ता है तो कंपनी पोटेशियम हाइड्रॉक्साइड के मध्यवर्ती चरण में अपने उत्पादन और बिक्री में कमी करेगी। इसके अलावा याचिकाकर्ता द्वारा पोटेशियम हाइड्रॉक्साइड के उत्पादन एवं बिक्री में वृद्धि का तात्पर्य यह नहीं है कि संबद्ध वस्तु का कोई पाटन नहीं हुआ है।

दूतावास के माध्यम से कोरिया गणराज्य की सरकार से प्राप्त टिप्पणियाँ

- (1) प्राधिकारी ने निर्यातक द्वारा प्रस्तुत लागत संबंधी आंकड़ों पर विचार नहीं किया है।
- (2) सामान्य मूल्य और पाटन मार्जिन की गणना के संबंध में प्राधिकारी ने पर्याप्त एवं सुविचारित स्पष्टीकरण नहीं दिया है।
- (3) विचाराधीन सभी अनिवार्य तथ्य प्रकट नहीं किए गए हैं।
- (4) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों को प्रकटीकरण विवरण का उत्तर देने के लिए पर्याप्त समय प्रदान नहीं किया है।

मै0 यूनिड कं., कोरिया जन.गण. की टिप्पणियाँ

- (1) प्रक्रिया संबंधी भाग में सहयोगी निर्यातक के रूप में ओसीआई का नाम मौजूद नहीं है।
- (2) प्राधिकारी द्वारा इटोचू कोरिया लि0 के माध्यम से किए गए निर्यातों के लिए अलग-अलग शुल्क दरों पर किया जाना चाहिए।
- (3) प्रकटन विवरण में अनेक सूचनाओं को गोपनीय रखा गया है। इसमें तीसरे देशों से आयातों से संबंधित सूचना तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति से संबंधित विभिन्न सूचनाएं शामिल हैं। पूर्व में जांचे शुरू की गई थी और तत्पश्चात् अचानक बन्द कर दी गई थी। दोनों जांचों में जांच की अवधि परस्परव्यापी हैं। प्रत्येक संबद्ध देश से अलग-अलग कीमत कटौतियों को प्रकट नहीं किया गया है।

(4) कम्पनी को निर्यातक प्रश्नावली भाग-11 कभी जारी नहीं की गई थी। यह पहली बार सत्यापन के समय दी गई थी। इसके बावजूद कम्पनी ने सभी संगत सूचनाएं प्रस्तुत की हैं।

(5) प्रकटन विवरण से यह प्रदर्शित होता है कि प्राधिकारी ने पहले ही शुल्क को आगे और लागू करने का निश्चय कर लिया था और प्रकटन विवरण महज औपचारिक मात्र है।

(6) यूनिड की उत्पादन लागत को इस तथ्य के बावजूद अस्वीकार कर दिया गया कि वह कम्पनी द्वारा रखे गए रिकॉर्ड के अनुसार थी और इस पद्धति को मूल जांच में भी अपनाया गया था। प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई पद्धति का अनुपालन करने के बाद भी उत्पादन लागत *** अम.डॉ. बनती है, जबकि प्राधिकारी के अनुसार उत्पादन लागत *** अम. डा. है। इसके अलावा पैकिंग व्ययों को शामिल करके उत्पादन लागत का निर्धारण किया गया है।

(7) यूनिड के सामान्य मूल्य को *** अम.डॉ. के रूप में निर्धारित किया जाना चाहिए था।

(8) प्राधिकारी ने कारखाना द्वार कीमत का निर्धारण करने के लिए ओसीआई के एस एंड डी व्ययों को गलत समायोजित किया है। इसके अतिरिक्त, यदि इसे समायोजित किया जाना है तो यूनिड के एस एंड डी को भी घरेलू कीमत से घटाया जाना चाहिए।

(9) चूंकि व्यापार के स्तर में अंतर हैं अतः प्राधिकारी द्वारा सामान्य मूल्य में व्यापार समायोजन स्तर को अपनाया जाना चाहिए।

(10) वर्तमान जांचों में यूनिड द्वारा कोई पाटन नहीं कि गया है न ही पाटन की पुनरावृत्ति का कोई खतरा है।

(11) चूंकि पाटन मार्जिन एवं क्षति दोनों ही नकारात्मक है अतः कोई शुल्क नहीं लगाया जा सकता है।

(12) पाटन मार्जिन % का निर्धारण सीआईएफ कीमत (न कि कारखाना द्वार कीमत) पर विचार करके किया जाना चाहिए।

(13) ईयू से सहयोगी निर्यातक द्वारा कोई निर्यातक नहीं किए गए हैं और निर्यात कीमत का निर्धारण, डीजीसीआई एण्ड एस द्वारा सूचित आयातों के आधार पर किया गया है। यह उस अन्य सूचना के विपरीत है जहाँ प्राधिकारी ने इसी प्रकार की स्थिति में तीसरे देशों के निर्यातों के आधार पर निर्णय लिया था। प्राधिकारी ने ईयू को विशेष व्यवहार प्रदान किया है।

(14) चीन के उत्पादकों के असहयोग तथा उन्हें गैर बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान करने के बावजूद, चीन के मामले में पाटन मार्जिन अत्यंत कम है। इससे ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है जहाँ सहयोगी निर्यातक का पाटन मार्जिन असहयोगी निर्यातक से अधिक है।

(15) भारत में उत्पाद के तीन उत्पादक हैं। तथापि क्षति विश्लेषण केवल एक कम्पनी के लिए किया गया है। यह उच्चतम न्यायालय के निर्णय के विपरीत है। याचिकाकर्ता के इस दावे, कि उसका हिस्सा एक प्रमुख हिस्सा बनता है, की जांच की जानी चाहिए। अन्य भारतीय उत्पादक भारतीय उत्पादन में उल्लेखनीय हिस्सा रखते हैं। अतः क्षति संबंधी सूचना, 'समग्र रूप से घरेलू उद्योग' से संबंधित नहीं है।

(16) प्रकटन विवरण तथा वार्षिक रिपोर्ट में विचाराधीन उत्पाद अलग-अलग हैं।

(17) उत्पादन, बिक्री एवं बाजार हिस्से के आधार पर किसी प्रकार की क्षति का दावा नहीं किया जा सकता है। क्षमता उपयोग, उत्पादकता में गिरावट, उत्पादन में जानबूझ की गई कटौती के कारण है। इसके अलावा उत्पादन में कटौती के कारण, उत्पादन लागत में वृद्धि हुई है।

(18) अन्य उत्पादक के उत्पादन में वर्ष 2006-07 में 1200 मी. टन की तुलना में जांच अवधि के दौरान 2500 मी. टन के साथ अत्यधिक वृद्धि हुई है।

(19) याचिकाकर्ता, देश में उत्पाद की मांग को पूरा करने में असमर्थ है। याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादन में कटौती किए जाने और मांग को पूरा न कर पाने के कारण आयात किए गए हैं। कोरिया से आयातों में वृद्धि का यही कारण है।

(20) याचिकाकर्ता ने लाभप्रद कास्टिक पोटाश का उत्पादन करना शुरू कर दिया है। याचिकाकर्ता ने कास्टिक पोटाश हेतु अपनी क्षमता में विस्तार भी किया है।

(21) कोई प्रतिकूल कीमत प्रभाव मौजूद नहीं है। इसके अलावा निवल बिक्री वसूली तथा आयातों की पहुँच कीमत को गोपनीय रखा गया है तथा प्रत्येक संबद्ध देश के संबंध में अलग-अलग सूचना भी उपलब्ध नहीं कराई गई है।

(22) जनवरी-दिसम्बर, 2007 की अवधि के लिए प्रकटन विवरण के पृष्ठ 29 तथा पृष्ठ 30 पर सूचित घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली से संबंधित आंकड़ों में अंतर है।

(23) उत्पादन के अन्य उत्पादों में प्रशासित होने के कारण लाभ किए गए निवेश पर आय तथा नकद प्रवाह को क्षति हुई है।

(24) रोजगार एवं वेतन में सुधार प्रदर्शित हुआ है।

(25) वस्तुसूचियों में वृद्धि आश्चर्यजनक हैं, क्योंकि जो भी उत्पादित हुआ है, उसकी बिक्री कर दी गई है। जांच अवधि में बिक्री उत्पादन से अधिक रही है।

(26) प्राधिकारी ने विस्तृत विश्लेषण के बिना खतरे के आधार पर पहले से ही शुल्क को जारी रखने का निर्णय ले लिया है।

(27) डब्ल्यूटीओ ने अमरीका से हाई फ्रक्टोस क्रॉन सिरप के मेक्सिको-पाटनरोधी जांच में यह प्रतिपादित किया था कि केवल करार के अनुच्छेद 3.7 के तहत सूचीबद्ध कारकों को ही खतरे का आधार बनाया नहीं जा सकता। फिर भी विभिन्न क्षति मानदण्डों की भी जांच की जानी चाहिए। वर्तमान मामले में क्षति का कोई खतरा मौजूद नहीं है।

(28) घरेलू उद्योग, मुख्य रूप से इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के 1-2 बड़े उत्पादकों को बलक में उत्पाद की आपूर्ति करती है, जिन्होंने अन्य देशों को, जहाँ पाटनरोधी शुल्क लागू नहीं किया जाता है, उत्पाद का आयात करना प्रारंभ कर दिया है। क्षति का यही एकमात्र कारण है।

(29) याचिकाकर्ता की उत्पादन प्रक्रिया कास्टिक पोटाश की है। याचिकाकर्ता ने अपने पहले के उत्पादन के स्थान पर कास्टिक पोटाश का उत्पादन शुरू कर दिया है, जो उनको पहुँचने वाली क्षति का मुख्य कारण है। याचिकाकर्ता के पास कास्टिक पोटाश के उत्पादन में बेहतर मार्जिन है।

(30) क्षति रहित कीमत के परिकलन की पद्धति को प्रकट नहीं किया गया है। इसके अलावा घरेलू उद्योग के लिए समग्र रूप से क्षति रहित कीमत का निर्धारण नहीं किया गया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

(1) प्राधिकारी ने कोरिया सरकार के विचारों पर पर्याप्त विचार किया है और जहाँ अपेक्षित हो उन्हें अंतिम जांच परिणामों में उचित रूप से शामिल किया गया है।

(2) सामान्य मूल्य एवं पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु अपनाई गई पद्धति तथा उस पद्धति के लिए पर्याप्त तर्कसंगत स्पष्टीकरण का संबंध में यूनिट एवं कोरिया सरकार के तर्कों के संबंध में प्राधिकारी का विचार है कि क्लोरीन के संसाधन में प्रकटन विवरण परिवर्तन को पैरा 19 में, सामान्य मूल्य से संबंधित परिकलन में उचित रूप से शामिल किया गया था। इसके अलावा निवल निर्यात कीमत निर्धारण को भी प्रकट किया गया था। इस संबंध में पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु अपनाई गई पद्धति के संबंध में स्पष्टीकरण दिया गया है।

(3) आवश्यक तथ्यों के प्रकटन के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवश्यक समझे जाने वाले सभी तथ्यों को हितवद्ध पार्टियों पर प्रकट किया गया है।

(11) प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि यूनिड ने ओसीआई को कमीशन के भुगतान का दावा किया है। तथापि, यह नोट किया गया है कि यूनिड ने ओसीआई के नाम पर बीजक बनाए हैं। ऐसी स्थिति में जहाँ एक पक्ष द्वारा दूसरे पक्ष के नाम पर बीजक तैयार किया जाता है, उसी पक्ष को कमीशन प्रदान करने का प्रश्न ही नहीं उठता।

(12) पाटन मार्जिन का उल्लेख ओआईएफ निर्यात कीमतों के प्रतिशत के रूप में करने के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि उक्त के लिए कोई कानूनी आधार नहीं दिया गया है। वैसे भी प्राधिकारी ने यथामूल्य शुल्क की सिफारिश नहीं की है और उनके द्वारा शुल्क की विशिष्ट राशि की सिफारिश की जा रही है। अतः वर्तमान में कारखाना द्वार या सीआईएफ के रूप में उल्लिखित पाटन मार्जिन से वर्तमान जाँच परिणामों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

(13) ईयू के संबंध में पाटन मार्जिन के बारे में प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि किसी उत्तरदाता कम्पनी द्वारा कोई निर्यात न किया गया हो, तथापि इसका तात्पर्य यह नहीं है कि ईयू से अवधि के दौरान उत्पादों का कोई आयात नहीं हुआ है क्योंकि ईयू के किसी अन्य निकाय द्वारा वस्तुओं का निर्यात किया गया हो सकता है। प्राधिकारी ने इस संबंध में ईयू को कोई विशेष व्यवहार प्रदान नहीं किया है। प्रकटन विवरण का उत्तर देने के लिए अनुमत समय के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियमों में इस संबंध में किसी न्यूनतम अपेक्षित समय का प्रावधान नहीं है।

(14) प्राधिकारी नोट करते हैं कि ओसीआई ने अलग से प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। वस्तुतः मौजूदा मामले में ओसीआई भारत को वस्तु का निर्यात किया गया है। उस सीमा तक ओसीआई संबंधित निर्यातक है। ओसीआई यूनिड से संबंधित है। ऐसे मामलों में व्यापक रूप से प्रयुक्त दृष्टिकोण संबंधित उत्पादक एवं निर्यातक से प्रश्नावली का अलग एवं पूर्ण उत्तर प्राप्त करने की अपेक्षा है। उस सीमा तक प्राधिकारी समग्र उत्तर को अपर्याप्त मान कर उसे अस्वीकार कर सकते थे। तथापि, विभिन्न तथ्यों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने ओसीआई को असहयोगी न मानना उपयुक्त समझा और उन्होंने ओसीआई द्वारा प्रश्नावली के अपूर्ण उत्तर के होते हुए भी रिकॉर्ड में उपलब्ध उत्तर के आधार पर पाटन मार्जिन का निर्धारण किया है।

(6) यूनिड द्वारा उत्पादित एवं इतोचु, कोरिया द्वारा निर्यातित वस्तु के संबंध में अलग शुल्क के अनुरोधों के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि इतोचु, कोरिया से कोई उत्तर

प्राप्त नहीं हुआ है। इन मामलों में वस्तु का निर्यात इतोचु कोरिया द्वारा किया गया था। अतः इतोचु कोरिया से उत्तर की अनुपस्थिति में इतोचु कोरिया द्वारा की गई बिक्रियों के संबंध में पाटन मार्जिन एवं क्षति मार्जिन का निर्धारण व्यवहार्य नहीं था।

(7) प्राधिकारी ने गोपनीयता के संबंध में विभिन्न तर्कों को नोट किया है और उन्होंने नियमों के अंतर्गत आवश्यक/अनुमत सीमा तक वर्तमान जाँच परिणामों में सूचना को और प्रकट किया है।

(8) निर्यातक प्रश्नावली भाग-11 के संबंध में यद्यपि निर्यातक से पूर्व में यह सूचना प्रस्तुत करने को नहीं कहा गया था, तथापि मौखिक साक्ष्य के समय निर्यातक का ध्यान इस लोक विदित अपेक्षा की ओर आकर्षित किया गया था और सत्यापन के समय उसकी प्रति निर्यातक को दी गई थी।

(9) तथ्यों के प्रकटन का तात्पर्य प्राधिकारी द्वारा कोई निर्णय नहीं होता है, न ही इस चरण पर कोई निर्णय लिया गया था। प्राधिकारी ने केवल अपने समक्ष आए गए तथ्यों को प्रकट किया है।

(10) यूनिड एवं ओसीआई निस्संदेह एक-दूसरे से संबंधित निकाय हैं। वस्तुओं का उत्पादन यूनिड द्वारा और निर्यात ओसीआई द्वारा किया गया था। तथापि, घरेलू बाजार में यूनिड द्वारा सीधे अंतिम प्रयोक्ताओं को बिक्री की गई थी। अतः सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत के बीच उचित तुलना के लिए ओसीआई द्वारा किए गए समस्त व्यय तथा उपयुक्त लाभ को लेना आवश्यक है। जहाँ तक यूनिड कं0 एस एंड डी व्ययों का संबंध है, ये व्यय घरेलू एवं निर्यात दोनों बिक्रियों के संबंध में किए गए थे। यूनिड द्वारा यह स्थापित नहीं किया गया है कि ये व्यय केवल घरेलू बिक्री के संबंध में किए गए थे। एस एंड डी व्ययों के संबंध में ओसीआई द्वारा किए गए व्यय केवल भारत को निर्यात के संबंध में थे तथा ओसीआई द्वारा घरेलू बाजार में ऐसा कोई व्यय नहीं किया गया था। अतः, यद्यपि ओसीआई द्वारा किए गए व्यय को समायोजित करना (लाभ हेतु उपयुक्त वर्धन के साथ) उपयुक्त है, तथापि यूनिड के एस एंड डी व्ययों का समायोजन उचित नहीं होगा।

(14) धोन के संबंध में पाटन मार्जिन के बारे में प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन एवं कोरिया से निर्यात की गई वस्तुओं की निर्यात कीमत में अत्यधिक अंतर है। पाटन मार्जिन सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत का अंतर होता है। यह तथ्य कि किसी पक्ष ने सहयोग किया है, का तात्पर्य यह नहीं है कि ऐसे सहयोगी पक्ष के लिए पाटन मार्जिन कम ही होना चाहिए। यह बिल्कुल संभव है और जो वर्तमान मामले में तथ्य है, सहयोगी निर्यातक के मामले में निर्यात कीमत चीन की निर्यात कीमत से कम है। परिणामस्वरूप, चीन के संबंध में पाटन मार्जिन, उत्तरदाता निर्यातक के लिए पाटन मार्जिन से कम है।

(15) यह तर्क दिया गया है कि भारत में इस उत्पाद के तीन उत्पादक हैं और क्षति विश्लेषण में तीनों उत्पादक शामिल होने चाहिए। रिलायंस उद्योग बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में उच्चतम न्यायालय के निर्णय का बार-बार संदर्भ दिया गया है। प्राधिकारी का विचार है कि "समग्र रूप से घरेलू उत्पादक" को "समग्र रूप से घरेलू उद्योग" से अलग रखा जाना चाहिए। यदि प्राधिकारी समग्र रूप से भारतीय उत्पादकों के लिए क्षति के निर्धारण पर बल देते हैं तो इससे नियम 2 (ख) का प्रमुख हिस्सा व्यर्थ हो जाएगा। नियम 2 (ख) में पात्र भारतीय उत्पादकों का एक बड़ा हिस्सा रखने वाले घरेलू विनिर्माता को कानून के अंतर्गत सुरक्षा की मांग करने की अनुमति दी गई है। समग्र रूप से घरेलू उत्पादकों के लिए क्षति विश्लेषण की अपेक्षा का तात्पर्य पात्र भारतीय उत्पादन का बड़ा हिस्सा रखने वाली परन्तु अन्य सभी पात्र घरेलू विनिर्माताओं का समर्थन एवं सूचना जुटाने में असमर्थ कंपनियों के लिए सहित अस्वीकार करना होगा। यह न तो माननीय उच्चतम न्यायालय का आदेश है और न ही उनके आदेश का आशय।

(16) उत्पादन एवं वस्तु सूचियों के संबंध में प्रकटन विवरण में दिए गए अभ्यावेदनों के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि सत्यापित आंकड़ों के आधार पर उत्पादन एवं वस्तु सूची आंकड़ों पर विचार किया गया है।

(17) यह तर्क दिया गया है कि अन्य घरेलू उत्पादकों के उत्पादन में 1200 मी.टन से 2500 मी.टन तक की अत्यधिक वृद्धि देखी गई है। घरेलू उद्योग ने सूचित किया है कि स्टैंडर्ड एल्कलीज ने उत्पादन बंद कर दिया और अपना संयंत्र बेच दिया जिसका अधिग्रहण रायलसीमा द्वारा किया गया है। कंपनी ने हाल ही में उत्पादन शुरू किया है। परिस्थिति तथा देश में मांग को देखते हुए नया उत्पादन शुरू करने वाली किसी कंपनी के लिए 1200 मी.टन से नया उत्पादन शुरू करने वाली किसी कंपनी के लिए 1200 मी.टन से 2500 मी.टन तक उत्पादन में वृद्धि को अत्यधिक वृद्धि नहीं माना जा सकता है, न ही यह "क्षति न होने का संकेतक है।

(18) भारतीय उद्योग के हित कुछेक पक्षों ने तर्क दिया है कि भारतीय उत्पादक देश में मांग को पूरा नहीं कर सकते थे। प्राधिकारी नोट करते हैं कि देश में उत्पाद की मांग और घरेलू उत्पादकों की क्षमता में अंतर है। तथापि, यदि यह अन्यथा स्थापित किया जाता है तो शुल्क के अधिरोपण/उसे जारी रखने के अन्य मापदण्डों को पूरा किया गया है तो देश में मांग को पूरा करने में घरेलू उद्योग की असमर्थता का तात्पर्य पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण/उसे जारी रखने की मांग के उनके अधिकार को अस्वीकार करना नहीं है। वस्तुतः यदि उत्पाद का पाटन जारी रहने दिया जाए तो इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग का ह्रास होगा और मांग तथा क्षमता के बीच का अंतर और बढ़ जाएगा जैसा कि वर्तमान मामले में पहले ही स्पष्ट है, जहां याचिकाकर्ता को इस उत्पाद के अपेक्षाकृत प्रतिकूल निष्पादन के कारण पोटेशियम हाइड्रॉक्साइड के उत्पादन पर अधिक ध्यान देना पड़ा था।

(19) कुछ हितबद्ध पार्टियों ने नियमों के अंतर्गत खतरे की अपेक्षा का संदर्भ दिया है। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि करार के अनुच्छेद 3.7 के अंतर्गत सूचीबद्ध खतरे के मापदण्ड जब किसी निर्णायक समीक्षा पर लागू होते हैं तब उनपर मौजूदा शुल्क के संदर्भ में और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के निर्धारण की निर्धारित विधिक अपेक्षा के तौर पर विचार करना होता है। किसी निर्णायक समीक्षा में खतरे के मापदण्डों के निर्धारण की तुलना किसी नये मामले में खतरे के मापदण्डों के निर्धारण के साथ नहीं की जा सकती।

(20) क्षति रहित कीमत - जहाँ तक क्षति रहित कीमत से संबंधित कार्य प्रणाली के प्रकटन के तर्क का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति रहित कीमत के निर्धारण का प्रयोजन क्षति मार्जिन का निर्धारण होता है। प्राधिकारी पर यह दायित्व होता है कि वह इस बात का निर्धारण करे कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा। इसके अलावा, प्राधिकारी ने वर्तमान मामले में किसी विशेष रियायत/छूट के साथ क्षति रहित कीमत के निर्धारण की संगत पद्धति लागू की है।

(21) जहाँ तक इस टिप्पणी का संबंध है कि घरेलू उद्योग ने पोटेशियम हाइड्रॉक्साइड की अपनी बिक्री में जानबूझ कर वृद्धि की है और पोटेशियम कार्बोनेट की बिक्री में कमी की है। यह उल्लेखनीय है कि इस तथ्य से घरेलू उद्योग को उसके खुद के निर्णय के कारण संभावित मात्रात्मक क्षति का निवारण हो जाता है तथापि इससे इस मूलभूत मुद्दे का समाधान नहीं होता है कि क्या घरेलू उद्योग को बाजार में बेचे गए पोटेशियम कार्बोनेट की मात्रा के संबंध में कीमत संबंधी क्षति हुई है।

जहाँ भी अपेक्षित था, निर्यातक की टिप्पणियों को समुचित रूप से शामिल किया गया है। तदनुसार सामान्य मूल्य को *** अम0डा0 के रूप में परिकलित किया गया है। संशोधित सामान्य मूल्य को ध्यान में रखते हुए पाटन मार्जिन ***% बनता है।

10. वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आयातक) की टिप्पणियाँ

1. जहाँ तक घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित पोटेशियम कार्बोनेट में और विभिन्न देशों से आयातित पोटेशियम कार्बोनेट में रासायनिक संघटन का संबंध है उनमें कोई उल्लेखनीय अंतर नहीं है लेकिन घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित पोटेशियम कार्बोनेट के भौतिक गुणधर्म अर्थात् कणों का आकार, वितरण/खेदार रूप आदि वीडियोकॉन द्वारा विदेशी स्रोतों से आयातित पोटेशियम कार्बोनेट के गुणधर्मों के समान नहीं हैं। चूँकि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित पोटेशियम कार्बोनेट वीडियोकॉन की आवश्यकताओं को ढंग से पूरा नहीं करता है इसलिए वीडियोकॉन पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बाद भी विभिन्न देशों से पोटेशियम कार्बोनेट का आयात कर रहा है।

2. चूँकि घरेलू उद्योग के पास एक ही उत्पादन सुविधा में पोटेशियम कार्बोनेट अथवा कास्टिक पोटाश फ्लेक्स का उत्पादन करने की सुविधा/विकल्प मौजूद है अतः पोटेशियम कार्बोनेट की कमतर माँ की स्थिति में वे सहज रूप से कास्टिक पोटाश फ्लेक्स का उत्पादन कर सकते हैं और अपनी क्षमताओं का उपयोग कर सकते हैं। अतः भारत में किसी भी मात्रा में पोटेशियम कार्बोनेट के आयात से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुँचनी चाहिए।

3. वास्तव में वीडियोकॉन द्वारा पोटेशियम कार्बोनेट की खपत में क्रमिक रूप से कमी आ रही है क्योंकि वीडियोकॉन क्रमिक रूप से सीआरटी ग्लास पैनलों में पोटाश घटक प्राप्त करने के लिए अन्य विकल्प अपना रहा है ताकि वह अत्यधिक प्रतिस्पर्धात्मक तथा कठोर बाजार परिस्थितियों और आर्थिक मंदी के मद्देनजर अपना प्रयादन जारी रख सके। यह सही है कि भारत में औद्योगिक/इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों हेतु पोटेशियम कार्बोनेट का सर्वाधिक प्रयोग कैथोड रे ट्यूबों (सीआरटी) के विनिर्माण हेतु होता है। व्यापि एलसीडी टेलीविजन का निरंतर बढ़ता बाजार सीआरटी आधारित टेलीविजनों के उत्पादन से सीधी प्रतिस्पर्धा करेगा। आगामी समय में सीआरटी ग्लास के उत्पादन में कमी आएगी जिसके कारण सीआरटी उद्योग हेतु पोटेशियम कार्बोनेट की आवश्यकता कम हो जाएगी। अतः वीडियोकॉन द्वारा पोटेशियम कार्बोनेट के आयात की आवश्यकता धीरे-धीरे कम हो जाएगी। अतः वीडियोकॉन द्वारा पोटेशियम कार्बोनेट के आयात से घरेलू उद्योग को पाटन तथा क्षति में वृद्धि नहीं होगी।

4. वर्तमान स्थिति में सभी व्यवसायों के लिए यह अवसर मौजूद है कि वे अपने उत्पाद का विनिर्माण कर चाहे उसे देश में ही बेचे या जहाँ भी उन्हें कीमत तथा गुणवत्ता की दृष्टि से बेहतर

अवसर मिले, वहाँ उसका निर्यात करें। यह घरेलू उद्योग पर भी लागू होता है कि वे पोटेशियम कार्बोनेट का उत्पादन करके किसी भी अन्य देश को बेच (निर्यात) दें यदि उनके उत्पाद की देश के भीतर बिक्री नहीं हो रही है। इसका अर्थ यह है कि घरेलू उद्योग एक प्रतिस्पर्धी उत्पाद के विनिर्माण करने और उसे खुली बाजार स्थितियों में उतारने में सक्षम नहीं है। लागू पाटनरोधी शुल्क के बावजूद भारत में पोटेशियम कार्बोनेट का आयात जारी है क्योंकि घरेलू उद्योग गुणवत्ता तथा कीमत की दृष्टि से प्रतिस्पर्धी उत्पाद का उत्पादन करने के लिए अपना ईष्टतम प्रचालन जारी रखने में सक्षम नहीं है।

5. चूँकि समीक्षा जाँच की शुरुआत में स्वयं हमारे अतिरिक्त किसी अन्य आयातक/प्रयोक्ता ने कोई उत्तर नहीं दिया है और न ही कोई सूचना प्रस्तुत की है अतः ऐसा प्रतीत होता है कि पोटेशियम कार्बोनेट पर पाटनरोधी शुल्क जारी रहने की स्थिति में वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज के अतिरिक्त पोटेशियम कार्बोनेट का अन्य कोई आयातक/प्रयोक्ता प्रभावित नहीं होगा। भारत में सीआरटी उद्योग धीरे-धीरे सिमटता जा रहा है और एलसीडी टेलीविजन सीआरटी आधारित टेलीविजनों का स्थान ले रहे हैं। परिणामस्वरूप कुछेक वर्षों में भारत में सीआरटी उद्योग अपने अंत तक पहुँचने को बाध्य है। अतः यह उल्लेख करना उचित होगा कि ऐसी परिस्थितियों में उचित कीमत पर गुणवत्ता युक्त उत्पादों के उत्पादन में समर्थ बनने के लिए हमारे उद्योग को सभी संभव स्रोतों से सहायता अपेक्षित होगी।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

समान वस्तु के पहलू के संबंध में किसी निर्यातक द्वारा कोई विशिष्ट विवाद नहीं उठाया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मैं वीडियोकॉन ने अपने इस मत की आयातित वस्तु घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु के समान नहीं है और संबद्ध देश से आयात के कारण कोई क्षति नहीं हुई है। के समर्थन के तकनीकी साहित्य आदि के रूप में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है।

मै0 वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज लि0 द्वारा संबद्ध वस्तु की खपत में कमी पाटनरोधी शुल्क लागू न करने का औचित्य सिद्ध नहीं करती हैं।

अतः इस दावे का कोई आधार नहीं है कि घरेलू उद्योग गुणवत्ता तथा कीमत की दृष्टि से प्रतिस्पर्धी उत्पाद का उत्पादन करने के लिए अपना ईष्टतम प्रचालन जारी रखने में सक्षम नहीं है।

ज. अंतिम जांच परिणाम:

75. हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्कों, प्रदान की गई सूचना और किए गए अनुरोधों तथा हितबद्ध पार्टियों के अनुरोधों के जरिए अथवा उपर्युक्त जांच परिणाम में अन्यथा दर्ज की गई सूचना के अनुसार प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए और पाटन एवं क्षति की वर्तमान स्थिति तथा पाटन एवं क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति की संभावना के बारे में उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

(i) संबद्ध वस्तु भारतीय बाजार में पाटित कीमतों पर प्रवेश कर रही है और यूरोपीय संघ को छोड़कर संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु का पाटन मार्जिन काफी अधिक एवं न्यूनतम सीमा से ज्यादा है।

(ii) संबद्ध वस्तु के भारतीय बाजार में पाटित कीमतों पर आने की संभावना है और संबद्ध देशों से आयातों के संबंध में संभावित पाटन मार्जिन काफी अधिक और न्यूनतम सीमा से ज्यादा है।

(iii) वर्तमान उपाय समाप्त किए जाने की स्थिति में संबद्ध वस्तु के पाटित कीमतों पर भारतीय बाजार में प्रवेश करने की संभावना है।

(iv) यद्यपि घरेलू उद्योग की क्षमता, समस्त क्षति अवधि के दौरान लगभग स्थिर रही है, तथापि इस अवधि के दौरान उत्पादन, बिक्री एवं लाभप्रदता के रूप में उसके निपादन में गिरावट आई है और ई यू को छोड़कर संबद्ध देशों से लगातार किए गए पाटन के कारण घरेलू उद्योग की स्थिति नाजुक बनी हुई है। संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को अत्यधिक क्षति पहुँचाई जा रही है तथा कोरिया गणराज्य चीन जन गण तथा ताइवान (चीनी ताइपेई) से पाटन की संभावना तथा ई यू से पाटन की पुनरावृत्ति की संभावना घरेलू उद्योग के लिए बनी हुई है जिससे पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पर्याप्त क्षति होने का खतरा बन गया है। यदि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिया जाता है तो घरेलू उद्योग को हुई क्षति के जारी रहने और उसमें वृद्धि होने और उसकी पुनरावृत्ति हकी संभावना है।

झ. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

76. प्राधिकारी यह स्वीकार करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारत में उत्पाद के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं। तथापि, पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन की पद्धति द्वारा प्राप्त अनुचित

लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिलेगी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध वस्तु से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी। उपभोक्ता अभी भी आपूर्ति के दो से भी अधिक स्रोत बनाए रख सकेंगे।

77. सामान्यतः पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य पाटन की अनुचित व्यापार पद्धति द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में मुक्त एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की स्थिति जो देश के सामान्य हित में है, बहाल की जा सके। पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देश से आयात किसी भी रूप में प्रभावित नहीं होगा और इसके परिणामस्वरूप उपभोक्ताओं हेतु उत्पाद की उपलब्धता पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अ. सिफारिशें

78. इस आशय का निकर्ष निकालने के बाद कि घरेलू उद्योग की स्थिति नाजुक बनी हुई है और शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में संबद्ध देशों से आयातों के पाटन और उनके कारण होने वाली क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, प्राधिकारी की राय यह है कि संबद्ध देशों से आयातों के बारे में इस उपाय की अवधि को बढ़ाना अपेक्षित है।

79. लागू मौजूदा उपाय को समाप्त किए जाने की स्थिति में वर्तमान पाटन और आसन्नवर्ती पाटन की संभावना की जांच करने के बाद प्राधिकारी उसके द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-1, खंड-1, दिनांक 19.01.2004 में प्रकाशित तथा केन्द्र सरकार द्वारा दिनांक 20.02.2004 की अधिसूचना सं. 37/2004-सी.शु. के तहत अधिसूचित दिनांक 18.01.2004 के अंतिम जांच परिणाम संबंधी अधिसूचना सं. 14/42/2002-डी जी ए डी के तहत संस्तुत शुल्क को निरंतर जारी रखने की सिफारिश करते हैं।

क्र. सं.	टैरिफ मद	विवरण	विनिर्देश	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि (अन. डॉ.)	माप की इकाई
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	2836 4000	पोटेशियम कार्बोनेट	कोई विनिर्देशन	ताइवान	कोई	कोई	कोई	123.58	मी. टन
2.	2836 4000	पोटेशियम कार्बोनेट	कोई विनिर्देशन	* कोरिया गण., चीन जन. गण. और यूरोपियन संघ के कोई अतिरिक्त	ताइवान	कोई	कोई	123.58	मी. टन
3.	2836 4000	पोटेशियम कार्बोनेट	कोई विनिर्देशन	कोरिया गण.	कोरिया गण.	मै. यूनिड कं. लिमिटेड	कोई	9.45	मी. टन
4.	2836 4000	पोटेशियम कार्बोनेट	कोई विनिर्देशन	कोरिया गण.	कोरिया गण.	उपर्युक्त 3 के अलावा कोई भी युग्म	मै0 ओसीआई कार्पो., मै0 यूनिड कं. लि0	123.86	मी. टन
5.	2836 4000	पोटेशियम कार्बोनेट	कोई विनिर्देशन	कोरिया गण.	कोरिया के अतिरिक्त कोई भी	कोई	कोई	123.86	मी. टन
6.	2836 4000	पोटेशियम कार्बोनेट	कोई विनिर्देशन	** ताइवान, चीन जन. गण., यूरोपियन संघ और कोरिया गण. को छोड़कर अन्य कोई भी देश	कोरिया गण.	कोई	कोई	123.86	मी. टन
7.	2836 4000	पोटेशियम कार्बोनेट	कोई विनिर्देशन	चीन जन. गण.	कोरिया के अतिरिक्त कोई भी	कोई	कोई	90.03	मी. टन
8.	2836 4000	पोटेशियम कार्बोनेट	कोई विनिर्देशन	*** ताइवान, कोरिया गण. और यूरोपियन संघ के अतिरिक्त कोई भी देश	चीन जन. गण.	कोई	कोई	90.03	मी. टन
9.	2836 4000	पोटेशियम कार्बोनेट	कोई विनिर्देशन	यूरोपियन संघ	यूरोपियन संघ	मै0 डेगुसा, जीएमबीएच, जर्मनी	मै0 डेगुसा, जीएमबी एच, जर्मनी	17.18	मी. टन
10.	2836 4000	पोटेशियम कार्बोनेट	कोई विनिर्देशन	यूरोपियन संघ	यूरोपियन संघ	उपर्युक्त 9 के अलावा कोई भी युग्म	कोई	69.92	मी. टन
11.	2836 4000	पोटेशियम कार्बोनेट	कोई विनिर्देशन	यूरोपियन संघ	यूरोपियन संघ	कोई	कोई	69.92	मी. टन
12.	2836 4000	पोटेशियम कार्बोनेट	कोई विनिर्देशन	ताइवान, कोरिया गण., चीन जन. गण., और यूरोपियन संघ के अतिरिक्त कोई भी देश	यूरोपियन संघ	कोई	कोई	69.92	मी. टन

80 इस सिफारिश से केन्द्र सरकार के आदेशों के खिलाफ उत्पन्न हो सकने वाली कोई अपील अधिनियम के संगत उपबंधों के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क तथा सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 20th May, 2009

FINAL FINDINGS

Subject : Sunset Review Investigations in the matter relating to Anti-Dumping Duties imposed on imports of Potassium Carbonate originating in or exported from the European Union, Korea RP, China PR and Taiwan (Chinese Taipei).

No. 15/4/2008-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as Rules);

A BACKGROUND OF THE CASE

1. The Designated Authority had recommended imposition of Provisional Anti Dumping duty on imports of Potassium Carbonate (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from European Union, Korea RP, China PR and Taiwan (Chinese Taipei) (hereinafter referred to as subject countries) falling under Sub-heading 2836.40.00. The Preliminary Findings were published vide Notification No. 14/42/2002-DGAD dated 30th April, 2003 and provisional duty was imposed on the subject goods vide Customs Notification No. 91/2003-Customs dated 10th June, 2003. The Designated Authority had come out with Final Findings vide Notification No. 14/42/2002-DGAD dated 16th January 2004 and definitive anti dumping duties were imposed by the Central Govt vide Customs Notification No 37/2004 dated 20th February, 2004. The duties were extended by the Central Govt. vide Notification No. 76/2008-Customs dated 11th June 2008.

2. The Designated Authority initiated the sunset review investigation of anti-dumping duty imposed on imports of Potassium Carbonate originating in or exported from subject countries following a request to this effect by the Domestic Industry M/s Gujrat Alkalies & Chemicals Limited, Vadodra. The request was based on the grounds that the expiry of the measures would be likely to result in a continuation or recurrence of dumping and/or injury to the domestic industry. The petitioner claimed with prima facie evidence that cessation of anti dumping duty imposed on subject goods from these

countries is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury and have requested for continuation and enhancement of the anti dumping duty imposed on subject goods from subject countries for a further period of five years.

3. Having satisfied on the basis of the positive evidence submitted by the domestic industry substantiating the need for a review, the Authority initiated sunset review vide notification no. 15/4/2008-DGAD dated 21.05.08 in accordance with Section 9A(5) of the Act, read with Rule 23 of Anti -dumping Rules, to review the need for continued imposition of duties in force and whether the expiry of the duty would be likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury.

B. PROCEDURE

4. The procedure described below has been followed with regard to this investigation:

- i) *After initiation of the review investigation, the Authority notified the domestic industry, all known exporters/producers in the subject countries and known importers, calling for questionnaire responses and necessary information in accordance with Rule 6(4);*
- ii) The Embassies of the subject countries in New Delhi were also informed about the initiation of the investigation, in accordance with Rule 6(2), with a request to advise the exporters/producers in their respective countries to respond to the questionnaire within the prescribed time.
- iii) The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information, to the following known exporters from subject countries.
 - a) EVONIK DEGUSSA GMBH, GERMANY
BENNIGSENPLATZ 1
40474 DÜSSELDORF
GERMANY
 - b) HENAN CHINAORIGINATOR TRADING CO. LTD.
ZHENGZHOU,
HENAN,
CHINA
 - c) TIANJIN XINYUAN INTERNATIONAL TRADING CO., LTD.
TANGGU DISTRICT,
TIANJIN, CHINA
 - d) TAIWAN PULP AND PAPER CORPORATION
10TH FLOOR, NO 96, SEC. 1

CHIEN KUO ROAD
TAIPEI
TAIWAN (Chinese Taipei)

- e) UNID CO.
17th, ORIENTAL CHEMICAL BLDG.,
50, SOKONG-DONG,
CHUNG-GU, SEOUL,
KOREA RP

iv) Following exporters from the respective subject countries have responded to the Designated Authority with prescribed questionnaire response.

M/s.Evonik Degussa GmbH, Germany– Germany

M/s. Unid Co. - Korea RP

v) No exporter from Taiwan (Chinese Taipei) and China PR has responded. Such being the case, the Authority considered the exporters/producers who have not responded as non-cooperative and decide the matter as per Rule 6(8).

vi) The period of investigation for the purpose of the present review is 1st Jan 2007 to 31st Dec 2007 (12 months). However, injury analysis covered the years April'2004-March'2005, April'2005-March'2006 and April'2006-March'2007.

vii) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, and the period of investigations. The required information has been received from the DGCI&S.

viii) The cost and injury information for injury investigation has been submitted M/s. Gujarat Alkalies & Chemicals Limited.

ix) A copy of initiation notification along with the importers questionnaire was also sent to the following known importers and users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4);

M/s.Aurobindo Pharma Ltd 2, Maithri Vihar Behind Maithri Vanam Ameerpet, Hyderabad	M/s.Videocon International Ltd Mittal Court Nariman Point Bombay
M/s.Videocon Narmada Glass	M/s.Tanfac Industries Ltd No.14, SIPCOT

Division of Videocon Intl Ltd Chavaj Bharuch - 392 002	Industrial Complex Kudikadu Post
M/s.Anus Labs Ltd 17 Chilakamarri Village Andhra Pradesh - 509 216	M/s.Vorin Labs Ltd S.D.Road Secunderabad Medak
M/s.Gujarat Insecticides Ltd 805/806 GIDC Industrial Estate Ankleshwar-393 002, Gujarat	M/s.ICI India Ltd Ennore Works P.O.Box-5, Ennore Express Highway Ernavoor PO, Madras - 600 057
M/s.KDL Biotech Ltd Parijat House, 1076 Dr.E.Moses road Worli Bombay - 400 018	M/s.Bharat Jyoti 22, S.Gandhi Marg Princess Street Bombay - 400 002
M/s.National Organic Chemicals Ltd Rubber Chemical Division C-37, TTC Industrial Area, Thane Belapur Road Thane - 400 975	M/s.Bio Chemical Synthetic Products Sanath Nagar Hyderabad - 18
M/s.Glochem Industries Ltd Flat No.217, Bhanu Enclave Sundar Nagar Beside ESI Hospital Hyderabad - 500 038	M/s.APL Chemi Naatural Ltd 301, Nilgiri Block Aditya Enclave Ameerpet Hyderabad - 500 038
M/s.Baker Hughes Singapore Pvt Ltd No.621, Midas Sahr Plaza Kodivita M.V.Road Andheri East Bombay	M/s.Keerthi Bangalore Pvt Ltd No.31, J.C.Road Bangalore

M/s.MFPL Fluorine Products Ltd 266, Express Highway Opp.SPIC Heavy Chemicals Manali Madras - 600 068	M/s.Ranbaxy Labs Ltd Devika Tower 10th Floor 6, Nehru Place New Delhi - 110 019
M/s.Amoli Organics Ltd 407 Dalamal House Jamnalal Bajaj Road Nariman Point Bombay - 400 021	M/s.Recon Ltd 16/2, OVH Road Basavanagudi Bangalore - 560 004
M/s.Alpha Drugs India Ltd 1st Floor, S.C.O. 18 Sector-26, Madhya Marg Chandigarh - 160 019	M/s.S.D.Fine Chem Ltd 315-317, T.V.Indl. Estate 248 Worli Road Worli Bombay - 400 025
M/s.Bayer India Ltd Chemicals Division 749, Aannasalai Post Box No.2420 Madras - 600 002	Dr.Reddy's Lab Ltd 7-1-27 Ameerpet Hyderabad - 500 016
M/s.C.J.Shah & Co 105, Bajaj Bhavan 10th Floor Nariman Point Bombay - 400 021	M/s.Tribology India Ltd 1, Smith Road Madras - 600 002
Chemi Care 14, Devkaran Niwas 283, Samuel Street Vadgadi Bombay 400003	Daurala Organics Ltd 22-B, Himalaya House 2nd Floor, 23 Kasturba Gandhi Marg New Delhi 110001
Deepak Nitrite Ltd 4/12, Gidc Chemical Complex, Nandesari	Eskay Fine Chemicals Mehta Mahal, Ground Floor 15, Mathew Road

Gujarat 391340	
Ficom Organics Ltd 162, Maker Chamber III, 15th Floor 223, Nariman Point, Bombay 400021	Hikal Ltd 603-A, Great Eastern Chambers, 6th Floor, Sector 11, CBD-Belapur New Bombay 400614
ICI India Ltd (Paints Business) ICI House, 34, Chowringhee Road, Kokatta.	Ipca Labs Ltd. Ipca House 63 E, Kandivili Indl Estate Kandivili West Bombay 400067
Kantilal Manilal & Co. Pvt. Limited Apeejay Chmbs, Wallace Street GPO, Bombay 400 001	La Opala Rg Ltd 230-A, A J C Bose Road, Calcutta
Novartis Enterprises P Ltd Shivsagar Dr A B Road Worli, Bombay 400 018	Oswal Chemicals 1431, Ganesh Dehla, Opp Fulpura, Madhupura, Ahmedabad 380004
Pandesara Industries P Ltd Survey No 80 Bhestan Gidc, Pandesar, Surat, Gujarat 394 221	Rishi Chemical Works P Ltd. 56/1, Biplabi Rash Behari Basu Rd, Room No.D-23, Calcutta 700001
Samcor Glass Ltd 52, Community Centre, New Friends Colony, New Delhi 110065	Sudarshan Chemical Indust Ltd Nariman Bh, Nariman point Bombay 400 021
Sun Pharmaceutical Industries Ltd	Tonira Pharma Ltd 301, Yogi Complex 44,

Acme Plaza, Andheri Kurla Rd Opp Sangam Cinema Andheri East, Bombay 400059	Sampatrao Colony Alkapuri Baroda 390005
M/s Aarti Drugs Ltd., 18-A, Krishna Niwas Road No.1, Scheme No. 6 Sion East Mumbai	

x) Except M/s Videocon Industries Ltd., (Narmada Glass Division), Bharuch, no other importer/user has responded and submitted information.

xi) The Authority verified the information furnished by the domestic industry to the extent considered necessary to examine the injury suffered and to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the applicants so as to ascertain if Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry;

xii) The Authority held a public hearing on 24th Mar. 2009 to hear the interested parties orally, which was attended by representatives of domestic industry, exporter of the subject goods from European Union and Korea RP and other interested parties.

(xiii) The Authority has considered all views expressed and submissions made by various interested parties to the extent they are relevant for the present investigation.

(xiv) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.

(xv) In accordance with Rule 16 of the anti-dumping Rules, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to the known interested parties and comments received on the same have been duly examined and incorporated in the final findings.

(xvi) Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has granted confidentiality, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other

interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.

(xvii) Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigations, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded these findings on the basis of the facts available.

(xviii) The Authority issued a detailed disclosure statement on 14th May, 2009 giving thereby essential facts under consideration and views expressed thereon have been duly incorporated in the present final findings.

(xix) *** in the final findings represents information furnished by interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND 'LIKE ARTICLE'

C.1 Views Of The Domestic Industry

5. Following issues have been raised by the domestic industry with regard to product under consideration and like article:

(i) Since the present investigation is a review investigation, product under consideration remains the same as has been defined in the original investigation. There has been no significant development in the product over the period.

(ii) The goods produced by the domestic industry are like article to the imported product.

C.2 Views of the importers, consumers, exporters and other interested parties

6. None of the exporters, importers, consumers and other interested parties have disputed with regard to the nature of the subject goods that are exported to India from the subject countries and those being manufactured by the domestic industry.

C.3 Examination By The Authority

7. The product under consideration is "Potassium Carbonate" with chemical formula K_2CO_3 . It is a white, deliquescent, inorganic compound, available in powder and granule form, which is soluble in water and insoluble in alcohol. The product is classified under Custom Tariff Heading 28.36.40 and 28.36.40.00 under Indian Customs Tariff Classification. The

classification is, however, indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation. There is no significant difference in the Potassium Carbonate produce by the domestic industry and that exported from the subject countries which can have an impact on price. The Potassium Carbonate produced by the domestic industry and exported from the subject countries are comparable in terms of characteristic such as physical and chemical characteristics, manufacturing technology, functions and uses, products specifications and tariff classifications. The two are technically and commercially substitutable. Therefore, the Authority holds that the product being manufactured by the domestic industry and the product being manufactured and exported from the subject countries are like article as per Rule 2(d) of Anti-Dumping Rules.

D. Standing and scope of the Domestic Industry

D.1 Views Of the Domestic Industry

8 (i). In the original investigations, M/s Gujarat Alkalies & Chemicals Limited had filed the petition before the Designated Authority and Standard Alkalies had supported the petition. In the present investigation also M/s Gujarat Alkalies & Chemicals Limited has filed the application. However, M/s. Standard Alkalies has suspended production and not produced product during the investigation period.

ii. There is one more producer M/s. Sree Rayalseema Alkalies who have created capacity for production of product concern and commenced commercial production. But their production is quite insignificant compared to the petitioner company.

iii. M/s. Sree Rayalseema Alkalies is silent on the issue of support or opposition to the petition and the investigation.

iv. Production of the petitioner constitutes a major proportion of total Indian production and they account for more than 50% of the total Indian production.. The Designated Authority is therefore requested to consider the petitioner companies as the "domestic industry" within the meaning of the Rules.

D.2 Views of the Importers, Consumers, Exporters and Other Interested parties

9. None of the importers, consumers, exporters and other interested parties has disputed the standing of the petitioner company as the domestic industry.

D.3 Examination by the Designated Authority

10. As per the petition filed by the domestic industry there are two known producers of the subject goods in the country namely M/s Gujrat Alkalies &

Chemicals Ltd. and Sree Rayalseema Alkalies Ltd. The Authority takes note of arguments raised by the domestic industry regarding continued injury to the domestic industry. These arguments have been taken into account while analyzing the injury to the domestic industry, threat of continuation of dumping and injury to the domestic industry. There is no import by domestic industry during the period of investigation. The Authority also holds that standing is not required to be established in a sunset review. The application has been made by or on behalf of the domestic industry. However, as per the available information furnished by the domestic industry, their total production of the subject goods accounts for more than 50% percent of the total domestic production.

E. Dumping Determination

E.1 Views of the Domestic Industry:

11 (i). Since the exporters have not furnished the response in part II of the exporter questionnaire meant for SSR investigations, the likelihood of dumping can not be fully examined by the Designated Authority.

ii) M/s Degussa GmbH, Germany has no exports of the product under consideration to India during the period of investigation. However, likelihood of dumping should be determined on the basis of the price at which the company has been exporting to third countries, the volume of third countries exports above and below normal value and the price at which the exporter is likely to sell the product in the Indian market.

iii) Since it cannot be established that dumping is unlikely to recur in the event of revocation of anti dumping duties, there is no justification in revocation of anti dumping duties in case of the EU.

iv) Since both M/s OCI and M/s Itochu of Korea RP have not responded to the Authority, questionnaire response cannot be considered sufficient for the purpose of determination of dumping margin.

v) M/s UNID Co. Korea is a multi product company. Allocation of costs on various products need be examined in detail.

vi) KOH is captively sourced. Transfer price is required to be examined in detail, for which cost of production and selling price of KOH should be examined in detail and higher of the two should be considered as transfer price.

vii) Chlorine is generated in KOH production process, treatment of which needs be examined.

- viii) Consumption factors of raw material and utilities need be examined.
- ix) Since, the normal value cannot be determined on the basis of information provided by the responding exporters, the same may be determined on the basis of information provided by the domestic industry.
- (x) The normal value in China PR being a non-market economy may be determined on the basis of (a) price in India, and (b) cost of production in India, duly adjusted, including selling, general and administrative expenses and profit by taking India as surrogate country as per Rules.
- xi) Where exporters are exporting significant volume despite anti-dumping duty, it is obvious that dumping would recur and domestic industry will be injured in the event of revocation of duty.

E.2 Views of the Exporters/Importers/Other interested parties

12. Excepting M/s Degussa, Germany and UNID Co., Korea RP no other exporter from any other country has responded. The following views have been submitted by M/s Degussa, Germany regarding dumping determination:

- i) Since there are four major grades of Potassium Carbonate such as granular, hydrate, compacted and powder, separate injury analysis is required.
- ii) Export price for the EU should be determined using third country prices.
- iii) M/s Evonic did not export the subject goods during the POI but exported the same to other countries.
- iv) Third country prices may be accepted for determining likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury.
- v) Dumping and injury do not exist on account of subject exports from EU, therefore, the Authority should reach negative final determination with regard to the likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury.
- vi) Fall in the domestic industries production and sales are not due to dumped imports. The same is rather due to change in production priorities by the domestic industry due to increase in the market demand for caustic potash flakes. Any injury caused by the fall in the Potassium carbonate production was self inflicted and not due to dumped imports.

13. The following views have been submitted by M/s UNID Co., Korea RP regarding dumping determination.

i) Both the producer and the exporter had participated in the original investigation and have also co-operated in the present investigation. Since both the parties are related, submission of separate exporters questionnaire not necessary.

ii) The petitioners opinion that caustic potash is captively produced by the producer and therefore, the prices at which the same is consumed in the production of the subject goods should be at arms length may not be accepted.

iii) The domestic industry has curtailed the production of the subject goods and diverted the capacities of Potassium carbonate to produce the caustic potash during the POI due to increase in demand for caustic potash and not due to dumping.

iv) One of the key uses of Potassium Carbonate is for manufacturing of cathode ray tube (CRT). Due to decrease in demand for CRT and consequent decrease in production of the subject goods in India, the industrial users have preferred to import the subject goods from viable sources including Korea. Thus, the allegation of voluminous increase of import from the subject countries should not be linked to dumping & injury.

v) The reasons for lower production and sales by the domestic industry are clearly linked to better realisation from caustic potash. Therefore, no causal link exists between the imports from Korea RP and alleged injury to the petitioners.

vi) The injury analysis should be conducted for the domestic industry as a whole comprising of the petitioner and the two other domestic producers i.e. M/s Rayalseema Alaklies & Allied Chemicals Ltd. and M/s Standard Alkalies.

vii) The petitioner has deliberately suppressed production of the subject goods due to demand of the caustic potash flakes in the market. The other producers such as Sree Ryalaseema Alkalies has shown a mammoth growth in the production of the subject goods from 1200 Mt in 2006-07 to 2500 Mt during POI.

viii) Due to suppression of production by the petitioner the domestic users are forced to import the subject goods from other avenues. Therefore, to fill up the gap between the demand and production of the domestic industry, the import from Korea RP has been increasing.

ix) All the injury parameters show that there is no material injury due to alleged imports from the Korea RP. The injury to the domestic industry, if any,

is self inflicted injury caused by deliberate suppression of production of subject goods to meet the market demand for caustic potash flakes.

14. As far as views of importers and other interested parties are concerned, except M/s Videocon Industries Ltd. (Videocon Namada Glass Division), Bharuch, Gujrat, response has not been received from any other quarter. However, no specific views regarding dumping determination has been received from M/s Videocon Industries Ltd. as well.

E.3 Examination by the Authority

15. Under section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:
- (i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or
 - (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either
 - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

NORMAL VALUE

European Union

16. Normal value is the price of like article in the domestic market of exporting country. Authority notes that exporter M/s. Degussa GmbH, Germany has furnished information with regard to sales of product concern in the domestic market of exporting country. The company has not furnished information in Appendix 2 as there are no exports of product concern to India during the POI. The company has however, furnished information relating to exports to third countries. Authority notes that in Appendix 7 & 8 company have not allocated interest cost to product and only interest income is shown in Appendix 7. Authority has therefore, added interest cost as per information furnished by the company in the cost of production and cost of production so determined is compared with the transaction-wise sales made in the domestic market. Authority notes that *** % sales in the domestic market is above cost.

Therefore, normal value is determined on the basis of profitable sale in the domestic market in the exporting country. Normal value so determined comes as under:

Total sales in domestic market	MT	***
Total net sales value in domestic market	Euro	***
Profitable Sales in Domestic Market	MT	***
Profitable Sales in Domestic Market as % of total sales	%	***
Value of Profitable volume	Euro	***
Therefore normal value	Euro/MT	***
Exchange Rate (1 Euro = 1.37 US\$)		***
Normal value in USD	USD / MT	***

Others (EU)

17. Normal value for others in EU is determined as US\$ *** per Mt i.e. same as calculated in respect of the co-operating exporters.

Korea RP

18. Authority observes that M/s. Unid Co has furnished information with regard to sales of product concern in the domestic market of exporting country, which was verified by the Designated Authority. The company has also furnished information in Appendix 2 as also other Appendices relating to cost of production. Domestic sales of the company is compared with the cost of production and adjustments is claimed account of Ocean freight, Insurance, banking expenses, document fees, commission paid and packing expenses, are allowed. Company is maintaining process wise costing and as per the production process, Chlorine is generated in the KOH 30% production process. Total expenses at the KOH 30% stage have been apportioned by company to KOH 30% and Chlorine on the basis of unit cost method. The Authority, however, proposes to consider the sales value of chlorine and credit the same to total cost of KOH 30%. On the basis of above, revised cost of production of KRW *** per Mt for the subject goods were calculated and on application of 80-20 test, authority notes that *** % sales in the domestic market is above cost. Therefore, normal value is determined on the basis of sale price in the domestic market. Normal value so determined comes to US\$ ***/Mt as under:

Total transactions for sales in domestic market	Nos.	***
Cost of production per unit	US\$/	***

	Mt	
Total quantity of sales in domestic market to unaffiliated customers	Mt	***
Total quantity of sales in domestic market to affiliated customers	Mt	***
Total quantity of sales in domestic market	Mt	***
Profitable sales volume to unaffiliated customers	Mt	***
Profitable sales value to unaffiliated customers	USD	***
Average price of all sales in the domestic market to unaffiliated customers	USD/ Mt	***
Average price of profitable sales in the domestic market to unaffiliated customers	USD/ Mt	***
Exchange Rate (from KRW to USD)		***
Normal value	USD	***

Others (Korea)

19. Normal value in case of other exporters in the Korea RP is proposed to be taken as US\$ *** /Mt. as the one determined for the co-operating exporter.

TAIWAN (Chinese Taipei)

20. None of the exporters/producers from Taiwan (Chinese Taipei) has responded to the initiation notification and provided information in the form and manner prescribed. Therefore Authority proposes to rely upon the facts available as per Rule 6(8) of the Anti-dumping Rules to determine the normal value. The Authority proposes to construct normal value on the basis of the consumption norms of the domestic industry and international prices of the raw material. Conversion cost of the domestic industry and reasonable profit (excluding interest) has been added to arrive at the constructed normal value for the country. Accordingly, the normal value at ex-factory level has been worked out as US\$ *** per MT

China PR

21. None of the exporter/producers from China has responded and furnished information to Authority and claimed MET treatment. Petitioner has

proposed India as surrogate country. No comments have been filed by any party opposing claim of the petitioner. Authority therefore, proposes to determine normal value on the basis of other reasonable method as per Rules. Normal value for China so determined comes to USD ***

EXPORT PRICE

European Union

22. With regard to export price, Authority observes that the cooperating exporter has not made any exports to India during POI. Export price, is therefore, determined on the imports made from EU to India as reported by DGCI&S. Adjustments are made on account of Ocean freight, Insurance, Inland Freight, Port Charges, Bank Commission etc. as given in Table below. Accordingly, net export price so determined comes as USD *** per MT as given below:

Particulars	Unit	Price/MT (DGCI&S)
Export Price CIF	Rs/MT	***
Exchange rate	1USD	***
Export Price CIF	USD/MT	***
Ocean Freight	USD/MT	***
Marine Insurance 0.5%	USD/MT	***
FOB Export Price	USD/MT	***
Inland Freight - 1%	USD/MT	***
Port Expenses - 0.5%	USD/MT	***
Bank Charges - 0.5%	USD/MT	***
Net Export Price	USD/MT	***

KOREA RP

23. With regard to export price, authority notes that the exporter (OCI Corp.) has made *** Mt transactions to India in the POI, CIF export price of which comes to USD *** per MT. Adjustments are claimed on account of ocean freight, insurance, packing expenses, commission etc. as given in table below, which are allowed. Net export price so determined comes as USD *** per MT

Particulars	Unit	Price/MT
Export Price CIF	Rs/MT	***
Exchange rate	1USD	***
Export Price CIF	USD/MT	***
Ocean Freight	USD/MT	***
Marine Insurance	USD/MT	***
FOB Export Price	USD/MT	***
Inland Freight – C.70%	USD/MT	***
Document fee (Wharfage, THC etc.)	USD/MT	***
Bank Charges	USD/MT	***
Commission	USD/MT	***
Packing Expenses	USD/MT	***
S & D Expenses	USD/MT	***
Net Export Price	USD/MT	***

24. Authority also observes that the company is exporting product to India through traders. Since no adjustments are claimed on account of selling expenses incurred by traders, appropriate adjustments have been made on these account from export price.

OTHERS (KOREA RP)

25. With regard to export price for others in Korea RP, Authority proposes to consider the lowest net export price of the co-operating exporters, which comes to US\$ *** per Mt. as the net export price.

TAIWAN (Chinese Taipei)

26. None of the exporters from Taiwan (Chinese Taipei) has responded to the initiation notification and provided information in the form and manner prescribed. Domestic industry has provided the details of the price at which goods were imported during the investigation period. None of the other interested parties has provided any other information which can be used for determination of export price. In absence of information in the prescribed format, the Authority proposes to rely upon the facts available as per Rule 6(8) of the Anti-dumping Rules to determine the export price. Accordingly, the data reported by the DGCI&S for imports from Taiwan (Chinese Taipei) has been relied upon to determine weighted average import price. Since this price is at CIF level, adjustments have been made on account of ocean freight, overseas insurance, inland freight, port expenses, and bank charges to determine ex-factory export price. The ex-factory export price has been determined as US\$ *** per MT as follows:

Particulars	Unit	Price/MT
Export Price CIF	Rs/MT	***
Exchange rate	1USD	***
Export Price CIF	USD/MT	***
Ocean Freight	USD/MT	***
Marine Insurance 0.5%	USD/MT	***
FOB Export Price	USD/MT	***
Inland Freight - 1%	USD/MT	***
Port Expenses - 0.5%	USD/MT	***
Bank Charges - 0.5%	USD/MT	***
Net Export Price	USD/MT	***

27. With regard to export price, Authority observes that on the basis of the data of DGCI&S, *** Kg of PUC has been exported to India from Taiwan at CIF price of USD *** per Mt. during POI. Adjustments on account of ocean freight, insurance, packing expenses, commission etc. have been considered to arrive at the net export price. Net export price so determined comes as USD *** per MT

CHINA PR

28. With regard to export price, Authority observes that on the basis of the data provided by DGCI&S, *** Kg of PUC were exported to India. The CIF export price from China PR to India, as per DGCI&S data comes to USD *** per MT. Adjustments on account of ocean freight, insurance, packing expenses, commission etc. have been considered to arrive at the net export price. Net export price so determined comes as USD *** per MT as follows:

Particulars	Unit	Price/MT
Export Price CIF	Rs/MT	***
Exchange rate	1USD	41.36
Export Price CIF	USD/MT	***
Ocean Freight	USD/MT	***
Marine Insurance 0.5%	USD/MT	***
FOB Export Price	USD/MT	***
Inland Freight - 1%	USD/MT	***
Port Expenses - 0.5%	USD/MT	***
Bank Charges - 0.5%	USD/MT	***
Net Export Price	USD/MT	***

E.4 Dumping Margin

29. The normal values determined at the ex-factory level has been compared with the respective net export prices determined at the ex-factory level and the dumping margins have been determined by the Authority as follows:

Dumping Margin Calculations	Normal Value US\$/MT	Export Price US\$/MT	Dumping Margin	Dumping Margin %
Degusa (Germany)	***	No Exports	---	---
All other Exporter / producer from European Union	***	***	***	-4.83
Unid Co, Korea RP	***	***	***	4.40
All other Exporter / producer from from Korea RP excluding above	***	***	***	24
All Exporter / producer from China	***	***	***	10.12
All Exporter / producer from Taiwan (Chinese Taipei)	***	***	***	17.76

30 From the above table the Authority observes that the current dumping margins from the EU is negative and in case of Korea RP, China PR and Taiwan (Chinese Taipei) dumping margin is found to be above de minimis.

E.5. Likelihood of continuation or recurrence of dumping**Views of the Domestic Industry**

31 (i) Present investigation is for review, continued imposition and enhancement of anti dumping duty against the dumped imports of Potassium

Carbonate from European Union, China PR, Taiwan (Chinese Taipei) and Korea RP. Earlier, based on petition filed by the domestic industry, Designated Authority initiated investigations and recommended imposition of anti dumping duty. Taiwanese producers had given price undertaking, which was accepted by the Designated Authority and accordingly no anti dumping duty was imposed on exports made by the company. Subsequently, domestic industry pointed out that Taiwanese producer has violated price undertaking and domestic industry had requested the Designated Authority to revoke the undertaking and impose anti dumping duty. After detailed investigations, the Designated Authority found that the price undertaking was violated and same was terminated and anti dumping duties imposed.

ii). In spite of imposition of anti dumping duty, imports of the product have continued from the subject countries even after imposition of anti dumping duties. Dumping is therefore likely to continue in the event of revocation of anti dumping duties.

iii). Despite anti-dumping duty on product concern, dumping continued from the subject countries. 'Given the volume and the prices at which the goods have been exported to India in spite of existence of anti-dumping duty, it is likely that volume of import would further increase in case anti-dumping duties are withdrawn.

iv). Landing price of imports is significantly below the net sales realization of the domestic industry. Imports are undercutting the prices of domestic industry to a significant extent. Should the present duty be revoked, the extent of price undercutting would further increase.

v). Further, the performance of domestic industry was already adverse during the period under consideration and it is likely that revocation of anti-dumping measure would result in intensified injury to the domestic industry.

E.6 Termination by the Authority

32. In order to determine whether the continued imposition of the duty is necessary to offset dumping, the Authority considered the following parameters: -

➤ Wherever exporter has co-operated, dumping margin has been determined on the basis of information provided.

➤ Wherever exporter has co-operated but did not make any export during POI, DGCI&S data has been relied upon for determining dumping margin.

➤ Wherever exporter has not co-operated, for the purpose of determining dumping margin, DGC&S data has been relied upon.

33. On examination of these factors it is observed that;

(a) The dumping margins are above de minimis in case of China, Taiwan (Chinese Taipei) and Korea RP whereas in case of EU the same is found to be negative.

(b) Export price from China PR, Taiwan (Chinese Taipei) and Korea RP are significantly below not only the normal value but also the prevailing selling prices in India and non injurious price determined for the domestic industry;

(c) In case of co-operating exporters from Korea RP and EU (Germany), available data shows that the price at which the material is being exported to countries other than India is a dumped price. Further, the responding exporter has significant unutilized capacity. Therefore, it cannot be said that there is no likelihood of dumping in case of revocation of duty.

(d) The examination of dumping during the POI and likelihood of dumping indicates that the dumping margins in respect of subject goods, exported from subject countries, are significant.

(e) *The Co-operating exporter from EU has exports to third countries during POI which is observed to be at dumped prices. Moreover, they have substantial surplus production capacity. Considering the demand in India, their surplus production capacity and their exports to third countries at dumped prices. It is likely that they may once again dump the subject goods in India in the event of revocation of the anti dumping duty.*

(f) *As far as imports from Korea RP is concerned dumping has continued despite imposition of anti dumping duty. The decline in the demand for the subject goods in the international market as well as Korean market and continuing substantial demand in the Indian market make the Indian market attractive for the Korean exporters. Moreover, the co-operating producer has substantial surplus production capacity. In the event of revocation or reduction of the anti-dumping duty in all likelihood the dumping from Korea RP may continue and intensify further.*

(g) *Although, the exporters from Taiwan (Chinese Taipei) and China PR do not have substantial export to India during POI, the DGC&S data shows that imports have continued from these countries at dumped prices. In the event of revocation or reduction of anti dumping duty the dumping of the subject goods by these countries may continue and intensify further.*

(h) *The major usage of the subject goods is to manufacture the Cathode Ray Tubes (CRT). Unlike the developed countries, the Indian market still has a*

substantial demand for the CRT due to high cost of LCD. In the event of revocation or reduction of anti dumping duty, the demand for the subject goods in India may lead to recurrence & intensification of dumping and injury from the subject countries.

F. INJURY AND CAUSAL LINKS DETERMINATION

F.1 Views of the Domestic Industry

34. The domestic industry, in its submissions has inter alia argued as follows:

i) Imports from subject countries increased over the period in absolute terms and also in relation to imports into India, demand and production in India

ii) Imports from subject countries have shown an increase during the injury period, resulting in increase in market share of dumped imports and decline in the market share of the domestic industry over the injury period

iii) The dumped imports show adverse volume effect inspite of existing anti dumping duties. Such being the case, the only inescapable conclusion can be that injury is likely in the event of revocation of anti dumping duties

iv) Import prices (after including basic customs duties) have been below the net sales realization of the domestic industry, thus resulting in significant price undercutting

v) The extent of price undercutting is higher, once all taxes & duties are considered on the domestic and imported product.

vi) Even though selling prices of the domestic industry increased, the increase in selling price is significantly lower than the increase in cost of production. Thus, the imports are significantly suppressing the prices of the domestic industry in the market.

vii) Production, sales, capacity utilization and productivity of the domestic industry declined. Decline in production and sales of the domestic industry is due to the fact that the imports from subject countries were cheaper than the prices offered by the domestic industry

viii) Petitioner has provided information relating to production & capacity utilization of caustic potash. Further, petitioner has provided information for the more recent period upto Dec. 2008. Above all, petitioner maintains separate financial information in respect of KOH/K₂CO₃ group of product of the company. The profits of this group itself declined significantly between 2003-04 and 2007-08, thus clearly establishing that for the entire group itself performance has deteriorated

ix) After imposition of anti dumping duties in 2001, domestic industry improved its profitability in 2004-05. The performance however, deteriorated

significantly thereafter due to dumping of subject goods. Profitability deteriorated further in the period of investigation

x) Deteriorated situation of profitability directly affected cash profits and return on investment. Profitability of the domestic industry deteriorated from a situation of profits to financial losses. Consequently, cash profits and return on investment situation also deteriorated to a situation where both became negative

xi) Profitability (and consequently return on investments and cash flow) of KOH group of products of the company declined steeply over the injury period.

xii) The market share of the domestic industry in relation to demand declined significantly. On the other hand, market share of subject imports increased significantly

xiii) There is direct co-relation between increase in share of dumped imports and loss of market share by domestic industry

xiv) The imports were undercutting the prices of the domestic industry significantly, and the selling price of the domestic industry increased in absolute term. The cost of production also increased significantly, the increase in the cost of production being far higher than increase in the selling price. Thus, imports were preventing price increases that would have occurred but for dumped imports

F.2 Views of the exporters, importers, users & other interested parties

European Union

35. Following are the views submitted by M/s Degussa, Germany:

i) Separate injury analysis is required for each grade of potassium Carbonate i.e. Granular, Hydrate, compacted and powder.

ii) Export prices should be determined using third country prices.

iii) Dumping and injury do not exist on account of subject exports from EU.

iv) Alleged injury to the petitioner is self inflicted and not due to the imports from EU.

v) Fall in the domestic industries market share is not due to imports from the EU but rather due to increase in imports from other countries and increase of the production by other Indian producers.

Korea RP

36. Following are the views submitted by M/s UNID Co,

i) The domestic industry has curtailed production of the PUC during the injury period and diverted the capacities to produce caustic potash within the same plant to meet increase in market demand.

ii) The allegation of the voluminous increase of imports from the subject country may not be linked to injury and the same is attributable purely to demand and supply mechanics.

iii) There is no causal link between the imports from the subject countries and the alleged injury to the petitioner.

iv) Injury analysis should be conducted as a whole comprising of the petitioner and the other domestic producers.

v) The exporters/producers of the subject country have not involved in the act of dumping in India and therefore, there is no material injury to the domestic industry due to imports from the subject countries.

vi) The injury to the domestic industry is self inflicted due to diversion of production capacity of the subject goods to the caustic potash flakes to meet the increase in market demand for the later.

37. No views has been submitted by any other interested parties with regard to injury and causal link.

F.3 Examination by the Authority

38. The Authority has taken note of various arguments raised with regard to injury to the domestic industry and observes that the current dumping margins from the subject countries, except EU, are above *de minimis* level. The Authority therefore, proceeds to examine the current injury, if any, to the domestic industry before proceeding to examine the likelihood aspects of dumping and injury on account of imports from the subject countries.

F.4 Current Injury and causal link

39. Article 3.1 of the Act and Annexure II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such

products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in imports, either in absolute term or relative to production or consumption in the importing member. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in the importing country, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree, or prevent price increase, which would have otherwise occurred to a significant degree.

40. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry para (iv) of Annexure-II of the Anti Dumping Rules states as follows.

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment wages growth, ability to raise capital investments."

41. The Authority has taken note of the arguments on injury examination and addressed the issues raised at appropriate places. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account the facts and the arguments of the interested parties.

42. For the purpose of current injury analysis the authority has cumulatively examined the volume and prices effects of dumped imports of the subject goods from the subject countries on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal link between dumping and injury, if any. Accordingly the volume and price effects of dumped imports have been examined as follows:

(A) VOLUME EFFECT: Volume Effect of dumped imports and Impact on domestic Industry

43. The effects of the volume of dumped imports from the subject countries as well as imports from other countries have been examined as follows:

i) Import volumes and share of subject countries:

44. The Authority has examined the transaction-wise details of imports provided by DGCIS, except for Korea RP in POI (which is actual of exporter), analysis of which shows as under:

	Unit	2004 -05	2005 -06	2006- 07	Jan- Dec 07
European Union	MT	***	***	***	***
China	MT	***	***	***	***
Korea RP	MT	***	***	***	***
Taiwan	MT	***	***	***	***
Subject Countries	MT	***	***	***	***
Other Countries	MT	***	***	***	***
Total Imports	MT	***	***	***	***

The data shows that the import from the subject countries increased significantly in the POI as compared to the base year. Imports from the other countries has also increased during corresponding period. However, import from other countries is much lower than increase from subject countries. Further, the Authority notes that the volume of imports from the subject countries were significant throughout the injury period.

ii) Demand, Output and Market shares

a) Demand and Market Share

45. On the basis of data, the position with regard to demand and market share is as follows –

		2004-05	2005-06	2006-07	Jan-Dec 07
Sales of the domestic industry	MT	***	***	***	***
Imports - All Sources	MT	***	***	***	***
Sales - Other Indian Producers	MT	***	***	***	***
Demand	MT	32,539	32,720	31,658	32,104
Market Share in Demand					
Subject Countries	%	***	***	***	***
EU	%	***	***	***	***
Korea RP	%	***	***	***	***
Taiwan	%	***	***	***	***
China PR	%	***	***	***	***
Other Countries	%	***	***	***	***
Other Indian Producers	%	***	***	***	***
Domestic Industry	%	***	***	***	***
Indian Industry	%	***	***	***	***

The above data shows that the domestic demand which was more or less constant declined marginally in POI vis-a-vis base year. However, in spite of

decline, there is increase in imports. It seems the domestic industry was not able to utilise capacity and lost significant market share to dumped imports. Whereas market share of the subject imports increased over the injury period, market share of the domestic industry declined. Market share of Indian Producers as a whole also declined.

b) Production of the Domestic Industry

46. Information regarding installed capacity and production is given as follows:

Particular	UO M	2004- 05	2005- 06	2006- 07	Jan'07- Dec'07
Installed capacity	MT	***	***	***	***
Trend	Index x	100	100	100	100
Production	MT	***	***	***	***
Trend	Index x	100	84	77	56
Capacity utilization	%	***	***	***	***
Trend	Index x	100	85	76	56

The above data shows that there is significant decline in production and capacity utilization of the domestic industry.

c) Sales of Domestic Industry

47. Information regarding sales of the domestic industry is given below:

Particulars	UOM	2004- 05	2005- 06	2006- 07	Jan'07- Dec'07
Domestic sales	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	83	76	61

Export sales	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	252	29	92

Authority has examined domestic and export sales separately. The above data shows that domestic sales decline very significantly as compared to base year. Regarding exports, Authority notes that the applicant does not have very significant export activity.

(B) Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

48. In a review investigation, it is required to examine whether there has been a significant price effect by the dumped imports as compared with the price of like product in India or whether there is likelihood of recurrence of price effect after revocation of duty.

49. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it has been examined whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or to prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. In order to assess the effect of imports on the domestic market an analysis of import prices over the injury period has been made, as shown below:

CIF export price Rs/MT	2004 -05	200 5-06	2006 -07	POI Jan-Dec 2007
Exports from subject countries (in Mt)	***	***	***	***
Landed Price from subject countries	***	***	***	***
Net sales realization	***	***	***	***
Trend	100	104	117	110

50. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the subject countries has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis, the weighted average cost of production, weighted average Net Sales Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject countries.

(i) **Price undercutting and underselling effects**

51. Price undercutting has been determined by comparing the landed value of dumped imports from the subject countries over the entire period of investigation with the weighted average net sales realization of the domestic industry for the same period. For this purpose, landed value of imports has been calculated by adding 1% handling charge and applicable basic customs duty to the value reported in the DGCI&S data of import prices from the subject country.

52. In determining the net sales realization of the domestic industry, the discounts and commissions offered by the domestic industry and the central excise duty paid have been rebated.

53. For the purpose of price underselling determination the landed price of imports from subject countries has been compared with the Non-injurious selling price of the domestic industry determined for the POI and cost of production for the remaining years.

Particulars	UO M	200 4-05	200 5-06	200 6-07	Jan'07- Dec'07
Cost of sales	Rs./ MT	***	***	***	***
Trend	Inde x	100	130	162	167
Selling Price	Rs./ MT	***	***	***	***
Trend	Inde x	100	104	117	109

Import Volume	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	123	175	183
Landed Value	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	96	113	98
Price undercutting avg	Rs./MT	***	***	***	***
Price undercutting avg	%	***	***	***	***
Range	%	neg	1-10	1-10	1-10
Non Injurious Price					***
Price Underselling					***

The Authority notes that landed price of imports from the subject countries were below the net sales realization of the domestic industry, thus resulting in positive price undercutting. Further, the landed value of dumped imports from the subject countries caused significant price underselling.

(ii) **Price suppression and depression effects of the dumped imports:**

54. The price suppression effects of the dumped imports have also been examined with reference to the cost of production, net sales realization and the landed values from the subject countries. The above data shows that the cost of production of the subject goods have increased by ***% during POI in comparison to base year whereas net selling price increased only by ***% during the same period, which reflects that dumped imports resulted in the significant price suppression.

F.5 Examination of other Injury Parameters

55. Other economic parameters, which could indicate existence of injury to the domestic industry, have been analyzed here as follows:

i) Productivity

56. Productivity of the domestic industry has been measured in terms of its labour productivity of the output and it has been noticed that the productivity has declined by 44% during POI as compared to base year.

Particulars	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	Jan to Dec. 2007 (POI)
Production	MT	***	***	***	***
Employees	No.	***	***	***	***
Productivity per employee	MT/ No.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	85	76	56
Productivity per day considering 350 days	MT/ Day	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	85	76	56

ii) Profits, return on capital employed and cash flow

57. Information regarding profits, return on capital employed and cash flow shows as follows:

Particulars	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	Jan'07-Dec'07
Cost of Sales	Rs./MT	***	***	***	***
Selling Price	Rs./MT	***	***	***	***
Profit/Loss	Rs. MT	***	***	***	***

Trend	Index	100	45	14	negative
Interest	<u>Rs./ MT</u>	***	***	***	***
Profit/Loss before interest	Rs./MT	***	***	***	***

The data shows that cost of sales increased by *** % during POI as compared to base year whereas the net selling price increased by *** % during POI as compared to base year. Cash profits and return on capital employed showed the same trend as that of profits.

iii) **Employment and wages**

58. Figures regarding employment and wages shows as follows:

Particulars	Unit	200 4- 05	200 5- 06	2006- 07	Jan to Dec. 2007 (POI)
Wages	Rs. Lacs	***	***	***	***
Employees	No.	***	***	***	***
Wages /Employee	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	121	137	141

The data shows that number of employees of the domestic industry had remained same during injury period and POI. The wages increased by *** % during POI in comparison to base year.

iv) **Ability to raise capital**

59. The domestic industry has no capacity addition during the POI.

v) **Magnitude of Dumping**

60. The dumping margin determined for the subject country is above de minimis level.

vi) **Factors affecting prices**

61. The Authority has examined the change in cost structure if any, competition in the domestic industry and prices of competing substitutes for

analyzing the factors other than dumped imports that might be affecting the prices in the domestic market. However, domestic demand has remained more or less constant during the entire injury period and POI. The Authority also observes that the participating producers of the subject goods account for about *** % of total domestic demand during POI. However, in comparison to base year, share of domestic industry declined by around *** % during POI.

vii) Inventories

62. The inventory level of the domestic industry shows increase over the injury period as shown below:

Particulars	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	Jan'07-Dec'07
Inventories - average	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	99	108	196
Inventories as % of Production	%	***	***	***	***
Range	%	1-10	1-10	1-10	10-20

F.5 Overall assessment of Injury

63. Overall injury is assessed as follows:

- The cost of sale increased during POI as compared to base year.
- Exports price also, which had increased during 2006-07 vis-a-vis the base year and the preceding year, declined during the POI.
- The customs duty declined from 20% in 2004-05 to 10% during POI. The combined effect of export price and reduced customs duty consequently

impacted the landed value of subject goods. The imports from subject countries increased during POI, and impacted the net selling price of the domestic industry.

- iv) There was significant increase in the volume of imports from the subject countries in absolute terms and also in relation to demand and production of the subject goods in India resulting in significant decline in market share of the domestic industry.
- v) The imports are significantly undercutting the prices of the domestic industry resulting in price suppression effect on the domestic industry.
- vi) The performance of the domestic industry deteriorated in terms of volume parameters despite the anti dumping duty in force.
- vii) Price parameters relating to domestic industry such as profits, return on investments and cash flow have deteriorated in view of the continued dumping.
- viii) The overall assessment of the various parameters relating to domestic industry establish that the domestic industry has suffered injury due to dumped imports from the subject countries despite anti dumping duty in place. Therefore, dumping & consequent injury to the domestic industry is likely to continue in the event of revocation /reduction of anti-dumping duties.

F.6 Other Known factors and Causal Link

i) Volume and prices of imports from other sources

64. As per the DGCI&S data, imports have taken place from other countries, other than the subject countries. The data given in the table at para 44 of the disclosure statement, shows that imports from the other countries have increased marginally during the POI as compare to base year whereas the increase in imports from the subject countries during the corresponding period is substantial and significant. However, the average price of import from other countries comes to Rs. ***/- per Mt which is less than that of the subject countries and therefore impacting the domestic price.

ii) Contraction in demand and / or change in pattern of consumption

65. Domestic demand of the product under consideration has remained more or less constant till 2006-07, declined marginally in POI. However, increase in imports is significantly more than decline in demand, which forced domestic industry to loose market share and imports from subject countries gained market share.

iii) **Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers**

66. The subject goods are freely importable and there are no trade restrictive practices in the domestic market. Therefore, this factor could not have been reason to cause injury to the domestic industry

iv) **Development of technology and export performance**

67. Technology or technology related issues have not been raised by any interested party as cause of injury to the domestic industry. It is observed that the domestic industry was exporting some quantity. As exports constitute very small portion of the domestic industry sales, therefore, this factor is not causing injury to the domestic industry.

v) **Productivity of the Domestic Industry**

Productivity of the domestic industry in terms of daily output has shown significant decline. Therefore, productivity is not a factor, which can be attributed to the injury of the domestic industry.

F.6 Magnitude of Injury and injury margin

68. The non-injurious price of the subject goods, determined for the domestic industry taking into account the cost data of the domestic industry, has been compared with the landed value of imports from the subject countries for determination of the injury margin.

H. Likelihood of continuation or recurrence of injury

69. The domestic industry submitted as under in support of its claim of likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury.
- (a) The exports have continued at dumping prices.
 - (b) The volume of exports have increased over the injury period.
 - (c) The volumes of imports from subject countries are likely to increase in the event of revocation of ADD.
 - (d) Anti dumping duties are required to be extended for the further period of five years.

70. The present sunset review investigation concerns recurrence or continuation of dumping of the subject goods from EU, Korea RP, China PR and Taiwan (Chinese Taipei). As far as the co-operating exporter from EU is concerned they have no exports to India during POI. However, they have exports to third countries during POI which is observed to be at dumped prices. Further, they have substantial surplus production capacity. Considering the demand in India, there is all likelihood that they may once again dump the subject goods in India in the event of revocation of the anti dumping duty.

71. As far as imports from Korea RP is concerned dumping has continued despite imposition of anti dumping duty. The demand for the subject goods is declining in the Korean market as well as international market due to decline in demand for the cathode ray tubes (CRT). Consequently, Korean production is mainly geared up to meet the demand for the subject goods in Indian market. Moreover, the co-operating producer has substantial surplus production capacity. In the event of revocation or reduction of the anti-dumping duty in all likelihood the dumping from Korea RP may continue and intensify further as there is substantial demand for the subject goods in India and the exporter has substantial unutilized production capacity.

72. The exporters from Taiwan (Chinese Taipei) and China PR have not co-operated. They do not have substantial export to India during POI, perhaps due to imposition of anti dumping duty. However, the DGCI&S data shows that imports have continued from these countries at dumped prices. In the event of revocation or reduction of anti dumping duty the dumping of the subject goods by these countries may continue and intensify further.

73. The major usage of the subject goods is to manufacture the Cathode Ray Tubes (CRT). Due to invention of the LCD technology the demand for the CRT in the international market, especially in the developed countries, is on decline. On the contrary, the Indian market still has a substantial demand for the CRT due to high cost of LCD. In the event of revocation or reduction of anti dumping duty, the demand for the subject goods in India mainly being determined by the demand for CRT, may lead to recurrence / intensification of dumping and injury from the subject countries.

74. The comments received from various interested parties, on the disclosure statement, are examined below:-

Comments of Domestic Industry

1. The exporters can not be treated as cooperative since they have not responded to the supplementary exporters questionnaire.

2. Since the prices of the basic inputs have substantially changed, the Authority is requested to keep the form of measures to fixed quantum, expressed in US\$.

3. There is no basis to consider KCL as starting raw material and it must be KOH. KOH solution of 30% is required to be processed further to 48% before it can be consumed in production of K_2CO_3 . This involves additional processing cost. Since calculation is made from KCL stage the dumping margin assessed is grossly understated.
4. The exporter has multiple sales channels. Such being the case, assessment of one dumping margin for Unid as a whole without taking into account the different sales channels is contrary to established practice of the Authority.
5. The domestic industry has suffered material injury from continued dumped imports as reflected in various economic parameters.
6. Since excise duty and sales tax are paid/payable at ex factory level, the non injurious price should be determined considering excise duty and sales tax.
7. Both dumping and injury to the domestic industry are likely to continue in the event of revocation of anti dumping duties.
8. Anti dumping duties are required to be extended further for a period of five years.

Examination by the Authority

1. M/s Evonik Degussa GmbH, Germany has not made any exports to India during the POI. M/s UNID Co., Korea has furnished information in supplementary exporters questionnaire.
2. Authority has noted the views expressed regarding form of duty.
3. M/s UNID Co., Korea RP is having a continuous production process and maintaining process wise cost record. Additional cost incurred at KOH solution stage has been duly incorporated by the exporter, which has been verified by the Authority. Therefore, dumping margin has been determined accordingly.
4. M/s UNID Co., Korea RP and M/s OCI Corp are related parties and therefore, single dumping margin has been determined.
5. Authority has noted the views regarding continued dumping and injury to the domestic industry.
6. Non injurious price has been correctly determined in line with the practice being followed by the Authority.

Comments of M/s Lakshmi Kumaran & Sridharan on behalf of M/s Evonik Degussa GmbH, Germany.

- (1) The correct name of the client M/S Evonik Degussa GmbH, Germany be mentioned in the final findings to avoid problems with the Customs authorities.
- (2) Determination of separate normal value for all the grades of Potassium Carbonate being manufactured by M/s Degussa GmbH, Germany : granular, hydrate, compacted and powder and .
- (3) Exclusion of hydrate and compacted forms from the scope of product under consideration since domestic industry has mentioned about the powder and granular forms only in their application.
- (4) Weighted average of different grades will result in distortion of the dumping margin calculation.
- (5) Revision of normal value and export price should be done after excluding hydrate and granular forms from the scope of product under consideration.
- (6) The capacity utilization of the exporter should not be taken in isolation. The capacity is dependent on supply of KOH. The supply of KOH was curtailed during the period of investigation since the market of KOH as compared to market of K_2CO_3 was more attractive.
- (7) The Authority is mandated to decumulate European Union exports from all other imports of the subject countries for the purposes of injury and causality analysis in view of the consistent and significant decreasing trend of imports from EU and the negative dumping margin vis-a-vis other countries' exports to India.
- (8) Loss in market share by the domestic industry is not the result of an increase in imports from the subject countries. Rather, it is the result of a number of other factors – including an increase in imports from other countries as well as in increase in domestic production by other Indian producers.
- (9) The fall in domestic industry's production and sales of the subject goods is due to the deliberate marketing strategy of the domestic industry to focus on the production of Caustic Potash Flakes to meet market demand. Therefore, the injury on account of the marketing of subject goods is self inflicted. The fact has also been mentioned in the page no. 19 of the Annual Report for the year 2006-07 of the petitioner has categorically stated that production of potassium carbonate had been curtailed during the POI because of an increase in the caustic potash flake market.

Digitized by eGangotri
www.egangotri.org

Examination by the Authority

(1) Name of the client has been corrected in the final findings wherever it appears as Evonic Degussa GmbH, Germany, which was established by way of change of legal status of Degussa, AG.

(2) Potassium Carbonate is the subject goods both in the original investigation as well as in the present sunset review investigation and no change in the description and profile of the subject goods can be brought at this stage. As the subject good is potassium carbonate, therefore, no goods wise separate normal value determination is required.

(3) Authority has noted the views on capacity utilization of the exporter and it is stated that potassium carbonate is the subject good under investigation and the capacity utilization of the same has been taken into account.

(4) The Authority has separately analysed the impact of exports by the European Union.

(5) It has been argued that the petitioner itself has admitted in their Annual Report that market for Potassium Hydroxide was better than Potassium Carbonate and the company cautiously decided to sell more of Potassium Hydroxide thus leading to less material available for selling Potassium Carbonate. However, in a situation where the company is producing two products wherein one is an intermediate product for another, it is common business prudence that the company would decide its volume between the two products based on relative profitability of the two products in order to optimize its overall performance. In the present case, the company as also foreign producers first produce Potassium Hydroxide, which is then processed further to obtain Potassium Carbonate. Both the products have significant market demand. Therefore, the company has option to sell either more of Potassium Hydroxide or of Potassium Carbonate depending on relative profitability of the two products in order to achieve overall better performance of the company. If overall profitability of the company would be higher by selling Potassium Carbonate, the company would reduce its production and sales at the intermediate stage of Potassium Hydroxide. Moreover, increase in production and sales of Potassium Hydroxide by the petitioner does not mean that there is no dumping of the subject goods.

Comments of Govt. of India on Petitioner's Submissions

(1) The Authority has disregarded the cost data provided by the exporter.

(2) The Authority has not provided adequate and reasoned explanations on calculation of normal value and dumping margin.

(3) All essential facts under consideration have not been disclosed.

(4) The Authority has not provided sufficient time to the interested parties to respond to the disclosure statement.

Comments of the WTO Panel on Korea's

- (1) Name of DCI is absent in the procedure part as a cooperating exporter.
- (2) The Authority should consider separate rate of duty for exports made through Hoshu-Korea Ltd.
- (3) A number of information has been kept confidential in the disclosure statement. This includes information on imports from third countries and various information relating to injury to the domestic industry. Investigations were earlier initiated and abruptly dropped. The investigation period in the two overlaps. Separate price undercutting from each of the subject countries has not been disclosed.
- (4) Exporters' questionnaire Part-II was never issued to the company. This was given for the first time at the time of verification, in spite of which the company provided all relevant information.
- (5) The disclosure statement shows that the Authority has already determined to extend the duties and the disclosure statement is a mere formality.
- (6) Unit's cost of production has been rejected in spite of the fact that the same is as per records maintained by the company and the methodology was accepted in the original investigations. Even after following the methodology adopted by the Authority, the cost of production comes to US\$ ---. Further, the cost of production has been determined inclusive of packing expenses.
- (7) The normal value of Unit should have been determined as US\$ ---.
- (8) The Authority has wrongly adjusted S&D expenses of Unit's domestic factory export price. Further, if this is to be adjusted, Unit's S&D should also be deducted from the domestic price.
- (9) Since there is a difference in the level of trade, the Authority should apply level of trade adjustment in normal value.
- (10) There is no dumping by Unit in the present investigations, nor any threat of recurrence of dumping.
- (11) Since both dumping margin and injury are negative, no duty can be imposed.

(12) The dumping margin % should be determined considering CIF price (and not ex-factory price).

(13) There is no exports by the cooperating exporter from EU and the export price has been determined based on imports reported by the DGCI&S. This is contrary to the decision in other investigation where the Authority had considered exports to third countries in similar situation. The Authority has granted special treatment to EU.

(14) Inspite of non cooperation by Chinese producers and their treatment as non market economy, the dumping margin in case of China is too low. This has led to a situation where cooperating exporter is having a higher dumping margin than non cooperating exporter.

(15) There are three producers of the product in India. The injury analysis has however been conducted only for one company. This is contrary to the decision of the Supreme Court. The claim of the petitioner that it constitutes a major proportion should be verified. Other Indian Producers constitute a significant share of the Indian production. The injury information therefore does not pertain to "domestic industry as a whole".

(16) Production considered in the disclosure statement and in the annual report are different.

(17) No injury can be claimed on account of production, sales and market share. Decline in capacity utilization, productivity are due to deliberate suppression of production. Further, the cost of production has increased due to suppression of production.

(18) Production of other producer has shown mammoth growth from 1200 MT in 06-07 to 2500 MT in POI.

(19) Petitioner cannot meet the demand of the product in the Country. Imports have been made as the petitioner suppressed production and could not meet the demand. This is the reason for increase in the imports from Korea.

(20) Petitioner has diverted the production to lucrative caustic potash market. The petitioner has further expanded capacity for caustic potash.

(21) There is no adverse price effect. Further, net sales realization and landed price of imports has been kept confidential, nor separate information provided for each of the subject countries.

(22) There is a difference in the figures relating to net sales realization of the domestic industry reported on page 29 and page 30 of the disclosure statement for the period Jan.-Dec., 07.

- (23) Profits, return on capital employed and cash flow have suffered due to diversion of production to other products.
- (24) Employment and wages shows improvement.
- (25) Increase in inventories is surprising, as whatever is produced, has been sold. Sales in POI have been higher than production.
- (26) The Authority has already decided to continue duty based on threat without detailed analysis. There is no threat of material injury to the domestic industry.
- (27) The WTO has held in Mexico-anti dumping investigations of High Fructose Corn Syrup from the US that threat cannot be based solely on factors listed under Article 3.7 of the Agreement. Various injury parameters must nevertheless be examined. No threat of injury exists in the present case.
- (28) Domestic industry predominantly supplies bulk of the product to mainly 1-2 very large producers of the electronic goods, who have started importing the product from other countries not attracting anti dumping duties. This is the sole reason for injury.
- (29) The production process of the petitioner is from caustic potash. The petitioner has diverted production of caustic potash, which is the main reason for injury to them. Petitioner has better margin in caustic potash.
- (30) Methodology for calculation of non injurious price has not been disclosed. Further non injurious price has not been determined for the domestic industry as a whole.

Examination by the Authority

- (1) The Authority has adequately considered the views of Govt. Of Korea, and wherever required, the same have been suitably incorporated in the final findings.
- (2) With regard to the argument of Unid and the Govt. of Korea on methodology applied for determination of normal value and dumping margin and with regard to adequate reasoned explanation for the same, the Authority considers that in para 19 of the disclosure statement change in the treatment of chlorine was suitably incorporated in the calculations relating to normal value. Further, net export price determination was also disclosed. Thereby explanations have been provided with regard to methodology applied for determination of dumping margin.
- (3) With regard to disclosure of essential facts, the Authority notes that all facts considered essential have been disclosed to the interested parties. With

regard to the time permitted for responding to disclosure statement, the Authority notes that the rules do not prescribe any minimum time required in this connection.

(4) The Authority notes that OCI has not filed a separate questionnaire response. In fact, in the instant case, the goods have been exported to India by OCI. To such an extent, OCI is the exporter concerned. OCI is related to Unid. Widely practiced approach in such cases is to require a separate and complete questionnaire response from the producer and the exporter concerned. The Authority could, to such an extent consider the entire response as deficient and reject the same. However, having regard to various facts, the authority considered appropriate not to treat OCI as non-cooperative and has in fact determined dumping margin based on the response on record, notwithstanding the incomplete questionnaire response by OCI.

(6) As regards requests for separate duty in respect of goods produced by Unid and exported by Itochu Korea, the authority notes that there has been no response from Itochu Korea. The goods in these cases were exported by Itochu Korea. Therefore, in the absence of response by Itochu Korea, it was not feasible to determine dumping margin and injury margin in respect of sales made by Itochu Korea.

(7) The authority has taken note of various arguments with regard to confidentiality and has further disclosed the information in the present findings to the extent necessary/permitted under the rules.

(8) As regards the exporters questionnaire-Part II, while it is appreciated that the exporter was not asked to file this information earlier, attention of the exporter was nevertheless drawn to this publicly known requirement at the time of oral hearing and the copy of the same was given to the exporter at the time of verification.

(9) Disclosure of essential facts does not imply a decision by the authority nor there was any decision at this stage. The authority has only disclosed the facts brought before the authority.

(10) Unid and OCI are undoubtedly related entities. Goods were produced by Unid and exported by OCI. Sales in domestic market are, however, made directly by Unid to the end consumers. Therefore, in order to ensure fair comparison between normal value and export price, it is necessary to take all expenses incurred and reasonable profit of OCI. As far as S&D expenses of Unid are concerned, the same were incurred both in respect of domestic and export sales. It has not been established by Unid that these expenses were incurred only in respect of domestic sales. OCI expenses in respect of S&D were incurred only for exports to India and no such expenses were incurred by OCI in the domestic market. Therefore, while it is appropriate to adjust

expenses incurred by OCI (alongwith reasonable addition for profits), it would not be appropriate to adjust S&D expenses of Unid.

(11) The authority also notes that Unid claimed having paid commission to OCI. However, it is noted that Unid has raised invoices on OCI. In a situation where one party raises an invoice onto other party, question of granting commission to the very same party would not arise.

(12) As regards expressing dumping margin as a percentage of CIF export prices, the authority notes that no legal basis has been stated for the same. In any case, the authority has not recommended ad-valorem duty and is recommending specific amount of duty. Therefore, the fact where dumping margin is expressed on ex-factory or CIF has not vitiated the present findings.

(13) With regard to dumping margin in respect of EU, the authority notes while there may be no exports by a responding company, the same does not imply that there may not be any imports of the products from EU during the period, as goods may have been exported by any other entity in UE. The Authority has granted no special treatment to EU in this regard.

(14) As regards dumping margin in respect of China, the authority notes that there are significant differences in the price at which goods have been exported from Korea and China. Dumping margin is the difference between normal value and export price. The fact whether a party has co-operated does not imply that dumping margin should invariably be lower for such cooperating party. It is quite possible, and as the facts in the present case are, the export price in respect of cooperating exporter is significantly lower than export price from China. Resultantly, the dumping margin in respect of China is significantly lower than dumping margin for the responding exporter.

(15) It has been argued that there are three producers of the product in India and the injury analysis must comprise of all the three producers. Repeated reference has been made to the decision of the Supreme Court in the matter of Reliance Industries Vs. Designated Authority. The authority considers that "domestic producers as a whole" must be distinguished from "domestic industry as a whole". Should the authority insist on determination of injury for Indian producers as a whole, the same would render a major part of Rule 2(b) to in futility. Rule 2(b) permits a domestic manufacturer commanding a major proportion of eligible Indian production to seek protection under the law. Requiring injury analysis for domestic producers as a whole would imply denying relief to such companies who command a major share in eligible Indian production, but who are not able to get support and information from all other eligible domestic manufacturers. This is neither the order nor the intent of the order of the Hon'ble Supreme Court.

(16) With regard to the submission made in the disclosure statement regarding production and inventories, the authority notes that the production and inventories figures have been considered on the basis of the verified data.

(17) It has been argued that production of the other domestic producers has shown a mammoth growth from 1200 MT to 2500 MT. The domestic industry reported that Standard Alkalies stopped production and sold its plant, which has been taken over by Rayalaseema. The company commenced production recently. Under the circumstances and given the demand in the Country, an increase in production from 1200 MT to 2500 MT for a company starting new production line cannot be considered as mammoth increase, nor an indicator of "no injury".

(18) Indian industry interest – Certain parties argued that the Indian producers cannot meet the demand in the Country. The authority notes that there is a difference between the demand of the product in the Country and capacity with the domestic producers. However, inability of the domestic industry to meet the demand in the country cannot imply denying their rights to seek imposition/ continuation of anti dumping duties, in case it is otherwise established that the parameters for imposition/continuation of duty are otherwise met. In fact, dumping of the product, if permitted, would lead to decline of the domestic industry and further widen the gap between demand the capacity, as is already evident in the present case, where the petitioner was forced to divert production more towards Potassium Hydroxide because of comparatively adverse performance of this product.

(19) Certain interested parties have made reference to the requirement of threat under the rules. The authority notes in this regard that the parameters of threat listed under article 3.7 of the Agreement when applied to a Sunset Review case have to be considered in the context of existing duty and the prescribed legal requirement of assessment of injury to the domestic industry. The assessment of threat parameters in a Sunset Review case cannot be compared with assessment of threat parameters in a fresh case.

(20) Non-injurious price – With regard to argument of disclosure of methodology concerning non-injurious price, the authority notes that the purpose of determination of non-injurious price is to assess injury margin. The obligation on the authority is to determine whether a duty lower than dumping margin would be sufficient to remove the injury to the domestic industry. Moreover, the authority has applied the consistent practice of determination of non-injurious price with no special concession/dispensation in the present case.

(21) Regarding the comment that domestic industry has deliberately increased its sales of Potassium Hydroxide and reduce its sale of Potassium Carbonate, it may be stated that while this fact addresses possible volume injury to the domestic industry on account of its own decision, it does not

however, address the more fundamental issue of whether the domestic industry suffered price injury in respect of Potassium Carbonate volumes sold in the market. Further, this is clearly indicative of the possible fact that the performance of Potassium Carbonate was more adverse than Potassium Hydroxide. In any case, this fact, at the least, is suggestive of the fact that the performance of the company in respect of Potassium Carbonate was not better than performance of the company in respect of Potassium Hydroxide.

(22) The verified information relating to the domestic industry clearly show that the performance of the domestic industry in respect of Potassium Carbonate deteriorated in terms of profits, return on investment and cash profits. Imports were undercutting the domestic prices and suppressing price increases that would have otherwise occurred in the absence of dumped imports. Further, selling price of the domestic industry is found significantly below the assessed non-injurious price. In other words, there is sufficient evidence to suggest that in case of Potassium Carbonate, the domestic industry has suffered adversely on account of price factors. Under the circumstances, the only conclusion that can be drawn is that dumped imports of the product have led to so significant injury to the domestic industry that not only the company's performance in respect of the product under consideration deteriorated, but also the company was forced to decide to sell the product at intermediate stage itself, leaving further facilities idle/unutilized to such an extent.

(23) The product under consideration is Potassium carbonate. Major input for Potassium Carbonate is Caustic Potash, which is captively produced from raw material Potassium Chloride. In the process of production of caustic potash, chlorine is also produced/generated. It has been stated by the exporter that with 1MT production of caustic Potash, *** MT of Chlorine is generated.

(24) Disclosure statement in this matter was issued on 14th May, 2009. In view of apparent errors observed in the apportionment ratio followed by the exporter, the Authority has suitably modified the same in final finding to the extent required.

(25) Exporter has clarified that in the original investigation also, the Caustic Potash and chlorine were treated as joint products. Therefore, they have been consistently following the approach of joint product.

(26) While analysing the exporters' comments it is noted that exporter has been consistently considering the chlorine and Caustic Potash as joint products. Further, due to non-availability of concentration wise data, no adjustments of concentration of chlorine is possible.

Comments of the exporter has been suitably incorporated, wherever required. Accordingly, normal Value has been calculated as US\$ ***. The dumping margin considering the revised normal value works out to ***%.

Comments of M/s Videocon Industries Limited (Importer)

1. There may not be significant difference as far as chemical composition is concerned in the Potassium Carbonate being produced by the domestic industry and that being imported from various countries, but the physical properties like particle size distribution / granular form etc of Potassium Carbonate being produced by domestic industry is not alike to the Potassium Carbonate that Videocon is importing from overseas sources. Since the Potassium Carbonate produced by the domestic industry is not perfectly meeting to the requirement of Videocon therefore Videocon is importing Potassium Carbonate from various countries despite of imposition of anti dumping duty.

2. Since domestic industry has facility / option to produce either Potassium Carbonate or Caustic Potash flakes in the same production facility, therefore in case of lower demand of Potassium Carbonate they can very well produce Caustic Potash Flakes and utilize their capacities. Thus import of any volume of Potassium Carbonate in India ought not cause any injury to the domestic industry.

3. In fact the consumption of Potassium Carbonate by Videocon is gradually getting reduced. It is because Videocon is resorting to other options for availing the potash content in the CRT glass panels in progressive manner so as to sustain its operations under the highly competitive and stiff market conditions and economy slow down. It is true that the single largest usage of Potassium Carbonate for the industrial / electronic products in India is to manufacture Cathode Ray Tubes (CRT) . However, growing market of LCD televisions will directly compete with the production of CRT based televisions. CRT glass production would reduce in the coming time which will cause lesser requirement of Potassium Carbonate for CRT industry. Therefore the import of the Potassium Carbonate by Videocon will gradually decrease. Thus it is not going to lead to intensification in dumping and injury to domestic industry with import of Potassium Carbonate by Videocon.

4. In today's scenario the opportunities are extended to all trades to manufacture and sell their product either within country or export wherever one is competitive from price and quality angles. It is also applicable to domestic industry that they can produce Potassium Carbonate and sell (export) to any other country if their product is not getting sold within the country. It means that domestic industry is not capable of manufacturing a competitive product and stand with it in the open market conditions. Import of potassium carbonate is continued in India despite of anti dumping duty applicable because domestic industry are not capable to maintain their operation optimally to produce a quality and price competitive product.

5. Since no other importer / user has responded or submitted any information except ourself in initiation of review investigation, thus it looks no other importer / user of Potassium Carbonate in India except Videocon Industries Limited will be affected if anti dumping duty on potassium Carbonate continues. The CRT industry is gradually shrinking in India also as LCD televisions are replacing the CRT based televisions. Consequently CRT industry is being forced to reach its end in couple of years in India. Therefore, it will be appropriate to mention that our industry needs support from all possible sources in such circumstances to help produce quality products at affordable price.

Examination by the Authority

No specific dispute has been raised by any exporter with regard to the like article aspect. The Authority notes that M/s Videocon has not provided any evidence whatsoever in the form of technical literature, etc. substantiating their view that the imported goods are not like article to the subject goods produced by the domestic industry and no injury has been caused by the imports from the subject country.

Reduction of consumption of subject goods by M/s Videocon Industries Ltd. does not justify the non-imposition of the anti-dumping duties.

The argument that domestic industry are not capable to maintain their operation optimally to produce a quality and price competitive product has no basis.

H. FINAL FINDINGS:

75. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority through the submission of interested parties or otherwise as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis of the state of current and likely dumping and injury and likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury, the Authority concludes that:

i) The subject goods are entering the Indian market at dumped prices and dumping margins of the subject goods imported from the subject countries, except European Union, are substantial and above de-minimis.

ii) The subject goods are likely to enter the Indian market at dumped prices and the likely dumping margins in respect of imports from subject countries is substantial and above de-minimis.

iii) The subject goods are likely to enter Indian market at dumped prices, should the present measures be withdrawn.

iv) Though the capacity of the domestic industry has remained more or less same throughout the injury period, its performance in terms of production, sales and profitability deteriorated during the same period and the situation of domestic industry continues to be fragile due to continuous dumping by the subject countries except the EU. The dumped imports from the subject

countries continues to cause substantial injury to the domestic industry and the likelihood of continuation and intensification of dumping from Korea RP, China PR and Taiwan (Chinese Taipei) and recurrence of dumping from the EU is lurking above the heads of the domestic industry threatening to cause substantial injury in the event of revocation of the anti-dumping duty. Should the present anti dumping duties be revoked, injury to the domestic industry is likely to continue, recur and intensify.

I. Indian industry's interest and other issues

76. The Authority recognizes that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the product in India. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practice, prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. The Authority notes that the imposition of the anti dumping measures would not restrict imports from subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the products to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

77. The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

J. Recommendations

78. Having concluded that the situation of the domestic industry continues to be fragile and there is likelihood of continuation, resumption and intensification of dumping and injury on account of imports from the subject countries if the duties are revoked, the Authority is of the opinion that the measure is required to be extended in respect of imports from the subject countries as recommended by the Authority vide Final Findings Notification No. 14/42/2002-DGAD Dated 16.01.2004 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-I, Section-I, Dated 19.01.2004 and notified by the Central Government vide Notification No. 37/2004-Customs Dated. 20.02.2004.

79. Having examined the current dumping and likelihood of dumping to be imminent in case of withdrawal of the current measure in place, the Authority recommends continued imposition of Anti-Dumping Duty as per the duty table given below.

Duty Table

Sl. No	Tarif Item	Description of Goods	Specification	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount (in USD)	Unit of Measurement
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	28364 000	Potassium Carbonate	Any specification	Taiwan	Any	Any	Any	123.58	Mt
2.	28364 000	Potassium Carbonate	Any specification	Any except Korea RP, China PR and European Union	Taiwan	Any	Any	123.58	Mt
3.	28364 000	Potassium Carbonate	Any specification	Korea RP	Korea RP	M/s UNID Co. Ltd.	M/s OCI Corp., M/s UNID Co. Ltd.	9.45	Mt
4.	28364 000	Potassium Carbonate	Any specification	Korea RP	Korea RP	Any combination other than 3 above		123.86	Mt
5.	28364 000	Potassium Carbonate	Any specification	Korea RP	Any other than Korea RP	Any	Any	123.86	Mt
6.	28364 000	Potassium Carbonate	Any specification	Any country except Taiwan, China PR, European Union and Korea RP	Korea RP	Any	Any	123.86	Mt
7.	28364 000	Potassium Carbonate	Any specification	China PR	Any	Any	Any	90.03	Mt
8.	28364 000	Potassium Carbonate	Any specification	Any country except Taiwan, Korea RP and European Union	China PR	Any	Any	90.03	Mt
9.	28364 000	Potassium Carbonate	Any specification	European Union	European Union	M/s Degussa GmbH, Germany,	M/s Degussa GmbH, Germany	17.18	Mt
10.	283 640 00	Potassium Carbonate	Any specification	European Union	European Union	Any combination other than at 9 above		69.92	Mt
11.	28364 000	Potassium Carbonate	Any specification	European Union	Any other than European Union	Any	Any	69.92	Mt
12.	28364 000	Potassium Carbonate	Any specification	Any country except Taiwan, Korea RP, China PR and European Union	European Union	Any	Any	69.92	Mt

80. An appeal against the orders of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

R. GOPALAN, Designated Authority